केंद्रीय मंत्री रिजिजू का बचाव कर... 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

केन्या में कैसी रही वाराणसी की... 11

वर्ष - 01, अंक - 337 | गाजियाबाद / बुधवार 11 मार्च 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

स्पीकर बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

गोगोई बोले-राहुल को बोलने नहीं दिया

रिजिजू का जवाब-प्रियंका को नेता प्रतिपक्ष बनाते तो अच्छा होता

नई दिल्ली (एजेंसी)।

लोकसभा में मंगलवार को विपक्ष स्पीकर ओम बिरला को पद हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाया। 50 से ज्यादा सांसदों ने प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया। इसके बाद पीठासीन ने प्रस्ताव पेश करने की परमिशन दे दी। अब इस प्रस्ताव पर 10 घंटे चर्चा चलेगी। विपक्ष ने ओम बिरला पर सदन की कार्यवाही में पक्षपात करने का आरोप लगाया है।

बहस की शुरूआत कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने की। उन्होंने कहा कि बजट सत्र के दौरान 20 बार नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को रोक-टोका गया। उन्हें बार बार रूलिंग बुक दिखाई गई। उन्होंने अपनी स्पीच में एक आर्टिकल का हवाला दिया। इस पर उन्हें मना किया गया, लेकिन सत्ता पक्ष के सांसदों ने भारत में बैन किताबें सदन में दिखाईं। उनसे कुछ नहीं कहा गया। इस तरह का भेदभाव स्वीकार नहीं है।

संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- इन लोगों ने पहले आरोप लगाया कि एलओपी को बोलने नहीं दिया जाता है। मैं कहता हूं 15वीं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष केवल 2 बार बोले। जब सेशन चलता है, तो विदेश चले जाते हैं। नेता प्रतिपक्ष अपनी बात बोल के सदन से भाग जाते हैं। किसी और की बात नहीं सुनते हैं। फिर कहते हैं कि मुझे बोलने नहीं दिया जाता है।

पहली बार मैंने ऐसा दृश्य देखा कि नेता प्रतिपक्ष पीएम को गले लगा रहा है। अपनी सीट पर बैठकर अपने सांसद को आंख मारता है। जैसा लीडर है तो बाकी के सांसद भी वैसे ही होंगे। मेंबर चेयर को यार कहते हैं। फिर कहतें हैं कि इसमें गलत क्या है (वेणुगोपाल ने चेयर को यार कहा था।

प्रियंका को एलओपी बनाते तो कुछ अच्छा होता। देखिए प्रियंका हंस रही हैं। जो अच्छा व्यवहार करे तो उसकी सराहना करनी चाहिए। विपक्ष ने हंगामा किया। रिजिजू बोले- मैंने अच्छा बोला है। कांग्रेस क्यों नाराज हो रही है।

गोगोई ने बिरला पर भेदभाव के 3 आरोप लगाए

2 फरवरी को नेता विपक्ष राहुल गांधी जब बोल रहे थे, तब उन्हें बार-बार रोका गया। स्पीकर सर ने उनके तर्क पर सबूत देने का कहा।

9 फरवरी को शशि थरूर जब बोल रहे थे, तब उनका माइक बंद कर दिया गया। सरकार ने कहा कि बोलिए, लेकिन हम कैसे बोल सकते हैं जब माइक ऑफ किया गया हो। संसद में ऐसी नई-नई चीजें हो रही हैं।

आज महिला सांसदों के उद्देश्य पर सवाल उठाए जा रहे हैं। ओम बिरला जी ने पीएम मोदी के समय कहा था कि महिला सांसदों ने पीएम की चेयर घेर ली है। उनके साथ कुछ भी हो सकता था। ये बहुत ही शर्मनाक बात है। बिरला ने किस आधार पर महिला सांसदों पर ये आरोप लगाए।

राहुल की सच्चाई इनसे पचती ही नहीं है : प्रियंका

प्रियंका गांधी ने कहा कि एक ही व्यक्ति है इस देश में जो इन 12 सालों में इनके सामने झुका नहीं। वह नेता प्रतिपक्ष है। और वो नेता प्रतिपक्ष इस सदन में खड़े होके इनके सामने सच बोल देते हैं। सच्चाई वो जो बोलते हैं वह इनसे पचती नहीं है।

राज्यसभा में एसआईआर के मुद्दे पर हंगामा, विपक्ष का बहिर्गमन

नई दिल्ली। राज्यसभा में मंगलवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्ष ने हंगामा किया। इस दौरान विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिसके बाद विपक्षी सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया।

इस पर सदन के नेता जेपी नड्डा ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि चुनावी सुधारों पर पिछले सत्र में पहले ही विस्तृत चर्चा हो चुकी है। उन्होंने विपक्ष पर संसद की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाया और कहा कि ऐसे मुद्दों को बार-बार उठाना उचित नहीं है। विपक्ष सदन के अंदर वास्तविक बहस नहीं चाहता और बार-बार हंगामा कर कार्यवाही बाधित करता है। नड्डा ने विपक्ष के बहिर्गमन की आलोचना करते हुए कहा कि विपक्ष ने एक बार फिर सदन से बाहर जाकर यह दिखाया है कि वह सार्थक चर्चा नहीं चाहता। विपक्ष का रवैया गैरजिम्मेदाराना है। वो अराजकता में विश्वास रखते है। संसद में मुद्दों पर बहस के लिए पूरा अवसर दिया जाता है, लेकिन विपक्ष चर्चा करने के बजाय विरोध और बहिर्गमन का रास्ता चुन रहा है।

कोविड वैक्सीनेशन से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने लिया फैसला

'कोविड वैक्सीन से नुकसान का मुआवजा दे सरकार'

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को कोविड वैक्सीनेशन से जुड़ी याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए कहा कि सरकार वैक्सीनेशन के साइड इफेक्ट्स का मुआवजा दे। इसके लिए वह नो-फॉल्ट कंपनसेशन पॉलिसी बनाए।

नो-फॉल्ट कम्पनसेशन पॉलिसी का मतलब है कि अगर किसी व्यक्ति को दवा या वैक्सीन से नुकसान हो जाए, तो उसे मुआवजा मिल सकता है, भले ही इसमें किसी की गलती साबित न हुई हो।

जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने यह भी कहा कि वैक्सीनेशन के साइड इफेक्ट्स की मॉनिटरिंग के लिए मौजूदा सिस्टम जारी रहेगा। इसके लिए अलग से एक्सपर्ट पैनल बनाने की जरूरत नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने रचना गंगू और वेणुगोपालन गोविंदन की 2021 में दायर याचिका पर यह फैसला सुनाया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनकी बेटियों की मौत कोविड वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स के कारण हुई थी।

साइड इफेक्ट्स की जांच के लिए एक्सपर्ट पैनल की जरूरत नहीं

सुप्रीम कोर्ट के आदेश

- वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स से जुड़े आंकड़े समय-समय पर पब्लिक डोमेन में रखा जाएगा।
- इस फैसले का मतलब यह नहीं होगा कि व्यक्ति दूसरे कानूनी उपायों का सहारा नहीं ले सकता।
- मुआवजा नीति का यह मतलब नहीं होगा कि सरकार या किसी दूसरी अथॉरिटी ने अपनी गलती मान ली है।

नंवबर 2025 में फैसला सुरक्षित रखा था

- पिछले साल 13 नवंबर को इन याचिकाओं पर लंबी बहस हुई थी। इसके बाद जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा था कि कोर्ट के साथ-साथ दूसरे मुद्दों पर भी फैसला करेगा। जस्टिस नाथ ने आदेश सुरक्षित रखते हुए कहा था-"हम तय करेंगे कि समिति का गठन किया जाना है या नहीं, क्या निर्देश जारी किए जाने हैं। हम हर चीज की बारीकी से जांच करेंगे।
- इससे पहले सरकार ने केरल हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश के खिलाफ याचिका लगाई थी, जिसमें सईदा के.ए.की याचिका पर मुआवजे की नीति तैयार करने का आदेश दिया गया था।
- 2022 में सरकार ने जवाबी हलफनामे में तर्क दिया था कि वह मुआवजे के लिए उत्तरदायी नहीं है क्योंकि वैक्सीन अपनी मर्जी से लगवाई जाती है। यह लोगों का जोखिम जानने के बावजूद लिया गया फैसला होता है।

उप्र मंत्रिपरिषद की बैठक में 30 अहम प्रस्तावों को मिली मंजूरी

प्रदेश के हर गांव में पहुंचेगी परिवहन की बसें

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को लोकभवन में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना 2026 समेत 30 अहम प्रस्तावों को मंजूरी मिली है। बैठक के बाद वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, राजस्व मंत्री रविन्द्र जायसवाल ने कैबिनेट के फैसलों के बारे में जानकारी दी।

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने प्रदेश के सभी 59 हजार ग्राम सभाओं तक बस पहुंचाने का निर्णय लिया है। मंगलवार को लोकभवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना 2026 प्रस्ताव पर मुहर लगने के बाद परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अब प्रदेश के हर ग्रामसभा से बस होकर गुजरेगी। मौजूदा समय में लगभग 12 हजार ग्रामसभाओं में बसें नहीं जा पा रही हैं। उन गांवों तक बस पहुंचाने का निर्णय लिया गया है। उप्र परिवहन निगम के पास तीन हजार बसें हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में छोटी बसें चलाई जाएंगी और बसें 28 सीटर होंगी। निजी क्षेत्र की बसों को अनुबंधित कर चलाया जाएगा। किराया का निर्धारण जिला अधिकारी की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय गठित कमेटी वहां की परिस्थिति को देखते हुए करेगी। जिलावार गठित कमेटी अपने-अपने जिलों के लिए बसों का अनुबंध करेगी। बसों के संचालन का समय निर्धारण जनता की जरूरतों को ध्यान में रखकर किया जाएगा। ताकि गांव के लोग समय से जिला मुख्यालय पहुंच सकें। अपना काम पूरा कर वापस सयम से गांव आ जाएं।

परिवहन निगम बनाएगा ऐप

दयाशंकर सिंह ने बताया कि अब ओला, ऊबर जैसी कम्पनियों को उप्र परिवहन निगम में पंजीकरण कराना होगा। हर पांच साल में उन्हें पांच हजार रुपये शुल्क देकर पंजीकरण रिन्यू कराना होगा। इससे प्रदेश की सड़कों पर चलने वाले ऐसे वाहनों के बारे में पूरी जानकारी होगी। परिवहन निगम एक ऐप भी बनाएगा। उसमें ओला, ऊबर की गाड़ियों और उसके चालक की पूरी जानकारी होगी। ओला ऊबर को भी एक ऐप बनाना होगा। यह ऐप आम जन के लिए उपलब्ध होगा। उन्होंने बताया कि यूपीएसआरटीसी की ऐसी कोई बस नहीं है जिसमें जीपीएस सिस्टम नहीं लगा हो। सभी बसों की पूरी निगरानी की जा रही है।

स्टाम्प एवं पंजीयन विभाग के प्रस्ताव पर लगी मुहर

अब प्रापर्टी बेचने वाले की पहचान को खतौनी में देखा जाएगा। स्टाम्प निबंधन विभाग अब मालिकाना हक को चेक करेगा। बिना मालिकियत को जांच किए अब स्टाम्प एवं पंजीयन विभाग रजिस्ट्रेशन नहीं करेगा। विभाग के मंत्री रविन्द्र जायसवाल ने बताया कि सर्किल रेट के आधार पर ही स्टाम्प शुल्क लगेगा। नगर निगम सीमा के अंदर दो प्रतिशत विकास शुल्क अलग से देय होगा।

ईरान में हमलों से उठते धुएं का रुख पश्चिमी पाकिस्तान की ओर, बिगड़ेगी हवा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के मौसम विभाग (पीएमडी) ने कहा कि ईरान में हुए हवाई हमलों के बाद वहां से उठने वाला धुआं और प्रदूषण पाकिस्तान की हवा को भी खराब कर सकता है। विभिन्न सोशल प्लेटफॉर्म्स पर पाकिस्तान के मेट डिपार्टमेंट ने वीकली वेदर आउटलुक (10 मार्च से 16 मार्च 2026) में इसकी जानकारी दी। 'एक्स' पर एक नोट के साथ चेतावनी दी है। लिखा है कि ईरान के हालात की वजह से, हवाएं प्रदूषक तत्व ले जा सकती हैं, और पाकिस्तान के पश्चिमी हिस्सों में वायु गुणवत्ता खराब हो सकती है। पीएमडी ने यह भी बताया कि पश्चिमी पाकिस्तान के कुछ हिस्सों में 12 मार्च तक बारिश, तेज हवाएं और गरज के साथ तूफान आ सकता है। पाकिस्तान और ईरान के बीच करीब 900 किलोमीटर लंबी सीमा है, इसलिए ईरान में होने वाली घटनाओं का असर पाकिस्तान पर भी पड़ सकता है।

पाकिस्तान का पश्चिमी पड़ोसी ईरान, अमेरिका और इजरायल के साथ सैन्य संघर्ष में उलझा हुआ है। 28 फरवरी को इजरायल पर हवाई हमले हुए जिसमें उनके सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई थी।

7 मार्च को तेहरान की रिफाइनरियों और फ्यूल डिपो पर बड़े हवाई हमलों ने राजधानी तेहरान को जहरीले अंधेरे में डुबो दिया था। इसके बाद रविवार को काली, तैलीय बारिश हुई थी। तेहरान में, तेल की जगहों से निकलने वाले घने काले धुएं ने सूरज को ढक लिया था। ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने आम लोगों की सेहत पर फिक्र जाहिर करते हुए चेतावनी दी और कहा कि 'जहरीले हाइड्रोकार्बन, सल्फर और नाइट्रोजन ऑक्साइड की काफी मात्रा' से केमिकल बर्न और फेफड़ों को नुकसान हो सकता है।

सीएम योगी को प्रस्तुत किया नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का एयरोड्रम लाइसेंस

एयरपोर्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रिस्टोफ श्नेलमैन के साथ वरिष्ठ अधिकारियों ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात

एजेंसी

लखनऊ। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर भारत सरकार की ओर से जारी एयरोड्रम लाइसेंस प्रस्तुत किया। इसके साथ ही जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम पूरा हो गया है। इस लाइसेंस के बाद अब एयरपोर्ट के उद्घाटन और वाणिज्यिक उड़ानों की शुरूआत की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

एयरपोर्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रिस्टोफ श्नेलमैन समेत वरिष्ठ अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने इस मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री को परियोजना की प्रगति और आगामी चरणों की जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार एयरोड्रम लाइसेंस मिलने के बाद अब नियामकीय स्वीकृतियों की अंतिम प्रक्रिया जारी है। एयरपोर्ट का एयरोड्रम सिक्योरिटी प्रोग्राम इस समय ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी के पास समीक्षा के लिए लंबित है। सुरक्षा से जुड़ी यह मंजूरी मिलते ही एयरपोर्ट प्रबंधन सभी संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय कर औपचारिक उद्घाटन और वाणिज्यिक संचालन की तिथि तय करेगा।

गौतमबुद्ध नगर के जेवर में विकसित हो रहा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और पश्चिमी उत्तर प्रदेश को देश और दुनिया के प्रमुख शहरों से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा है। इस एयरपोर्ट को विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ विकसित किया जा रहा है, जहां स्विस दक्षता और भारतीय आतिथ्य का समन्वय देखने को मिलेगा। एयरपोर्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रिस्टोफ श्नेलमैन हैं। एयरपोर्ट का विकास चार चरणों में किया जा रहा है। पहले चरण में एक रनवे और एक यात्री टर्मिनल भवन बनाया गया है, जिसकी क्षमता प्रतिवर्ष लगभग एक करोड़ 20 लाख यात्रियों की होगी। दूसरे चरण में क्षमता बढ़ाकर तीन करोड़ यात्रियों तक पहुंचाई जाएगी। तीसरे और चौथे चरण में विस्तार के बाद कुल क्षमता सात करोड़ यात्रियों तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

एयरपोर्ट परिसर में तैयार किया आधुनिक कार्गो और लॉजिस्टिक्स हब

पहले चरण में टर्मिनल भवन का क्षेत्रफल लगभग 1.38 लाख वर्गमीटर है, जिसमें 48 चेक इन काउंटर, नौ सुरक्षा जांच लेन और नौ इमिग्रेशन काउंटर बनाए गए हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय लाउंज भी विकसित किए जा रहे हैं। इसके अलावा यहां 10 एयरोब्रिज और 28 विमान पार्किंग स्टैंड की व्यवस्था की गई है। रनवे पर प्रति घंटे लगभग 30 उड़ानों के संचालन की क्षमता विकसित की गई है। एयरपोर्ट परिसर में आधुनिक कार्गो और लॉजिस्टिक्स हब भी तैयार किया जा रहा है। प्रारंभिक चरण में इसकी क्षमता लगभग 2.5 लाख टन कार्गो प्रतिवर्ष होगी, जिसे आगे चलकर 15 लाख टन तक बढ़ाया जाएगा।

अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा एयरपोर्ट

तकनीकी दृष्टि से भी यह एयरपोर्ट अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। यहां डिजीयात्रा आधारित बॉयोमेट्रिक प्रणाली, सेल्फ बैगेज ड्रॉप और डिजिटल पैसेंजर प्रोसेसिंग सिस्टम जैसी व्यवस्थाएं लागू की जा रहीं हैं ताकि यात्रियों को तेज और सहज यात्रा का अनुभव मिल सके। सतत विकास को ध्यान में रखते हुए एयरपोर्ट को नेट जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य के साथ विकसित किया जा रहा है। परिसर में सौर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग जैसी सुविधाएं भी विकसित की जा रहीं हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के शुरू होने से दिल्ली-एनसीआर में हवाई यातायात का दबाव कम होगा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में निवेश, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

विकसित दिल्ली बनाने के लिए सरकार और उद्योग के बीच मजबूत सहयोग जरूरी : सूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि विकसित दिल्ली बनाने के लिए सरकार और उद्योग के बीच मजबूत सहयोग की जरुरत है।

उन्होंने मंगलवार नई दिल्ली में आयोजित सीआईआई दिल्ली स्टेट एनुअल सेशन 2025-26 एवं बिजनेस कॉन्फ्रेंस में भाग लेते हुए यह बात कही। यह सम्मेलन कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) द्वारा आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न क्षेत्रों के उद्योग प्रतिनिधि, नीति निर्माता और विशेषज्ञ शामिल हुए।

उन्होंने 'दिल्ली 2047: कैपिटल ऑफ ग्रोथ, इनोवेशन एंड ग्लोबल पार्टनरशिप्स' विषय पर आयोजित सत्र को संबोधित करते कहा कि पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली के व्यापार जगत ने व्यापार वृद्धि, रोजगार सृजन और शहर की अर्थव्यवस्था में उद्योगों के योगदान से जुड़े कई मुद्दे उठाए हैं। इनमें बुनियादी ढांचे, नीतिगत ढांचे और भूमि की उपलब्धता से जुड़े विषय भी शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार उद्योग जगत के साथ निरंतर संवाद के माध्यम से भविष्य के लिए नीतियां बनाने और बेहतर व्यावसायिक वातावरण तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि डीरिगुलेशन और नीतिगत सुधारों के माध्यम से दिल्ली में व्यापार और उद्योग के लिए अनुकूल वातावरण बनाया जा रहा है। दिल्ली सरकार व्यापारियों, उद्यमियों और उद्योगों की भागीदारी को बढ़ाने के लिए लगातार उद्योग संगठनों और हितधारकों से बातचीत कर रही है, इसके सार्थक परिणाम भी आ रहे है।

सूद ने कहा कि सरकार शिक्षा को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप बनाने पर काम कर रही है। इसके तहत औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के पाठ्यक्रम को आधुनिक और तकनीक युक्त बनाया जा रहा है, ताकि विद्यार्थियों को उद्योगों की बदलती जरूरतों के अनुसार कौशल की ट्रेनिंग मिल सके। उन्होंने दिल्ली के युवाओं में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदमों का भी उल्लेख किया। दिल्ली सरकार द्वारा हाल ही में आयोजित एक नए कार्यक्रम स्टार्टअप युवा फेस्टिवल के माध्यम से कई नवाचारपूर्ण स्टार्टअप विचारों को आर्थिक सहायता भी दी गई। साथ ही सरकार एक नई इन्क्यूबेशन नीति पर काम कर रही है, जिसके तहत अगले पांच वर्षों में लगभग 325 करोड़ रुपये का निवेश कर 2035 तक करीब 5,000 स्टार्टअप्स को समर्थन देने की योजना है।

सूद ने कहा कि सरकार असंगठित सेवा क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए भी विभिन्न स्तरों पर विचार कर रही है, जो आने वाली नीतिगत पहलों का हिस्सा हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली में ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस को बेहतर बनाने के लिए कई सुधार किए जा रहे हैं। इसके तहत फायर एनओसी प्रक्रिया का सरलीकरण, श्रम नियमों और आतिथ्य क्षेत्र से जुड़े कुछ लाइसेंसिंग प्रावधानों को जनहितकारी

बनाया जा रहा है, ताकि दिल्ली में स्थापित और नए उद्योगों के लिए काम करना और आसान हो सके। सूद ने कहा कि सरकार, उद्योग और समाज के बीच मजबूत सहयोग ही दिल्ली को विकास, नवाचार और अवसरों का वैश्विक केंद्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

पालतू जानवर कस्टडी मामले में महुआ को नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को वकील जय अनंत देहाद्राय की याचिका पर महुआ मोइत्रा से जवाब मांगा है। याचिका में टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के हेनरी नाम के पालतू रॉटवाइलर की साझा कस्टडी का मामला खारिज करने की मांग की गई है। न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी की पीठ ने जिला अदालत के उस आदेश के खिलाफ देहाद्राय की पुनर्विचार याचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें इस मुद्दे पर उनकी अर्जी खारिज कर दी गई थी। हालांकि पीठ ने सुनवाई के इस स्तर पर किसी भी तरह की कार्रवाई पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। मोइत्रा के पूर्व पार्टनर देहाद्राय ने कहा कि उनका मामला कानून के तहत प्रतबंधित है। देहाद्राय ने जिला अदालत की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की थी। हालांकि पीठ ने रोक लगाने की उनकी अर्जी पर नोटिस जारी करते हुए कहा कि वह विरोधी पक्ष के मौजूद हुए बिना ऐसा कोई आदेश पारित नहीं करेगी। पीठ ने इसके साथ ही मामले की सुनवाई 14 मई तय की है। मोइत्रा ने जिला अदालत में देहाद्राय के खिलाफ एक मामला दायर किया हुआ है जिसमें पालतू कुत्ते की साझा कस्टडी के लिए उनके बीच हुए मौखिक समझौते को खास तौर पर पूरा करने की मांग की गई है।

स्वच्छ पेयजल भी नहीं दे पा रही सरकार कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कांग्रेस ने कहा कि राजधानी के कई इलाकों में गंदे पानी की आपूर्ति हो रही है। भाजपा सरकार के एक साल पूरे हो चुके हैं, लेकिन वह इस मुद्दे पर आंखें बंद करके बैठी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि भाजपा सरकार दिल्ली की जनता को स्वच्छ पेयजल तक मुहैया नहीं करा पा रही है। पूर्वी दिल्ली, उत्तरी दिल्ली, बाहरी दिल्ली समेत कई इलाकों में गंदे पानी की आपूर्ति हो रही है। यादव ने कहा कि दिल्ली के मधु विहार, आईपी एक्सटेंशन, मंडावली, पटपड़गंज क्षेत्र के घरों में दिल्ली जल बोर्ड के पानी में कीड़े निकल रहे हैं। भलस्वा, जनकपुरी, अशोक नगर, नारंग कॉलोनी, चंदर नगर, द्वारका आदि में भी लोग गंदे पानी की आपूर्ति से परेशान हैं।

आठवीं कक्षा की छात्रा के साथ दुष्कर्म, आरोपी फरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। शालीमार बाग इलाके में आठवीं कक्षा की छात्रा से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने सोमवार को दुष्कर्म एवं पोक्सो की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है। अभी आरोपी की तलाश की जा रही है। जानकारी के अनुसार, 13 वर्षीय पीड़िता परिवार सहित शालीमार बाग इलाके में रहती है। पीड़िता स्थानीय निजी स्कूल में आठवीं कक्षा में पढ़ती है। परिवार के पड़ोस में 24 वर्षीय अनिल (परिवर्तित नाम) भी रहता है। आरोपी अनिल पड़ोसी है। वह अक्सर पीड़िता के घर आता-जाता था। शनिवार को पीड़िता के माता-पिता फैक्टरी में काम करने के लिए गए थे। इसी दौरान आरोपी ने घर में घुसकर पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने सोमवार को घटना की जानकारी परिजनों को दी, जिसके बाद पीसीआर कॉल कर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मेडिकल और काउंसलिंग के बाद केस दर्ज कर लिया है। एसआई कविता की टीम आरोपी की तलाश में छापेमारी कर रही है।

संविदा कर्मियों के नियमितिकरण की प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम से सेवानिवृत्त हो चुके कर्मचारियों की जगह पर अब संविदा कर्मचारियों को नियमितिकरण कर नियुक्ति पत्र जारी किया जाएगा। इसके मद्देनजर सेवानिवृत कर्मचारियों के बाद रिक्त पदों पर अतिरिक्त भर्ती सुनिश्चित की जा सकेगी। निगम का उद्देश्य है कि विभागों में कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने के बाद वहां पर लंबे समय तक पद रिक्त न रहें। इससे निगम जोन के वार्ड स्तर पर कई काम भी प्रभावित होने से संबंधित मामले सामने आए हैं। स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने बताया कि सेवानिवृत्त हो चुके कर्मचारियों की जगह पर संविदा कर्मचारियों को नियमित कर वहां पर नियुक्ति करेंगे। इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए निगम के अतिरिक्त आयुक्तों व सभी विभाग प्रमुखों के साथ लगातार बैठक कर रहे हैं।

मदनगीर में युवक पर ताबड़तोड़ फायरिंग, हालत गंभीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंबेडकर नगर के मदनगीर इलाके में सोमवार रात एक युवक पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दी गईं। गंभीर रूप से घायल युवक को परिजनों ने एम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने परिजनों के बयान के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। पुलिस के अनुसार, 30 वर्षीय निखिल नागर उर्फ निक्की अपने परिवार के साथ मदनगीर में रहता है और घर के पास ही चिकन की दुकान चलाता है। सोमवार रात करीब साढ़े आठ बजे वह दुकान पर मौजूद था। इसी दौरान बाइक सवार कुछ युवक वहां पहुंचे और उस पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। गोलियों की आवाज सुनकर इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने निखिल को निजी वाहन से एम्स ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस की शुरुआती जांच में रंजिश के चलते हमले की आशंका जताई जा रही है। परिजनों के अनुसार निखिल करीब डेढ़ माह पहले ही हत्या के एक मामले में जेल से बाहर आया था।

राष्ट्रीय लोक अदालत अब 22 मार्च को होगी आयोजित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएसएलएसए) ने आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत और ट्रैफिक चालान के लिए विशेष लोक अदालत की तारीखों में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। मंगलवार को डीएसएलएसए के सदस्य सचिव राजीव बंसल की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देश पर अब ये अदालतें 22 मार्च को आयोजित की जाएंगी। राष्ट्रीय लोक अदालत पहले 14 मार्च को आयोजित होने वाली थी, लेकिन दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा इस दिन को कोर्ट का कार्य दिवस घोषित किए जाने के कारण इसे स्थगित कर दिया गया है। अब राष्ट्रीय लोक अदालत 22 मार्च (रविवार) को दिल्ली की सभी जिला अदालतों, हाईकोर्ट, ऋण वसूली अधिकरण और उपभोक्ता अदालतों में आयोजित की जाएगी। इस अधिसूचना में वाहन चालकों के लिए भी एक महत्वपूर्ण सूचना है।

संविदा कर्मियों के नियमितिकरण की प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम से सेवानिवृत्त हो चुके कर्मचारियों की जगह पर अब संविदा कर्मचारियों को नियमितिकरण कर नियुक्ति पत्र जारी किया जाएगा। इसके मद्देनजर सेवानिवृत कर्मचारियों के बाद रिक्त पदों पर अतिरिक्त भर्ती सुनिश्चित की जा सकेगी। निगम का उद्देश्य है कि विभागों में कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने के बाद वहां पर लंबे समय तक पद रिक्त न रहें। इससे निगम जोन के वार्ड स्तर पर कई काम भी प्रभावित होने से संबंधित मामले सामने आए हैं। स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने बताया कि सेवानिवृत्त हो चुके कर्मचारियों की जगह पर संविदा कर्मचारियों को नियमित कर वहां पर नियुक्ति करेंगे। इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए निगम के अतिरिक्त आयुक्तों व सभी विभाग प्रमुखों के साथ लगातार बैठक कर रहे हैं।

दिव्यांगों के लिए सुविधा बढ़ाने के निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिव्यांग लोगों के लिए फिल्में देखने की सुविधा के मकसद से दिए गए सुझावों पर विचार करने को कहा है। उच्च न्यायालय ने इन सुझावों को लागू करने के निर्देश भी दिए हैं। जस्टिस पुरुषैन्द्र कुमार कौरव की पीठ ने राहुल बजाज द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता द्वारा दिए गए कई सुझाव सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय एवं केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) द्वारा योजना लागू करने से जुड़ी हैं। पीठ ने इन सुझावों को जल्द से जल्द लागू करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही पीठ ने कहा कि अगर कोई सुझाव लागू नहीं किया जा सकता है, तो संबंधित प्राधिकरण सक्षम अधिकारी के जरिए शपथपत्र दाखिल करें।

मेट्रो अश्लील हरकत करने वाले की सजा बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 10 मार्च (वेब वार्ता)। साकेत जिला अदालत ने मेट्रो के भीतर महिला के सामने अश्लील हरकत करने वाले व्यक्ति की सजा को बरकरार रखा है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हरगुरवरिंदर सिंह जग्गी की अदालत ने दोषी की अपील को खारिज करते हुए कहा कि सार्वजनिक परिवहन में इस तरह का व्यवहार विचलित करने वाला है। यह महिलाओं की सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय है। अदालत ने कहा कि जब महिलाएं सार्वजनिक परिवहन पर निर्भर हैं, तो ऐसी घटनाएं उनकी सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करती है। सत्र न्यायालय ने निचली अदालत के उस फैसले को सही ठहराया है, जिसमें आरोपी को दोषी माना गया था।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, यह शर्मनाक घटना दिल्ली मेट्रो की येलो लाइन पर साकेत और आईएनए स्टेशन के बीच हुई थी। आरोप था कि यात्रा के दौरान आरोपी ने एक महिला यात्री के सामने खुद को नग्न किया। अश्लील हरकत की और उसे गलत तरीके से छुआ। इस संबंध में आईएनए मेट्रो पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। ट्रायल कोर्ट ने सुनाई थी एक साल की सजाइससे पहले 24 मई 2025 को ट्रायल कोर्ट ने आरोपी को दोषी करार दिया था और छह अक्तूबर 2025 को सजा सुनाई थी। अदालत ने दोषी को एक साल के कठोर कारावास और पांच हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी।

चिकित्सा क्षेत्र में महिलाओं का समर्पण स्वास्थ्य तंत्र की रीढ़ : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में महिलाओं का समर्पण देश के स्वास्थ्य तंत्र की रीढ़ है। चिकित्सा क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक है।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को 'वुमन इन मेडिकल प्रोफेशन' कार्यक्रम में कहा कि आज महिलाएं डॉक्टर, सर्जन, शोधकर्ता, नर्स और स्वास्थ्य विशेषज्ञ के रूप में काम कर रही हैं। दिल्ली सरकार महिलाओं के स्वास्थ्य और सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। महिलाओं के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं,

जागरूकता कार्यक्रमों तथा चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के माध्यम से सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि हर महिला को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सर गंगाराम अस्पताल जैसी प्रतिष्ठित संस्थाएं और यहां की समर्पित महिला चिकित्सा पेशेवर समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा स्वस्थ, जागरूक और सशक्त भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहेंगी। दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में आयोजित इस कार्यक्रम में अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक, चिकित्सा विशेषज्ञ, नर्सिंग स्टाफ और बड़ी संख्या में महिला स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

एनसीईआरटी ने विवादित अध्याय के लिए मांगी माफी, पुस्तक को वापस लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने आठवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक एक्सपलोरिंग सोसाइटी इंडिया एंड बियॉन्ड में शामिल एक विवादित अध्याय को लेकर सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। इस पुस्तक में शामिल एक अध्याय द रोल ऑफ ज्यूडिशियरी इन ऑवर सोसाइटी को लेकर काफी विवाद उत्पन्न हुआ था। एनसीईआरटी ने इस पुस्तक को वापस भी ले लिया है और अब यह बाजार में उपलब्ध नहीं है। संशोधित संस्करण में यह अध्याय शामिल नहीं किया जाएगा। एनसीईआरटी की ओर से मंगलवार को एक प्रेस रिलीज जारी कर कहा गया कि संबंधित अध्याय के कारण जो भी असुविधा या विवाद पैदा हुआ उसके लिए परिषद गहरा खेद व्यक्त करती है। परिषद के निदेशक और अन्य सदस्य अध्याय के लिए बिना शर्त और पूर्ण रूप से क्षमा प्रार्थी हैं। परिषद ने स्पष्ट किया कि पूरी पुस्तक को फिलहाल वापस ले लिया गया है और यह अब उपलब्ध नहीं है। बयान में कहा गया है कि परिषद सभी हित धारकों की भावनाओं और चिंताओं का सम्मान करती है तथा इस मामले में उनके सहयोग और समझदारी की सराहना करती है। शैक्षिक सामग्री तैयार करते समय सटीकता, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के उच्चतम मानकों को बनाए रखना उसकी प्राथमिकता है। एनसीईआरटी ने भरोसा दिलाया है कि भविष्य में पाठ्यपुस्तकों की सामग्री तैयार करते समय सभी पहलुओं का और अधिक सावधानीपूर्वक परीक्षण किया जाएगा, ताकि छात्रों को संतुलित तथ्यात्मक और जिम्मेदार शैक्षिक सामग्री उपलब्ध कराई जा सके। मालूम हो कि पुस्तक के एक अध्याय में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से जुड़े पहलू शामिल करने के कारण विवाद खड़ा हुआ था।

डीएसआर तकनीक से धान की खेती में पानी की 35% तक बचत, लागत में ₹14 हजार प्रति हेक्टेयर तक कमी संभव

नई दिल्ली (शिखर समाचार) देश में बढ़ते जल संकट, कृषि लागत में वृद्धि और पर्यावरणीय चुनौतियों के बीच धान की खेती को अधिक टिकाऊ बनाने के लिए डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) तकनीक को तेजी से अपनाने की आवश्यकता बताई गई है। फेडरेशन ऑफ सीड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एफएसआईआई) ने मंगलवार को नई दिल्ली के एनएएससी कॉम्प्लेक्स में आयोजित एक सम्मेलन में कहा कि डीएसआर तकनीक अपनाने से पानी की खपत में लगभग 35 प्रतिशत तक कमी और खेती की लागत में लगभग 14 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर तक बचत संभव है।

सस्टेनेबल और लाभकारी धान उत्पादन के लिए डायरेक्ट सीडेड राइस विषय पर आयोजित सम्मेलन में नीति-निमार्ताओं, वैज्ञानिकों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और कृषि विशेषज्ञों ने भाग लिया। सम्मेलन का उद्देश्य धान उत्पादक क्षेत्रों में डीएसआर तकनीक को बढ़ावा देने के अवसरों और चुनौतियों पर चर्चा करना तथा इसके प्रसार के लिए रणनीति तैयार करना था।

एफएसआईआई के अध्यक्ष तथा सवाना सीड्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक अजय राणा ने कहा कि भारत में धान की खेती भूजल संसाधनों पर भारी दबाव

डाल रही है। उन्होंने बताया कि पंजाब में भूजल दोहन वार्षिक पुनर्भरण का लगभग 156 प्रतिशत तक पहुंच चुका है, जबकि हरियाणा में यह लगभग 137 प्रतिशत है। एक किलोग्राम चावल उत्पादन के लिए करीब तीन हजार से पांच हजार लीटर पानी की आवश्यकता होती है, जिससे धान सबसे अधिक पानी की खपत करने वाली फसलों में शामिल है।

उन्होंने कहा कि डीएसआर तकनीक जल संरक्षण के साथ साथ श्रम लागत को कम करने में भी सहायक है। हालांकि इस पद्धति में खरपतवार प्रबंधन एक बड़ी चुनौती है। इसे दूर करने के लिए बीज उद्योग ने सार्वजनिक अनुसंधान संस्थानों के सहयोग से हर्बिसाइड सहिष्णु तकनीक विकसित की है, जिससे किसान खरपतवारों को अधिक प्रभावी ढंग से नियंत्रित कर सकते हैं। पिछले खरीफ मौसम में लगभग एक लाख एकड़ क्षेत्र में ड्रिल आधारित बुवाई के साथ हर्बिसाइड सहिष्णु धान की खेती की गई, जिसमें मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में इसका सबसे अधिक उपयोग देखा गया।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के कृषि आयुक्त डॉ. पी.के. सिंह ने कहा कि कई राज्यों में डीएसआर तकनीक अपनाने से सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि नई बीज तकनीकें, उन्नत फसल सुरक्षा उपाय और बेहतर कृषि पद्धतियां भारतीय कृषि को अधिक टिकाऊ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण के अध्यक्ष तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्र ने कहा कि डीएसआर धान की खेती की दक्षता बढ़ाने और किसानों की लागत कम करने का प्रभावी माध्यम बन सकता है। उनका अनुमान है कि भारत में धान के कुल क्षेत्रफल का 20 से 60 प्रतिशत हिस्सा कृषि-जलवायु परिस्थितियों के अनुसार डीएसआर तकनीक में परिवर्तित किया जा सकता है।

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ. ए.के. सिंह ने कहा कि धान भारत की खाद्य सुरक्षा का महत्वपूर्ण आधार है, लेकिन उत्पादन प्रणालियों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के अनुरूप विकसित करना होगा। उन्होंने कहा कि मजबूत शोध, बेहतर बीज किस्मों और प्रभावी विस्तार सेवाओं के माध्यम से डीएसआर तकनीक को व्यापक स्तर पर अपनाया जा सकता है।

सम्मेलन में मध्य प्रदेश के प्रगतिशील किसान मेहत लाल बिसेन ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि डीएसआर अपनाने से श्रम लागत और पानी की खपत में कमी आई है तथा धान की खेती की समग्र दक्षता में सुधार हुआ है। विशेषज्ञों ने कहा कि नीति समर्थन, आधुनिक बीज तकनीक, मशीनीकरण और प्रभावी प्रशिक्षण के माध्यम से डीएसआर तकनीक को देशभर में बढ़ावा दिया जा सकता है।

दिल्ली में कमर्शियल एलपीजी की कमी से 50 हजार से अधिक रेस्तरां प्रभावित

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई में कमी के कारण 50 हजार से अधिक रेस्तरां, पब, बार और होटलों के संचालन पर असर पड़ने लगा है। मंगलवार को इस संकट का पहला दिन रहा, जिसके चलते कई व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को खाना बनाने में परेशानी का सामना करना पड़ा। ऑल इंडिया एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स फेडरेशन के कार्यकारी अध्यक्ष पी.एन. सेठ के अनुसार यह समस्या अस्थायी है और रूस से गैस की आपूर्ति शुरू होते ही हालात सामान्य होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि सप्लाई बहाल होने के बाद कुछ ही दिनों में स्थिति सुधर सकती है। नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (दिल्ली) के अध्यक्ष संदीप आनंद गोयल ने बताया कि फिलहाल कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति लगभग बंद हो गई है। जिन रेस्तरां में पीएनजी पाइपलाइन की सुविधा उपलब्ध है, वहां कामकाज सामान्य रूप से चल रहा है, हालांकि पीएनजी में भी गैस का दबाव करीब 20 प्रतिशत तक कम कर दिया गया है। दूसरी ओर, जो रेस्तरां एलपीजी सिलेंडर पर निर्भर हैं, उन्हें सबसे अधिक परेशानी हो रही है। यदि स्थिति जल्द सामान्य नहीं हुई तो कई रेस्तरां को अस्थायी रूप से बंद करने की नौबत भी आ सकती है। कनॉट प्लेस स्थित एक रेस्तरां के मैनेजर राजेश ने बताया कि वे फिलहाल अपनी कंपनी के अन्य रेस्तरां से गैस मंगाकर और ब्लैक मार्केट से सिलेंडर खरीदकर किसी तरह काम चला रहे हैं। एलपीजी की कमी के कारण कुछ रेस्तरां ने अपने व्यंजनों की कीमतें भी बढ़ा दी हैं। व्यापारियों का कहना है कि यदि गैस आपूर्ति जल्द बहाल नहीं हुई तो इसका असर राजधानी के खाद्य व्यवसाय और ग्राहकों दोनों पर पड़ सकता है।

दिल्ली में गंदे पानी की सप्लाई पर कांग्रेस का हमला, देवेंद्र यादव ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने राजधानी में गंदे पानी की सप्लाई को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार दिल्लीवासियों को स्वच्छ और शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं करा सकती तो मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद छोड़ देना चाहिए। देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि पूर्वी दिल्ली, उत्तर दिल्ली और बाहरी दिल्ली सहित राजधानी के अधिकांश हिस्सों में गंदे पानी की आपूर्ति हो रही है, जबकि सरकार एक साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद भी इस गंभीर समस्या पर कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। उन्होंने कहा कि पूर्वी दिल्ली के मधु विहार, आईपी एक्सटेंशन, मंडावली और पटपड़गंज जैसे इलाकों में घरों के नलों में आने वाले पानी में कीड़े निकलने की शिकायतें सामने आई हैं। वहीं भलस्वा, जनकपुरी, अशोक नगर, नारंग कॉलोनी, चंदर नगर और द्वारका सहित कई क्षेत्रों में भी दूषित पानी की आपूर्ति से लोग परेशान हैं। उन्होंने कहा कि कई बार बोरवेल और अन्य स्रोतों से आने वाले पानी को बिना उचित ट्रीटमेंट के ही सप्लाई कर दिया जाता है, जिसमें बैक्टीरिया, गंदगी और हानिकारक रसायन मौजूद होते हैं। देवेंद्र यादव ने बताया कि हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट के अनुसार पानी के नमूनों में लगभग 40 प्रतिशत से अधिक टेस्ट फेल पाए गए हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि घरों और कार्यालयों तक पहुंचने वाला पानी सुरक्षित नहीं है। देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड के पास 25 टेस्टिंग लैब होने के बावजूद केवल दो लैब ही ग्लोबल स्टैंडर्ड के अनुसार प्रमाणित हैं, जो राजधानी की बड़ी आबादी के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने आरोप लगाया कि पर्याप्त स्टाफ और आधुनिक उपकरणों की कमी के कारण पानी की गुणवत्ता का सही आकलन भी नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एक वर्ष के कार्यकाल के बाद भी दिल्लीवासियों को साफ पेयजल उपलब्ध नहीं करा पा रही हैं, तो उन्हें मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। देवेंद्र यादव ने यह भी कहा कि दिल्ली जल बोर्ड द्वारा किए गए पानी के सैंपल परीक्षण लगातार फेल हो रहे हैं, क्योंकि यमुना और भूमिगत जल से होने वाली सप्लाई भी कई स्थानों पर दूषित पाई जा रही है। देवेंद्र यादव ने बताया कि वर्ष 2025-26 के बजट में स्वच्छ जल और स्वच्छता के लिए लगभग 9000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था, जबकि वर्ष 2026-27 के बजट में 1368.88 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं।

'गुरु मान्यों ग्रंथ चेतना समागम' का श्रद्धा और उत्साह के साथ समापन

नई दिल्ली (एजेंसी)। खालसा साजना दिवस को समर्पित तीन दिवसीय 'गुरु मान्यों ग्रंथ चेतना समागम' का गीता कॉलोनी स्थित रामलीला ग्राउंड में श्रद्धा और उत्साह के साथ समापन हो गया। समागम के अंतिम दिन बड़ी संख्या में संगत ने भाग लिया और पूरा मैदान श्रद्धालुओं से खचाखच भरा रहा। इस अवसर पर आयोजक एवं पूर्व निगम पार्षद गुरचरन सिंह राजू ने कहा कि 'गुरु मान्यों ग्रंथ चेतना समागम' का मुख्य उद्देश्य गुरु ग्रंथ साहिब जी की शिक्षाओं को समाज के अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि दिल्ली के यमुनापार क्षेत्र की संगत में इस समागम को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला और लोगों ने पूरे श्रद्धा भाव के साथ इसमें भाग लिया। समागम के दौरान गुरबाणी कीर्तन, कथा-कीर्तन और विभिन्न प्रकार के लंगर की व्यवस्था की गई, जिसका संगत ने श्रद्धा भाव से आनंद लिया। धार्मिक वातावरण के बीच संगत ने गुरु की वाणी का श्रवण किया और सेवा में भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। गुरचरन सिंह राजू ने बताया कि समागम के दौरान 47 श्रद्धालुओं ने अमृत छका। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि 13 अप्रैल को बैसाखी के पावन अवसर पर गुरुद्वारा श्री रकाब गंज साहिब में अमृत संचार कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जो श्रद्धालु अमृत छकना चाहते हैं, वे अपना नाम दर्ज करवा सकते हैं।

उत्तम नगर घटना पर जमीयत उलमा-ए-हिंद की पहल, पुलिस अधिकारियों से मुलाकात कर उठाई सुरक्षा की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिमी दिल्ली के उत्तम नगर स्थित जेजे कॉलोनी में 26 वर्षीय तरुण कुमार की मृत्यु के बाद पैदा हुई तनावपूर्ण स्थिति को लेकर जमीयत उलमा-ए-हिंद ने गंभीर चिंता व्यक्त की है। संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी के निर्देश पर पश्चिमी रेंज के संयुक्त पुलिस आयुक्त जतीन नरवाल से जनकपुरी स्थित उनके कार्यालय में मुलाकात कर स्थिति पर चर्चा की।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व संगठन के महासचिव मौलाना मोहम्मद हकीमुद्दीन कासमी ने किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में बढ़ रहे सांप्रदायिक तनाव और कुछ तत्वों द्वारा माहौल भड़काने की कोशिशों पर चिंता जताते हुए प्रशासन से तत्काल प्रभावी कदम उठाने की मांग की।

मुलाकात के दौरान पुलिस अधिकारियों को एक विस्तृत ज्ञापन भी सौंपा गया। साथ ही इस पूरे मामले को

लेकर केंद्रीय गृह मंत्री, दिल्ली के उपराज्यपाल और दिल्ली पुलिस आयुक्त को भी पत्र भेजा गया है।

प्रतिनिधिमंडल ने अधिकारियों को बताया कि घटना के बाद क्षेत्र के मुस्लिम समुदाय में भय और असुरक्षा का माहौल बन गया है। उनका कहना था कि कुछ सांप्रदायिक तत्व लगातार भड़काऊ गतिविधियों के जरिए माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं तथा सोशल मीडिया पर भी आपत्तिजनक वीडियो और नारे प्रसारित किए जा रहे हैं।

ज्ञापन में कहा गया कि तरुण कुमार की मृत्यु बेहद दुखद है और संगठन शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करता है। साथ ही पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग की गई, ताकि वास्तविक तथ्यों का पता चल सके। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी कहा कि स्थानीय लोगों के अनुसार यह घटना दो पक्षों के बीच विवाद का परिणाम प्रतीत होती है, लेकिन कुछ लोग इसे सांप्रदायिक रंग देने का प्रयास कर रहे हैं।

ज्ञापन में घटना के बाद आरोपितों और उनके पड़ोसियों के घरों में कथित तोड़फोड़, लूटपाट और आगजनी की घटनाओं की भी जांच की मांग की गई। इसके अलावा नगर निगम द्वारा की गई बुलडोजर कार्रवाई पर भी सवाल उठाते हुए कहा गया कि किसी भी नागरिक के खिलाफ कार्रवाई विधिक प्रक्रिया के तहत ही होनी चाहिए।

जमीयत उलमा-ए-हिंद ने प्रशासन के सामने पांच प्रमुख मांगें रखीं, जिनमें सांप्रदायिक नफरत फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, सोशल मीडिया पर भड़काऊ सामग्री पर रोक, क्षेत्र में मजबूत सुरक्षा व्यवस्था, तोड़फोड़ और आगजनी की निष्पक्ष जांच तथा रमज़ान और ईद-उल-फितर के दौरान धार्मिक गतिविधियों के लिए पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करना शामिल है।

इस पर संयुक्त पुलिस आयुक्त जतीन नरवाल ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि क्षेत्र में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नफरत फैलाने और अफवाह फैलाने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने यह भी बताया कि बाहरी लोगों के क्षेत्र में प्रवेश पर रोक लगा दी गई है और आपसी सौहार्द बनाए रखने के लिए शांति समिति की बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही मुस्लिम समुदाय को धार्मिक गतिविधियों और रोजमर्रा के कामकाज के लिए पूर्ण सुरक्षा प्रदान की जाएगी।

प्रतिनिधिमंडल में मौलाना अज़ीमुल्लाह सिद्दीकी कासमी, एडवोकेट मोहम्मद नूरुल्लाह, मौलाना मोहम्मद कासिम नूरी, मौलाना कारी आरिफ कासमी, हाफिज मोहम्मद यूसुफ आज़मी, मुफ्ती मोहम्मद ज़ाकिर कासमी और कारी फुरकान चौधरी सहित कई पदाधिकारी शामिल रहे। स्थानीय लोगों में सामाजिक कार्यकर्ता जमील अहमद और मोहम्मद सरताज भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर महासचिव मौलाना मोहम्मद हकीमुद्दीन कासमी ने स्थानीय लोगों से शांति और संयम बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि आवश्यकता पड़ने पर संगठन हर संभव सहायता उपलब्ध कराएगा।

सभापति हरिओम पाण्डेय की अध्यक्षता में हुई उत्तर प्रदेश विधान परिषद की नियम पुनरीक्षण समिति की बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। दुर्गावती देवी सभागार विकास भवन में सभापति हरिओम पाण्डेय के सभापतित्व में उत्तर प्रदेश विधान परिषद की नियम पुनरीक्षण समिति द्वारा जनपद गाजियाबाद के निर्धारित बिन्दुओं पर समीक्षा बैठक की। विकास भवन परिसर में पहुंचने पर सभापति को गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया। तदोंपरांत सभापति की अध्यक्षता में गौतमबुद्ध नगर, बुलन्दशहर व गाजियाबाद की बैठक सम्पन्न आहूत हुई। बैठक के दौरान गाजियाबाद जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़, नगरायुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, सीडीओ अभिनव गोपाल, जीडीए सचिव विवेक कुमार मिश्र सहित अन्य गणमान्य अधिकारियों ने सभापति हरिओम पाण्डेय, सदस्य मोहित बेनिवाल,सदस्य ऋषिपाल सिंह, सचिव संजय अग्रहरि, निजी सचिव बांके बिहारी लाल, समीक्षा अधिकारी शिवम श्रीवास्तव, प्रतिवेदक अजय कुमार प्रतापति को पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर एवं पटका पहनाकर स्वागत व सम्मानित किया गया। बैठक के दौरान प्राप्त बिन्दु तीन वर्ष के साक्ष्य सहित विवरण, जिसमें जनपद के समस्त विभाग में विधान परिषद व सदस्य विधान सभा से प्राप्त होने वाले पत्रों के जवाब व कार्यवाही के सम्बंध में, सदस्य विधान परिषद्/विधान सभा के विकास निधि से होने वाले कार्यों को प्रारम्भ करने की प्रकिया तथा पूर्ण करने सम्बंधित जानकारी, एक जिला एक उत्पाद के सबंध में, पिछले तीन वर्षो में आपके जिले में विधान परिषद् की किन-किन समितियों की बैठक हुई और उनके निदेशों का अनुपालन,

अल्पसूचित/तारांकित/अतारांकित प्रश्न के उत्तर, विधान परिषद् के नियम 115,105,110 तथा 111 की सूचनाए, उत्तर प्रदेश विधान परिषद् की प्राप्त याचिकायें, विशेषाधिकार हनन के मामले, सदस्यों के संस्तुति / शिकायती पत्र, प्रोटोकाल के उल्लंघन, बैठकों में विधायकों / जनप्रतिनिधियों को न बुलाने के प्रकरण इसके साथ ही विधायकों (विधान सभा/विधान परिषद सदस्यगण) से सम्बंधित मामलों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की गयी। बैठक के दौरान सम्बंधित अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि विधान परिषद व सदस्य विधान सभा से 25 विभागों को कुल 283 पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 280 का मौके पर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया गया है और शेष 3 लम्बित है। अधिकांश कार्य समय पर हो रहे हैं। तीन वर्षों में विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि योजनान्गर्त 1059 कार्य करवाये गये। एक जनपद एक उत्पाद के सापेक्ष लक्ष्य शत प्रतिशत पूर्ण हैं। पिछ्ले तीन वर्षों में समितियों की कुल 18 बैठके हुई और समिति द्वारा कुल 111 प्रश्नों के उत्तर चाहे गये जो कि समय पर उपलब्ध कराये गये। विधान परिषद के नियम के अन्तगर्त प्राप्त 23 सूचनाओं के उत्तर ससमय प्रेषित किये गये। साथ ही 23 याचिकाऐं प्राप्त हुई और 22 का ससमय निस्तारण किया गया। विशेषाधिकार हनन का कोई प्रकरण लम्बित नहीं है। प्राप्त 242 शिकायती पत्रों में से 240 का निस्तारण किया गया, 2 लम्बित हैं। प्रोटोकॉल उल्लंघन एवं विधायक एवं सदस्यों को बैठकों में आमंत्रण से सम्बंधित कोई प्रकरण लम्बित नहीं है। बैठक के दौरान सभापति ने कहा कि जनपद के सभी विभागों द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा है। नगर निगम द्वारा स्वच्छता के मामले में बहुत ही सुन्दर कार्य प्रदर्शित किया गया, अन्य सम्बंधित विभागों को भी नगर निगम की तर्ज पर कार्य करना चाहिए। सदस्य ने कहा कि विकास कार्यों से सम्बंधित प्राप्त प्रस्तावों की पहले गहनता से जांच की जानी चाहिए, तदोपरांत उन्हें अनुमोदन हेतु भेजना चाहिए, जिससे उनके अस्वीकृत होने की आशंका ना रहें। जनपद में शिक्षा के क्षेत्रों में भी बेहतर एवं प्रशंसनीय कार्य किया जा रहा है, ये कार्य बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए बहुत सार्थक सिद्ध होगें। बैठक के अंत में जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने समापन सम्बोधन दिया।

पिलखुवा में अवैध कॉलोनियों पर एचपीडीए का बुलडोजर, 12 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में की गई बड़ी कार्रवाई

हापुड़/पिलखुवा (शिखर समाचार)। हापुड़ पिलखुवा विकास प्राधिकरण ने अवैध निर्माण और अवैध कॉलोनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए मंगलवार को पिलखुवा क्षेत्र में लगभग 12 हजार वर्गमीटर क्षेत्रफल में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई प्राधिकरण के निर्देश पर पुलिस बल की मौजूदगी में प्रवर्तन दल द्वारा की गई। प्राधिकरण के अनुसार पिलखुवा विकास क्षेत्र में चार स्थानों पर अवैध रूप से प्लॉटिंग कर कॉलोनियां विकसित की जा रही थीं, जिन्हें बिना प्राधिकरण की स्वीकृति के तैयार किया जा रहा था। अभियान के दौरान इन सभी अवैध निमार्णों को ध्वस्त कर दिया गया।

कार्रवाई के दौरान मोहल्ला गढ़ी प्रतापपुर रोड, पिलखुवा में करीब 3500 वर्गमीटर क्षेत्र में की जा रही अवैध प्लॉटिंग को गिराया गया। इसके अलावा पटला से सपनपुर जाने वाली सड़क पर करीब 3500 वर्गमीटर में विकसित अवैध कॉलोनी पर भी बुलडोजर चलाया गया। इसी क्रम में डीआरएस स्कूल के पास प्रतापपुर रोड पर लगभग 5000 वर्गमीटर क्षेत्र में की जा रही अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त किया गया। वहीं डीआरएस स्कूल के सामने, खसरा संख्या 369 मोदीनगर रोड पिलखुवा पर करीब 2500 वर्गमीटर क्षेत्र में विकसित अवैध कॉलोनी को भी प्राधिकरण ने तोड़ दिया। प्राधिकरण अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जनपद में अवैध निर्माण और अवैध कॉलोनियों के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा। लोगों से अपील की गई है कि किसी भी प्रकार का निर्माण या प्लॉटिंग करने से पहले प्राधिकरण से स्वीकृति अवश्य प्राप्त करें, अन्यथा अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सॉलिड वेस्ट प्लांट : ग्राम मीरपुर निवासियों का धरना हुआ समाप्त, समिति के सर्वे से होगा प्लांट का कार्य

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। लोनी के ग्राम मीरपुर में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु 2012 में भूमि चिन्हित की गई थी, जिस पर आधुनिक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्लांट तैयार करने की कार्य चल रहा है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु आधुनिक मशीन भी मौके पर लगाई गई है। प्लांट के कार्य को रोकने के लिए गांव के लोगों ने धरना शुरू कर दिया था। गांव के लोग नगर आयुक्त से मिले और उन्हें अपनी बात बताई। इस दौरान लोगों ने उन्हें ज्ञापन भी दिया। गांव वालों की बात सुनकर नगर आयुक्त ने समिति बनाने का निर्णय लिया, जिसमें 11 स्थानीय ग्राम वासी और 12 अधिकारी शामिल होंगे। समिति मौके का निरीक्षण करते हुए रिपोर्ट तैयार करेगी और उस रिपोर्ट के अनुसार आगे का कार्य किया जाएगा। समिति में अपर जिलाधिकारी वित्तीय एवं राजस्व, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, क्षेत्रीय अधिकारी यूपीपीसीबी, उप जिलाधिकारी लोनी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका लोनी, प्रतिनिधि यूपीसीडा, सचिव गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, मुख्य अभियंता गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, अपर नगर आयुक्त नगर निगम गाजियाबाद, मुख्य अभियंता गाजियाबाद नगर निगम, नगर स्वास्थ्य अधिकारी गाजियाबाद नगर निगम, अधिशासी अभियंता प्रकाश गाजियाबाद नगर निगम शामिल है।ग्राम के प्रतिनिधि गण के रूप में रविंद्र त्यागी, मास्टर महेंद्र सिंह त्यागी, रविंद्र मंडार, पवन मंडार, मोनू त्यागी, चेतन त्यागी, दीपक त्यागी लीलू त्यागी, मोहम्मद इरशाद, विपिन कुमार बिल्लू तथा प्रवीण मलिक को शामिल किया गया है।

गाज़ियाबाद सीएसआर एवं सस्टेनेबिलिटी कॉन्क्लेव 2026 : जिला प्रशासन के नेतृत्व में नई दिल्ली में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

गाज़ियाबाद/नई दिल्ली (शिखर समाचार)। गाज़ियाबाद सीएसआर एवं सस्टेनेबिलिटी कॉन्क्लेव 2026 का आयोजन जिला प्रशासन गाज़ियाबाद और सार्थक कलेक्टिव के संयुक्त तत्वावधान में नई दिल्ली में हुआ। इस कॉन्क्लेव में सरकार, कॉर्पोरेट सीएसआर टीमों, सामाजिक संगठनों और विकास क्षेत्र के विशेषज्ञों ने भाग लेकर जिले में समावेशी और सतत विकास के लिए सहयोगात्मक पहलों पर विचार-विमर्श किया। इस आयोजन को कई प्रमुख कॉर्पोरेट साझेदारों का सहयोग प्राप्त हुआ। डाबर इस पहल के पावर्ड बाय स्पॉन्सर रहे, जबकि कॉन्टिनेंटल कार्बन ने हॉस्पिटैलिटी पार्टनर के रूप में सहयोग दिया। श्रीराम पिस्टन्स एंड रिंग्स लिमिटेड ने मोबिलिटी पार्टनर, एचडीएफसी बैंक ने बैंकिंग पार्टनर, समरकूल ने एमएसएमई पार्टनर, और हमदर्द लैबोरेट्रीज ने हेल्थकेयर पार्टनर के रूप में योगदान दिया। इसके अतिरिक्त, एसोसिएट स्पॉन्सर्स के रूप में रेबन फूड्स और अल्लाना ग्रुप ने भी सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम को पुरवा फाउंडेशन, पीपल टू पीपल हेल्थ फाउंडेशन, सेंटर फॉर ग्रोवर-सेंट्रिक इको वैल्यू मैकेनिज्म्स, सस्टेनिको टेक्नोलॉजीज और इनोलॉजिकल जैसे संगठनों का संस्थागत समर्थन प्राप्त हुआ।कॉन्क्लेव में जिला प्रशासन, उद्योग जगत, सीएसआर प्रमुखों और विकास क्षेत्र के प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम का संचालन अभिनव गोपाल के सक्रिय मार्गदर्शन और नेतृत्व में किया गया, जिनकी उपस्थिति ने चचाओं को ठोस परिणामों की दिशा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस कॉन्क्लेव का मुख्य उद्देश्य गाज़ियाबाद जिले की प्रमुख विकासात्मक प्राथमिकताओं, जैसे शिक्षा सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच, पर्यावरणीय स्थिरता, कृषि एवं पशुपालन आधारित आजीविका और शहरी-ग्रामीण संतुलन के साथ कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व निवेशों को जोड़ने के लिए एक जिला स्तरीय मंच तैयार करना था। इस संवाद के माध्यम से ‌गाज़ियाबाद सोशल एक्शन प्लान‌ विकसित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल की गई।

थाना कविनगर में चल रहे निर्माण कार्यों का डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने किया निरिक्षण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। पुलिस कमिश्नर जे. रविंदर गोड़ के आदेश पर गाजियाबाद के थानों को हाईटेक बनाते हुए उनका कायाकल्प किया जा रहा है, जिससे पुलिसकर्मियों को बेहतर सुविधा देते हुए पुलिसिंग को मजबूत किया जा सके। गाजियाबाद के थानों में चल रहे निर्माण कार्यों का आला अधिकारी लगातार निरीक्षण कर रहे हैं। मंगलवार को पुलिस उपायुक्त नगर/मुख्यालय धवल जायसवाल ने थाना कविनगर में चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण की गुणवत्ता, कार्य की प्रगति तथा सुरक्षा मानकों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए और यह सुनिश्चित करने पर बल दिया कि निर्माण कार्य उच्च स्तर की गुणवत्ता के साथ संपन्न हो। थानों के अंदर मिशन शक्ति केंद्र, महिला हेल्प डेस्क व अन्य दफ्तर को बेहतर रूप दिया जा रहा है। थाने पर आने वाले फरियादियों के लिए अलग से आगंतुक कक्ष बनाए जा रहे है। उन्होंने इस दौरान थाना अध्यक्ष अनुराग शर्मा को सभी व्यवस्थाएं मजबूत करने के आदेश दिए और कहा कि सभी जगह सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। सीसीटीवी कैमरा की रिकॉर्डिंग को सुरक्षित रखने के लिए भी व्यवस्था की जाए। निरीक्षण के दौरान सहायक पुलिस आयुक्त कवि नगर सूर्यबली मौर्य भी मौजूद रहे।

गाजियाबाद को मिली 52 करोड़ की सौगात: वसुंधरा इंदिरापुरम के लिए एलिवेटेड रोड पर बनेगा नया लूप, दिल्ली का सफर होगा तेज और सुगम

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद की पॉश कॉलोनियों वसुंधरा और इंदिरापुरम के लाखों निवासियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। उत्तर प्रदेश शासन स्तर पर व्यय वित्त समिति ने राजनगर एक्सटेंशन एलिवेटेड रोड पर नया लूप बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना के तहत इंदिरापुरम की ओर से दिल्ली जाने और वसुंधरा की ओर से दिल्ली से आने वाले वाहनों के लिए अलग से लूप बनाया जाएगा, जिससे वर्षों पुरानी मांग अब पूरी होने जा रही है। अधीक्षण अभियंता अजय कुमार मित्तल ने बताया कि एलिवेटेड रोड पर इस नए लूप के निर्माण के लिए पहले संयुक्त निरीक्षण कर विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया गया था। इसके लिए आवास विकास परिषद और गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से स्थल का निरीक्षण कर योजना बनाई थी। लंबे समय से प्रयासों के बाद अब

शासन की उच्च स्तरीय व्यय वित्त समिति ने इस योजना पर मुहर लगा दी है। सरकार की स्वीकृति के बाद इस परियोजना के लिए 52 करोड़ रुपये की धनराशि मंजूर कर दी गई है। लूप बनने के बाद वसुंधरा और इंदिरापुरम के निवासियों को एलिवेटेड रोड के जरिए दिल्ली आने-जाने में बड़ी राहत मिलेगी और ट्रैफिक का दबाव भी कम होगा। अजय कुमार मित्तल ने यह भी बताया कि आवास विकास परिषद की सिद्धार्थ विहार योजना की कनेक्टिविटी बेहतर बनाने के लिए हिंडन नदी पर एक नए पुल के निर्माण की योजना भी तैयार की गई है। इस पुल के निर्माण के लिए लगभग 52 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी और आगामी बोर्ड बैठक में इसे भी मंजूरी मिलने की पूरी संभावना है। यह दोनों परियोजनाएं एलिवेटेड रोड पर नया लूप और हिंडन नदी पर प्रस्तावित पुल पूरी होने के बाद वसुंधरा, इंदिरापुरम, सिद्धार्थ विहार और प्रताप विहार जैसी योजनाओं में रहने वाले लाखों लोगों को जाम की समस्या से राहत मिलेगी। साथ ही दिल्ली आने जाने का सफर भी पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा तेज और सुगम हो जाएगा।

जीडीए का बड़ा एक्शन : अवैध निमार्णो पर गरजा प्राधिकरण का डंडा, वेयरहाउस समेत कई इमारतें सील

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध निर्माण और अवैध कॉलोनियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। मंगलवार को उपाध्यक्ष के कड़े निदेशों का पालन करते हुए प्रवर्तन जोन 01 की टीम ने भारी पुलिस बल के साथ मिलकर क्षेत्र के कई बड़े अवैध निमार्णों को पूरी तरह सील कर दिया। इस कार्रवाई के दौरान स्थानीय लोगों और निर्माणकर्ताओं ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया, लेकिन पुलिस की मुस्तैदी के आगे उनकी एक न चली।

स्कार्ड लाइन वेयरहाउस और बड़े शेड पर हुई कार्रवाई

प्रभारी प्रवर्तन जोन 1 के नेतृत्व में टीम सबसे पहले ग्राम ढरगल, वरदान रोड पहुंची। यहाँ खसरा संख्या 129 पर दीपक अग्रवाल द्वारा लगभग 600 वर्ग मीटर में बनाए गए वेयरहाउस को सील किया गया। इसके साथ ही हेमन्त द्वारा पूर्व में निर्मित स्कार्ड लाइन वेयरहाउस के खिलाफ भी सीलिंग की कार्रवाई की गई।

3000 वर्ग मीटर में फैला अवैध निर्माण भी जद में

प्राधिकरण की टीम ने राजनगर एक्सटेंशन स्थित हितेशी हाइट के सामने भट्ठा नं0 05 रोड (सिकरोड) पर भी बड़ी कार्रवाई की। यहाँ चौधरी भरत सिंह व अन्य द्वारा लगभग 3000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में किए जा रहे अवैध निर्माण को रोका गया। वहीं, प्रणय गुप्ता द्वारा बाल जगत स्कूल के सामने लगभग 2000 वर्ग मीटर में बनाए गए पुराने शेड को भी सील कर दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक इन सभी निर्माणकर्ताओं को पहले नोटिस दिए गए थे, लेकिन शमन (कंपाउंडिंग) न कराने के कारण विभाग को यह सख्त कदम उठाना पड़ा।

विरोध के बावजूद टीम ने नहीं रोकी कार्रवाई

सीलिंग की प्रक्रिया के दौरान मौके पर भारी हंगामा देखने को मिला। स्थानीय निर्माणकर्ताओं और उनके समर्थकों ने टीम का रास्ता रोकने और काम बाधित करने का प्रयास किया। हालांकि प्राधिकरण के पुलिस बल ने स्थिति को संभालते हुए विरोध कर रहे लोगों को नियंत्रित किया और सफलतापूर्वक सीलिंग की प्रक्रिया पूरी की।

बिना मानचित्र स्वीकृत कराए निर्माण पर खैर नहीं

मौके पर मौजूद सहायक अभियंता (प्रवर्तन जोन 1) ने जनता को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो भी व्यक्ति बिना मानचित्र स्वीकृत कराए निर्माण कार्य करेगा, उसके खिलाफ इसी तरह की कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। भविष्य में भी प्राधिकरण का यह अभियान निरंतर चलता रहेगा।

इस पूरी कार्रवाई के दौरान प्रवर्तन जोन 1 के सहायक अभियंता, अवर अभियंता, सभी सुपरवाइजर, मेट और भारी संख्या में स्थानीय व प्राधिकरण पुलिस बल तैनात रहा।

नंदग्राम में विशेष समुदाय पर मारपीट का आरोप, घर के बाहर लगाए 'यह मकान बिकाऊ है' के पोस्टर, पुलिस ने 3 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना नंदग्राम थाना क्षेत्र के नई बस्ती निवासी परिवार ने विशेष समुदाय पर मारपीट का आरोप लगाया है। इस सम्बन्ध में उन्होंने थाना नंदग्राम पर लिखित शिकायत दी, जिसके बाद पुलिस में मुकदमा दर्ज करते हुए 3 अभियुक्त जीशान, तहिर और राशिद को गिरफ्तार किया। पीड़ित परिवार ने डर के करण घर के बाहर यह मकान बिकाऊ है के पोस्टर भी लगा दिए है। घटना के बाद हिंदू संगठन से भी जुड़े लोग मौके पर पहुंचे और परिवार को मदद करने का आश्वासन दिया। खास बात यह है कि मारपीट से जुड़े वीडियो भी इस समय सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें एक व्यक्ति महिलाओं और पुरुषों से मारपीट करता हुआ दिखाई दे रहा है। पीड़ित परिवार ने बताया कि उन्होंने घर के अंदर हनुमान चालीसा चलाई हुई थी। इसी दौरान घर के पास रहने वाले विशेष समुदाय के लोग आए और घर के पुरुष व महिलाओं के साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान उन्होंने डंडे और हथौड़े का इस्तेमाल किया, जिस कारण उनके घर की महिलाओं को काफी चोट आई है। विशेष समुदाय के लोगों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी है, जिस कारण वह मकान बेचकर जाना चाहते हैं। मकान बेचने के लिए उन्होंने घर के बाहर यह मकान बिकाऊ है के पोस्टर भी लगा दिए हैं। इसके अलावा उन्होंने पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही पर भी विरोध व्यक्त किया है और सरकार से सुरक्षा की मांग की है। एसीपी नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि डीजे बजाने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था। विवाद में मुकदमा दर्ज करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बसौड़ा पर्व पर शीतला माता मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब, मेले में जुटे सैकड़ों श्रद्धालु

बिजनौर (शिखर समाचार)। बसौड़ा पर्व के अवसर पर मां चामुंडा धाम के समीप स्थित शीतला माता मंदिर में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। यहां आयोजित भव्य मेले में बिजनौर शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आए सैकड़ों श्रद्धालुओं ने माता शीतला के दर्शन कर पूजा अर्चना की और परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार बसौड़े के दिन श्रद्धालु माता शीतला को ठंडे पकवानों का भोग लगाते हैं। इसी परंपरा का पालन करते हुए श्रद्धालुओं ने माता को पूड़ी, कचौड़ी, हलवा और अन्य ठंडे पकवानों का भोग अर्पित किया। सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं और पूरा वातावरण माता के जयकारों से गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं ने श्रद्धा भाव से माता की प्रतिमा पर जल अर्पित किया और अपनी मन्नतें मांगी। मेले के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन और मेला प्रबंधन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पुलिसकर्मी पूरे समय मंदिर परिसर और मेले के आसपास तैनात रहे, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। इस बार मेला प्रबंधन समिति द्वारा चार पहिया वाहनों के लिए विशेष पार्किंग व्यवस्था की गई थी। पार्किंग स्थल सुव्यवस्थित होने के कारण बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को आवागमन में काफी सुविधा मिली। बेहतर व्यवस्थाओं को लेकर श्रद्धालुओं ने मेला समिति और प्रशासन की सराहना की। मेले में धार्मिक आस्था के साथ-साथ मनोरंजन का माहौल भी देखने को मिला। बच्चों और युवाओं ने मेले में लगी खिलौनों की दुकानों से खरीदारी की, जबकि लोगों ने विभिन्न प्रकार के व्यंजनों, चाट पकौड़ों और मिठाइयों का स्वाद लिया। दिनभर मंदिर और मेला परिसर में उत्सव जैसा माहौल बना रहा और देर शाम तक श्रद्धालुओं का आना जाना लगा रहा।

तेज रफ्तार ट्रक का कहर : पैदल जा रहे युवक को कुचला, मौके पर मौत, चालक फरार

हापुड़ (शिखर समाचार । थाना हापुड़ क्षेत्र के दिल्ली रोड स्थित भैरव मंदिर के सामने सोमवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में पैदल जा रहे युवक की ट्रक से कुचलकर मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार हापुड़ के मोहल्ला खारी कुआं निवासी सुनील कुमार ने बताया कि वह अपने छोटे भाई रवि कुमार के साथ दिल्ली रोड स्थित ट्रक यूनियन के बाहर चाय की दुकान चलाते हैं। फिलहाल दोनों भाई मोहल्ला राजीव विहार में किराये के मकान में रह रहे थे। सोमवार रात रवि कुमार (48) अपने भाई और अपने लिए खाना लेने मुनीम होटल गए थे। बताया

गया कि जब रवि खाना लेकर वापस लौट रहे थे, तभी दिल्ली रोड स्थित भैरव मंदिर के सामने सड़क पार करते समय तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मारते हुए कुचल दिया। हादसा इतना भीषण था कि रवि की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक को घटनास्थल पर ही छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। परिजनों के अनुसार रवि कुमार तीन भाइयों और दो बहनों में सबसे छोटे थे और अविवाहित थे। उनके एक भाई की पहल ही मौत हो चुकी है। रवि की अचानक मौत से परिवार में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद पांडेय ने बताया कि ट्रक को कब्जे में लेकर पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार चालक की तलाश की जा रही है।

देवर से निकाह से इंकार पर विधवा से मारपीट, रेप के प्रयास का आरोप, सास ससुर समेत पांच पर एफआईआर

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ क्षेत्र में पति की मौत के बाद विधवा महिला पर देवर से निकाह करने का दबाव बनाने और विरोध करने पर मारपीट व रेप के प्रयास का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने सास, ससुर सहित पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव चमरी निवासी मंतशा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका निकाह 26 जुलाई 2023 को बुलंदशहर निवासी जावेद अली से हुआ था। निकाह के बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा बुलेट बाइक और दो लाख रुपये की मांग की जा रही थी। पति जावेद अली दुबई में नौकरी करते थे, जिनकी 7 फरवरी 2025 को कैंसर के चलते मृत्यु हो गई। पीड़िता का आरोप है कि पति की मौत के बाद ससुर जाहिद, सास जमीला, देवर इमरान, सोनू और ननद मुस्कान उसे लगातार परेशान करने लगे। देवर इमरान शराब के नशे में उसके साथ मारपीट करता था और उसके बच्चे को जान से मारने की धमकी देता था। महिला के अनुसार ससुराल पक्ष ने जबरन देवर इमरान से निकाह कराने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। इसके लिए पांच लाख रुपये और बुलेट बाइक की मांग की गई। आरोप है कि 27 जनवरी को ससुराल पक्ष के लोग पीड़िता के गांव चमरी स्थित घर पहुंचे और निकाह के लिए दबाव बनाया। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई और देवर ने रेप का प्रयास किया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनोद पांडेय ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर सास, ससुर समेत पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

अखिलेश यादव ने कहा–अमेरिका भारत को डिक्टेट कर रहा

लखनऊ में इफ्तार पार्टी में खजूर खाया, सेल्फी ले रहे लोगों से बोले-फोटो अच्छी आई

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में सपा प्रमुख अखिलेश यादव सोमवार को अपने विधायक शाहिद मंजूर की इफ्तार पार्टी में शामिल हुए। इफ्तारी कर रहे लोगों के साथ बैठकर खजूर खाए। कार्यक्रम में मौजूद लोगों में अखिलेश के साथ सेल्फी खिंचवाने की होड़ लग गई। अखिलेश ने सेल्फी खींच रहे एक व्यक्ति से पूछा- फोटो अच्छी आ रही है? साथ ही कहा- अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध में, अमेरिका भारत को डिक्टेट कर रहा है। इससे पहले विधायक शाहिद मंजूर ने गुलदस्ता देकर और शॉल पहनाकर अखिलेश यादव का स्वागत किया। अखिलेश के साथ इस्लामिक सेंटर आफ इंडिया के अध्यक्ष मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली और सुभासपा विधायक अब्बास अंसारी (मुख्तार अंसारी के बड़े बेटे) भी शामिल हुए। अखिलेश ने कहा- समाजवादी पार्टी के नेता शाहिद मंजूर को होली मिलन और रोजा

इफ्तार की दावत देने के लिए बधाई देता हूं। यही हमारी पहचान है। यही हमारी संस्कृति है। यही हमारी परंपरा रही है। हम लोग मिलजुल कर त्योहारों को मानते हैं। त्योहार हमें एक दूसरे की खुशियां बांटने का मौका देते हैं।

1. भारतीयों को सुरक्षित देश में वापस लाएं:

मिडिल ईस्ट-इजराइल में जो भारतीय हैं। वह सुरक्षित अपने घर पहुंचे। युद्ध ना हो और युद्ध के पक्ष में कोई नहीं है। इसके साथ ही सभी भारतीय लोगों सुरक्षित देश लेकर आया जाए।

2. अमेरिका हमें डिक्टेट कर रहा है:

अभी सबसे बड़ा सवाल युद्ध का है। अमेरिका हमें डिक्टेट कर रहा है। वह हमारी विदेश नीति तय कर रहा है। कोई भी देश हमारी विदेश नीति को तय नहीं कर सकता। सरकार अपने फैसले खुद ले।

3. युद्ध को हम कितने समय तक देखेंगे:

युद्ध के पक्ष में समाजवादी लोग नहीं है। हमारे मजदूर भाई बड़ी संख्या में विदेशों में काम करते हैं। लगभग एक करोड़ लोग हैं जो मिडिल ईस्ट में रहते हैं। बड़ी संख्या में अमेरिका में लोग रहते हैं। युद्ध ना हो इसके लिए रास्ता निकालना चाहिए। हमने देखा कि पीएम के साथ जो पत्रकार गए थे। वह पॉलिटिकल पत्रकार थे। मगर वहां फंस गए। वार जर्नलिस्ट बन गए।

4. हमारे नगर अध्यक्ष से हमारा वोट कटवा दिया:

चीफ इलेक्शन कमीशन पे सिर्फ ममता बनर्जी ने जो आरोप लगाया है। वही नहीं है। बल्कि उत्तर प्रदेश में भी उनके ऊपर गंभीर आरोप लगे हैं। हमने भी उनके ऊपर आरोप लगाया है। हमारे नगर अध्यक्ष से हमारा वोट कटवा दिया।

5. SIR के बहाने ठउफलागू कर दिया जाए:

इलेक्शन कमीशन की जिम्मेदारी बनती है कि किसी का वोट ना काटे। भाजपा की यह सूची समझी रणनीति थी कि एसआईआर के बहाने एनआरसी लागू कर दिया जाए। एसआईआर लागू करते-करते हिंदू भाइयों के भी कागज ढूंढने लगे। आज एक करोड़ संख्या है हिंदू भाइयों की जो अपने कागज ढूंढ रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी किसी की सगी नहीं है।

6. भाजपा न्याय देने में भेदभाव करती है:

गोरखपुर में अपहरण होते-होते बच गया। प्रयागराज में बच्चे का अपहरण हुआ। बाद में वह सकुशल वापस आया। यहां एक बच्चे की हत्या हुई। भाजपा न्याय देने में भेदभाव करती है।

जिंदा जलाने आए थे, नहीं मिला तो दुकान फूंक दी

'लखनऊ (एजेंसी)। मुझे कुछ लोग जिंदा जलाने आए थे। गनीमत रही कि मैं उस समय वहां पर था नहीं। ज्यादातर सामान भी बगल की दुकान पर रख दिया था। लोगों ने मेरी दुकान फूंक दी। जिस बच्चे ने गन्ने के रस की मशीन पर रखी बर्फ चाटी, वह मानसिक रूप से कमजोर है। उसका वीडियो जब हर जगह चलने लगा तो पुलिस यहां आई थी। मुझसे पुलिसवालों ने कहा था कि गांव भाग जाओ, तुम्हें दिक्कत हो जाएगी।' यह कहना है लखनऊ के उस जूस दुकानदार का जिसकी दुकान धमाके के साथ जल गई थी। दुकानदार महफूज अहमद हैं जो मूलरूप से बहराइच के हैं। वह यहां परिवार के साथ रहकर जानकीपुरम में मुलायम तिराहे पर गन्ने के रस की दुकान चलाते हैं। इनकी दुकान में रस में मिलाने वाली बर्फ को चाटते हुए बच्चे का वीडियो आया। उसके बाद दुकान में आग लग गई। दुकान जलने के बाद हमने उनसे पूरा मामला जानना चाहा। वह पूरी आपबीती सुनाते हुए रो पड़े।लखनऊ में गन्ने के रस की दुकान पर रखी बर्फ को एक बच्चा जीभ से चाटते दिखा। 6 मार्च की दोपहर इसका वीडियो वायरल हो गया। वीडियो में दिख रहा है कि सड़क किनारे गन्ने के रस की दुकान है। जमीन पर मशीन लगी है। उसके आगे तख्त रखा है। आगे सोलर पैनल लगा है। मशीन के गन्ने की खोई का ढेर लगा है। आसमानी शर्ट, खाकी पैंट और ग्रे टोपी पहने एक बच्चा गन्ने की मशीन पर रखी बर्फ जीभ से चाट रहा है। बर्फ चाटने के बाद वह आसपास देखता है। पुलिस ने कहा था- जांच की जा रही है कि बच्चा दुकानदार का है, दुकान पर काम करता है या बाहरी है। 6 मार्च को ही आधी रात बीतने पर करीब 1 बजे दुकान में धमाके के साथ आग लग गई। देखते-देखते ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं। पास में ही रजाई-गद्दों की दुकान भी आग की चपेट में आ गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। बख्शी का तालाब फायर स्टेशन से एक गाड़ी पहुंची। जिस जमीन पर दुकान थी, वह अवनीश तिवारी की है। 10-12 साल से महफूज इसी पर गन्ने के रस की दुकान चला रहे थे। महफूज ने बताया- मेरी गन्ने के रस की मशीन लगी थी। मैं नमाज पढ़ने गया था। उस समय दुकान पर मेरा भांजा था, जो मानसिक रूप से कमजोर है। उसे आप देखेंगे तो समझ जाएंगे कि उसका दिमाग हल्का है। जब मैं नमाज पढ़कर लौटा तो लोगों ने मुझे वही वीडियो दिखाया और कहा कि तुम जूठा जूस पिलाते हो? मैंने उन्हें समझाया कि जूठा जूस क्यों पिलाऊंगा? इस पर लोग बोले फिर ये वीडियो में क्या है? मैंने बताया कि मेरा भांजा मानसिक रूप से कमजोर है, हो सकता है उससे गलती हो गई हो। किसी तरह वो लोग वहां से गए। कुछ देर बाद पुलिस आ गई। पुलिस मेरी दुकान पर आई। पुलिसवालों ने कहा कि यहां अब दुकान नहीं लगेगी। मैंने उनकी बात मान ली। पुलिस ने तुरंत दुकान हटवा दी। मैंने सारा सामान उठवाकर बगल में रखवा दिया। पुलिस ने यह भी कहा कि अपने घर चले जाओ, तुम्हें दिक्कत हो सकती है। मैं उस रात वहां नहीं रुका। लोगों की बातों को समझते हुए मैंने उस जगह को छोड़ दिया और एक रिश्तेदार के पास मड़ियांव चला गया। अगले दिन वापस पहुंचा और गन्ने की मशीन खोलकर हटाने लगा।

यूपीएससी में आस्था जैन की सफलता पर बधाइयों का सिलसिला जारी

कांधला/शामली (शिखर समाचार)। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा में ऑल इंडिया टॉप टेन में स्थान बनाने वाली आस्था जैन को लेकर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। उनकी इस उपलब्धि पर परिजनों को बधाई देने का सिलसिला लगातार जारी है। सामाजिक व राजनीतिक हस्तियां उनके पिता के प्रतिष्ठान पर पहुंचकर शुभकामनाएं दे रही हैं और आस्था के उज्ज्वल भविष्य की कामना कर रही हैं। बताया गया कि शुक्रवार को संघ लोक सेवा आयोग द्वारा सिविल सेवा परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया। परिणाम आने के बाद आस्था जैन ने फोन पर अपनी माता ममता जैन को सफलता की जानकारी दी और बताया कि उन्होंने पूरे देश में नौवां स्थान हासिल किया है। यह खबर मिलते ही परिवार की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। आस्था की इस उपलब्धि से परिजन ही नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र और समाज में गर्व

और उत्साह का माहौल है। मंगलवार को राष्ट्रीय लोकदल के जिलाध्यक्ष वाजिद अली, वरिष्ठ नेता डॉ. विक्रांत जावला के साथ कानपुर के जीएसटी कमिश्नर एस.डी. मलिक, पालिकाध्यक्ष नजमुल इस्लाम, राजन जावला सहित अन्य रालोद नेता आस्था जैन के पिता अजय जैन के प्रतिष्ठान पर पहुंचे। उन्होंने आस्था की माता ममता जैन और पिता अजय जैन को बधाई देते हुए आस्था के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर डॉ. विक्रांत जावला ने कहा कि यह पूरे क्षेत्र के लिए गौरव की बात है कि कांधला जैसे छोटे कस्बे की प्रतिभाशाली बेटी ने देशभर में नौवां स्थान हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि आस्था जैन की सफलता वर्तमान और आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा है। इससे ग्रामीण परिवेश में माता-पिता अपनी बेटियों को शिक्षा दिलाने के लिए प्रेरित होंगे और बेटियां भी आगे बढ़कर अपने क्षेत्र का नाम रोशन करने का प्रयास करेंगी। इसके बाद रालोद का प्रतिनिधिमंडल गांव चढ़ाव पहुंचा, जहां सिविल सेवा परीक्षा में 403वीं रैंक हासिल करने वाली गांव की बेटी काजल चौहान के आवास पर पहुंचकर उन्हें गुलदस्ता भेंट किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इससे पूर्व भाजपा नेता विवेक प्रेमी भी अपने सहयोगियों के साथ आस्था जैन के निवास स्थान पर पहुंचे और उनके माता पिता को बधाई देते हुए आस्था के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शादी में गया था परिवार, घर का ताला तोड़कर चोर ले उड़े 4 लाख का सामान

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर के छोटी देवी मंदिर रोड पर सोमवार देर शाम चोरों ने शादी समारोह में गए एक परिवार के घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये की चोरी की वारदात को अंजाम दे दिया। चोर घर का ताला तोड़कर नकदी और सोने के जेवरात सहित करीब 4 लाख रुपये का सामान चोरी कर फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पीड़ित देवेंद्र ने बताया कि कस्बे में ही उनके परिवार के एक घर में शादी समारोह था, जिसमें शामिल होने के लिए पूरा परिवार अपने घर पर ताला

लगाकर चला गया था। उनका बड़ा भाई कस्बे के एक निजी अस्पताल में नौकरी करता है। रात करीब 10 बजे जब वह घर पहुंचा तो उसने घर का ताला टूटा हुआ देखा।

घर के अंदर जाकर देखने पर सामान बिखरा पड़ा था। चोरों ने घर की अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे करीब 2.5 लाख रुपये नकद और सोने के जेवरात चोरी कर लिए थे। पीड़ित के अनुसार चोरी हुए सामान की कुल कीमत करीब 4 लाख रुपये बताई जा रही है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की और आसपास के लोगों से पूछताछ की। पुलिस का कहना है कि अज्ञात चोरों के खिलाफ शिकायत दर्ज कर ली गई है और उनकी तलाश की जा रही है।

यूपी में सिलेंडर की किल्लत, एजेंसियों के बाहर लंबी लाइनें

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में रसोई गैस (LPG) की किल्लत हो गई है। लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर समेत कई शहरों में बुकिंग के 4 से 5 दिन बाद सिलेंडर नहीं मिल रहे हैं। गैस एजेंसियों के बाहर लाइनें लगने लगी हैं। गोरखपुर में एजेंसी के बाहर अपनी बारी का इंतजार कर रहे लोगों ने कहा- 23 दिन से लाइन लगा रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि 15-20 साल पहले जैसे हालात हो गए हैं, जब गैस सिलेंडर के लिए महीनों का इंतजार करना पड़ता था। हालांकि, अफसरों का कहना है कि परेशान होने की जरूरत नहीं है। लखनऊ के जिला पूर्ति अधिकारी विजय प्रताप सिंह ने कहा- फिलहाल किसी तरह की कमी की स्थिति नहीं है। विभाग के पास 25 दिन का कोटा उपलब्ध है। गैस कंपनियों ने भी ग्राहकों को मैसेज भेजकर गैस की किल्लत की खबरों से इनकार किया। कहा- ईंधन की कमी के दावे भ्रामक और

निराधार हैं। देश में ईंधन का पर्याप्त स्टॉक है। इधर, तेल कंपनियों ने घटते स्टॉक के चलते कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की डिलीवरी पर अघोषित रोक लगा दी है। एजेंसियों को फिलहाल सिर्फ घरेलू गैस सिलेंडर की सप्लाई पर फोकस करने के निर्देश दिए गए हैं। इसका सीधा असर होटल, रेस्टोरेंट और ढाबा संचालकों पर पड़ रहा है। उन्हें कॉमर्शियल सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं। इसके चलते आम लोगों में भी डर का माहौल है। कई शहरों में घरेलू सिलेंडर की डिमांड अचानक बढ़ गई है लखनऊ में चाय की दुकान चलाने वाले अब्बा ने बताया कि कल से सिलेंडर में गैस खत्म हो गई है। जहां जाते हैं, वो लोग गैस नहीं होने की बात कहे कर वापस कर दे रहे हैं। खदरा, बालागंज, ठाकुरगंज चौक कहीं भी गैस नहीं मिल रही है। ऐसा रहा तो भूखमरी के दिन आ जाएंगे। मुजफ्फरनगर में गैस सिलेंडर की किल्लत बढ़ गई है। गैस एजेंसियों पर उपभोक्ताओं की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। लागों का कहना है कि बुकिंग के बाद भी सिलेंडर नहीं मिल रहे हैं। एक उपभोक्ता ने बताया कि गैस खत्म होने के कारण उन्हें लकड़ी से खाना बनाना पड़ रहा है। लखनऊ में रत्नसागर गैस एजेंसी में काम करने वाले हॉकर पप्पू ने बताया- घरेलू गैस सिलेंडर की कोई कमी नहीं है, कॉमर्शियल सिलेंडर को लेकर थोड़ी परेशानी है। संतोष कुमार ने कहा- घरेलू सिलेंडर की डिलीवरी नहीं है, केवल कॉमर्शियल सिलेंडर को लेकर दिक्कत है। पिछले एक सप्ताह से कॉमर्शियल को लेकर दिक्कत है। लखीमपुर के कस्ता क्षेत्र में मंगलवार को गैस एजेंसियों पर लोगों की भीड़ देखी गई। हालांकि, कुछ एजेंसियों पर स्थिति सामान्य रही, जबकि कुछ पर स्टॉक खत्म होने से लोगों को बिना सिलेंडर के लौटना पड़ा। लीलावती ग्रामीण वितरण गैस एजेंसी पर सिलेंडर लेने पहुंचे लोगों को सिलेंडर मिले। मालिक सुधीश वर्मा ने बताया- उनके पास गैस की कोई किल्लत नहीं है। लोगों को नियमित रूप से सिलेंडर दिए जा रहे हैं। प्रेमवती एचपी गैस एजेंसी पर उपभोक्ताओं को बिना सिलेंडर के लौटना पड़ा। एजेंसी के संदीप वर्मा ने बताया- सुबह से ही ग्राहकों को लौटाया जा रहा है, क्योंकि स्टॉक खत्म हो चुका है। गोरखपुर के बड़हलगंज स्थित गैस एजेंसी के संचालक शिवाजी चंद ने बताया- हमारे यहां 45000 कंज्यूमर हैं। पहले 3 गाड़ियों से सिलेंडरों की सप्लाई होती थी। अब केवल एक गाड़ी आ रही है। एक हफ्ते से उपभोक्ता सिलेंडर को लेकर परेशान हैं। उन्होंने कहा- मैं खुद गीडा के प्लांट पर हूं ताकि आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। प्रयागराज के गोविंदपुर गैस एजेंसी पर सुबह से लोग लाइन लगाए हैं। गैस सिलेंडर के लिए परेशान हैं। उनका कहना है कि कई दिन से फोन के जरिए, यहां आकर पूछताछ कर रहे हैं।

शुक्रताल में जल अर्पण दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। ग्राम पंचायत शुक्रताल में जल संरक्षण को लेकर जल अर्पण दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को जल बचाने और जल के समुचित प्रबंधन के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर पेय जल का समाधान, मेरे गांव की नई पहचान अभियान के अंतर्गत कई जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम की शुरूआत जल बचाओ कल बचाओ के संदेश के साथ प्रभात फेरी निकालकर की गई, जिसमें ग्रामीणों और अधिकारियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इसके बाद जल प्रबंधन, जल वंदना तथा जल बचाओ कल बचाओ के संकल्प कार्यक्रम आयोजित किए गए। साथ ही पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल मौजूद रहे। इस दौरान जल निगम ग्रामीण के अधिशासी अभियंता, जिला समन्वयक डीपीएमयू, डीपीएम टीपीआई, सहायक अभियंता, जूनियर इंजीनियर, परियोजना प्रबंधक कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि तथा ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने और भविष्य के लिए जल बचाने का संकल्प लिया।

ओवरलोड वाहनों पर परिवहन विभाग की बड़ी कार्रवाई, तीन लाख रुपये का जुमार्ना

थानाभवन (शिखर समाचार) अवैध ओवरलोडिंग और बिना अनुमति वाहनों के संचालन के खिलाफ परिवहन विभाग ने सख्त कार्रवाई करते हुए कई वाहनों के चालान किए और करीब तीन लाख रुपये का जुमार्ना लगाया। मंगलवार को नगर में दिल्ली सहारनपुर हाईवे को जोड़ने वाले ऊन मार्ग पर परिवहन विभाग की टीम ने विशेष अभियान चलाकर वाहनों की जांच की। जांच के दौरान कई वाहन नियमों का उल्लंघन करते हुए पाए गए। अपर परिवहन अधिकारी रोहित राजपूत ने बताया कि अभियान के दौरान दो ट्रॉलर घोड़े, एक कंटेनर और एक पिकअप वाहन ओवरलोड हालत में संचालित होते मिले। साथ ही

इन वाहनों के पास आवश्यक अनुमति पत्र और मानक सुरक्षा प्रबंध भी नहीं पाए गए। नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधित वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए लगभग तीन लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया। परिवहन विभाग की इस कार्रवाई से अवैध तरीके से ओवरलोड माल ढोने वाले वाहन चालकों और स्वामियों में हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सड़क सुरक्षा और नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे और नियमों की अनदेखी करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। अपर परिवहन अधिकारी ने वाहन स्वामियों से अपील की कि वे परिवहन नियमों का पालन करें, सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखें और ओवरलोडिंग जैसे खतरनाक व अवैध कार्य से बचें। विभाग ने चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भविष्य में और भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जेवरात चमकाने के नाम पर ठगी करने आए दो युवक पकड़े, ग्रामीणों ने धुनाई के बाद पुलिस को सौंपा

मोदीनगर (शिखर समाचार) कोतवाली क्षेत्र के बुदाना गांव में मंगलवार को सोने चांदी के जेवरात चमकाने के नाम पर महिलाओं को ठगने आए दो युवकों को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। लोगों ने दोनों की जमकर धुनाई करने के बाद उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया। गांव निवासी रिंकू सिंह ने बताया कि मंगलवार को घर में महिलाएं अकेली थीं। इसी दौरान दो युवक घर पर पहुंचे और वाशिंग पाउडर बेचने की बात करने लगे। बातचीत के दौरान एक युवक ने महिलाओं से कहा कि यदि घर में सोने चांदी के जेवरात हों तो वह उन्हें मुफ्त में चमका देगा और इसके लिए कोई पैसा भी नहीं लिया जाएगा। युवकों की बातों में आकर महिलाएं घर से कुछ सोने के जेवरात ले आईं और उन्हें एक युवक को दे दिया। युवक जेवरात साफ करने लगा, लेकिन इसी दौरान महिलाओं को शक हुआ कि जेवरात का वजन कम लग रहा है। इस पर उन्होंने शोर मचा दिया। महिलाओं की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। ग्रामीणों ने दोनों युवकों को पकड़ लिया और उनकी जमकर धुनाई कर दी। इसके बाद सूचना देकर दोनों को पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

श्रमिकों के मकानों के नियमितीकरण की मांग को लेकर पालिका पर धरना, हंगामा

मोदीनगर (शिखर समाचार) मोदी समूह द्वारा श्रमिकों के लिए बनाए गए मकानों के नियमितीकरण की मांग को लेकर मंगलवार को एक सामाजिक संगठन के कार्यकताओं ने नगर पालिका परिषद कार्यालय पर धरना देकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कुछ देर तक हंगामे की स्थिति भी बनी रही। श्रमिक उत्थान ट्रस्ट के बैनर तले बड़ी संख्या में लोग नगर पालिका परिषद के मुख्य गेट पर एकत्रित हुए और धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि मोदी समूह ने अपने कारखानों में काम करने वाले श्रमिकों के लिए वर्षों पहले ये मकान बनवाए थे। वर्तमान में क्षेत्र के अधिकांश कारखाने बंद हो चुके हैं, लेकिन इन मकानों में अब भी कई श्रमिक परिवार रह रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि अब मोदी समूह की ओर से इन श्रमिकों को मकान खाली करने के नोटिस भेजे जा रहे हैं। उनका कहना है कि कारखाना संचालकों पर अभी भी श्रमिकों का बकाया है, इसलिए जब तक उनका बकाया भुगतान नहीं किया जाता, तब तक उनसे मकान खाली कराना उचित नहीं है। धरने पर बैठे लोगों ने मांग की कि जिन मकानों में श्रमिक लंबे समय से रह रहे हैं, उन्हें उनके नाम किया जाए और उनका नियमितीकरण कराया जाए, ताकि श्रमिक परिवारों को स्थायी आवास मिल सके। धरना प्रदर्शन में कांग्रेस नेता सुनील शर्मा, निर्दोष खटाना समेत कई सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से मामले में हस्तक्षेप कर श्रमिकों को राहत दिलाने की मांग की।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

राष्ट्रीय लोक अदालत 14 मार्च को, विभिन्न मामलों का होगा त्वरित निस्तारण

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनपद गौतमबुद्धनगर में आगामी 14 मार्च को जनपद मुख्यालय स्थित दीवानी न्यायालय तथा समस्त तहसील न्यायालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस लोक अदालत में दीवानी वाद, वैवाहिक एवं पारिवारिक विवाद, दाखिल खारिज एवं भूमि पट्टा संबंधी प्रकरण, बेगार श्रम से जुड़े मामले, शमनीय प्रकृति के फौजदारी वाद, बैंक ऋण प्रकरण, राजस्व व वन भूमि संबंधी मामले, भूमि अर्जन से जुड़े वाद तथा मोटर वाहन दुर्घटना मुआवजा दावों सहित विभिन्न प्रकार के मामलों का आपसी सुलह सहमति के आधार पर त्वरित और प्रभावी निस्तारण किया जाएगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिकतम वादों के त्वरित निस्तारण को सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जनपद न्यायाधीश गौतमबुद्धनगर अतुल श्रीवास्तव के निर्देशों के क्रम में अपर जिला जज/विशेष न्यायाधीश (एसटी एक्ट) एवं नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत सोमप्रभा मिश्रा की अध्यक्षता में न्यायालय सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में नोडल अधिकारी ने कहा कि आम नागरिकों को सरल, सुलभ और त्वरित न्याय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राष्ट्रीय लोक अदालत का नियमित आयोजन किया जाता है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे अपने अपने विभागों से संबंधित वादों का पूर्व चिन्हांकन कर समयबद्ध तैयारी सुनिश्चित करें, ताकि 14 मार्च को अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण संभव हो सके और नागरिकों को इसका अधिकतम लाभ मिल सके।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि उनके अधीन आने वाले सभी विभागों में लंबित वादों की अग्रिम पहचान कर त्वरित निस्तारण की तैयारी तत्काल शुरू की जाए। इसी क्रम में पुलिस व ट्रैफिक विभाग, एनपीसीएल, जिला लीड बैंक प्रबंधक, जिला पूर्ति विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों को भी व्यापक स्तर पर तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही यह भी कहा गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के लाभ को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए व्यापक प्रचार प्रसार अभियान चलाया जाए, जिससे अधिकाधिक वादकारी इस अवसर का लाभ उठाकर अपने मामलों का सौहार्दपूर्ण निस्तारण करा सकें। बैठक में सचिव (पूर्णकालिक) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवानी त्यागी, एडीसीपी (मुख्यालय) पूनम मिश्रा, एसीपी ट्रैफिक शकील मोहम्मद, मुख्य लेखा अधिकारी सुनील यादव, लेखाधिकारी सतीश चौहान, एएलडीएम, एनपीसीएल, जिला पूर्ति विभाग सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

डिलीवरी के बाद बेटा बताकर बेटी देने का आरोप, अस्पताल में हंगामा परिजनों ने मांगा डीएनए टेस्ट

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ देहात क्षेत्र स्थित एक निजी अस्पताल में डिलीवरी के बाद बच्चे को बदलने का आरोप लगाते हुए परिजनों ने जमकर हंगामा किया और मामले की निष्पक्ष जांच के साथ डीएनए टेस्ट कराने की मांग की है। पीड़ित पक्ष ने पुलिस को तहरीर भी दे दी है। जानकारी के अनुसार स्वर्ग आश्रम रोड स्थित शिवलोक कॉलोनी निवासी सोनू गर्ग ने बताया कि 9 मार्च की रात उनकी गर्भवती पत्नी चंचल को प्रसव पीड़ा होने पर स्वर्ग आश्रम रोड स्थित अखिल मेमोरियल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां देर रात ऑपरेशन के जरिए डिलीवरी कराई गई। परिजनों का आरोप है कि ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉ. उमा शर्मा ने उन्हें बताया कि उनके यहां बेटे का जन्म हुआ है। लेकिन मंगलवार को जब महिला को वार्ड में शिफ्ट किया गया और नवजात को दिखाया गया तो वह बेटा नहीं बल्कि बेटी थी। यह देखकर परिजन हैरान रह गए और उन्होंने अस्पताल प्रशासन से सवाल

जवाब शुरू कर दिए। परिजनों का कहना है कि डॉक्टर और अस्पताल स्टाफ से पूछताछ करने पर कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इससे नाराज परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया और आरोप लगाया कि अस्पताल की महिला डॉक्टर और स्टाफ ने गंभीर लापरवाही बरती है। परिवार के लोगों का कहना है कि जब उन्हें बच्चे के बदलने का शक हुआ तो उनके होश उड़ गए और उन्होंने तुरंत इसकी शिकायत पुलिस से की। परिजनों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच, डीएनए टेस्ट कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं महिला चिकित्सक डॉ. उमा शर्मा का कहना है कि महिला की डिलीवरी के बाद बेटी ही हुई है। अस्पताल के एक स्टाफ की गलती से परिजनों को गलत जानकारी दे दी गई, जिससे यह गलतफहमी पैदा हो गई। उन्होंने बताया कि परिजनों को अस्पताल की सीसीटीवी फुटेज भी दिखा दी गई है और वे डीएनए टेस्ट कराने के लिए भी तैयार हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और तहरीर के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

घर-घर कूड़ा संग्रहण की नई व्यवस्था शुरू, पालिका अध्यक्ष अरविंद संगल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किए वाहन

शामली (शिखर समाचार)। नगर पालिका के सौजन्य से मंगलवार को शहर में घर घर से कूड़ा उठाने की नई व्यवस्था का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर पालिका अध्यक्ष अरविंद संगल ने हरी झंडी दिखाकर कचरा वाहनों को रवाना किया। अब शहर में डोर टू डोर कूड़ा संग्रहण का कार्य अलीगढ़ की संस्था ग्रीन सिटी वेस्ट डिस्पोजल सर्विसेज द्वारा संचालित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान पालिका अध्यक्ष अरविंद संगल ने कहा कि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के उद्देश्य से घर घर कूड़ा संग्रहण व्यवस्था को और अधिक व्यवस्थित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस बार कूड़ा उठाने का कार्य ग्रीन सिटी वेस्ट डिस्पोजल सर्विसेज को सौंपा गया है, जो आधुनिक तकनीक के साथ यह सेवा प्रदान करेगी। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा कूड़ा संग्रहण के दौरान ऑनलाइन रसीद भी जारी की जाएगी, जिससे यह भ्रम समाप्त हो जाएगा कि किसी घर से महीने में दो बार शुल्क

लिया गया है। इसके साथ ही प्रत्येक घर का ऑनलाइन डाटा भी तैयार किया जाएगा, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि शहर के हर घर से नियमित रूप से कूड़ा एकत्रित हो रहा है या नहीं। पालिका अध्यक्ष ने चेतावनी देते हुए कहा कि जो लोग घर घर कूड़ा उठाने वाली गाड़ियों को कूड़ा देने के बजाय सड़कों, नालियों या सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और भारी जुमार्ना भी लगाया जाएगा। उन्होंने शहरवासियों से अपील की कि स्वच्छता बनाए रखने के लिए कूड़ा केवल डोर टू डोर कलेक्शन करने वाले कर्मचारियों को ही दें, ताकि शहर में गंदगी न फैले और स्वच्छ वातावरण बना रहे। इस दौरान उपस्थित लोगों को स्वच्छता और साफ सफाई बनाए रखने की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में ईओ विनोद कुमार सोलंकी, ब्रांड एंबेसडर प्रदीप सिंघल, सभासद रोबिन गर्ग, पंकज गुप्ता, गुलजान मंसूरी, अरविंद खटीक, रामनिवास सैनी, एसएफआई अनिल, लक्ष्मण, डायरेक्टर एहसान सैफी और मैनेजर मोहम्मद राशिद सहित अन्य लोग मौजूद रहें।

ग्रामीण व दूरस्थ क्षेत्रों में बेहतर नेटवर्क कनेक्टिविटी सुनिश्चित करें : अंशिका दीक्षित

बिजनौर (शिखर समाचार)। अपर जिलाधिकारी प्रशासन अंशिका दीक्षित की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय टेलीकॉम समिति (डीएलटीसी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने दूरसंचार कंपनियों के प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि जिले के ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में नेटवर्क कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कार्य शीघ्रता से पूरा किया जाए। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि जिन क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या अधिक है, वहां प्राथमिकता के आधार पर मोबाइल टावर या अन्य आवश्यक उपकरण स्थापित किए जाएं, ताकि आम जनता को बेहतर दूरसंचार सेवाएं मिल सकें। उन्होंने टेलीकॉम कंपनियों को जिले के शैडो एरिया (जहां नेटवर्क उपलब्ध नहीं है) को चिन्हित कर वहां जल्द से जल्द नेटवर्क सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने यह भी कहा कि जिले में 5जी सेवाओं के सुचारू विस्तार के लिए सरकारी भवनों और खंभों का उपयोग राइट ऑफ वे (आरओडब्ल्यू) नियमों के तहत किया जाए, जिससे दूरसंचार ढांचे का तेजी से विस्तार हो सके और लोगों को आधुनिक संचार सुविधाओं का लाभ मिल सके। बैठक में उप जिलाधिकारी सदर रितु रानी, नगर पालिका परिषद बिजनौर के अधिशासी अधिकारी विकास कुमार, संबंधित विभागों के अधिकारी, दूरसंचार कंपनियों के प्रतिनिधि तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

आईटीएस में यंग इंडिया मंथन सीरीज का दूसरा सत्र आयोजित, आईएफएस अधिकारी अनुज स्वरूप ने छात्रों से किया संवाद

गाज़ियाबाद (शिखर समाचार) आईटीएस मोहन नगर में यंग इंडिया मंथन सीरीज के दूसरे सत्र का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को शासन, प्रशासन और लोकसेवा से जुड़े प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों से संवाद का अवसर प्रदान करना है।

कार्यक्रम का शुभारंभ आईटीएस के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, मुख्य अतिथि एवं वक्ता क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी अनुज स्वरूप (आईएफएस), डायरेक्टर (पीआर) सुरेंदर सूद, यूजी कैंपस की प्रिंसिपल डॉ. नैंसी शर्मा, आईटीएस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के निदेशक डॉ. अजय कुमार तथा निदेशक डॉ. सुनील कुमार पांडेय ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

ह्ययंग इंडिया मंथन सीरीज की परिकल्पना आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के नेतृत्व में की गई है, जिसका उद्देश्य छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों के सफल पेशेवरों से संवाद का मंच

प्रदान करना है।

मुख्य वक्ता अनुज स्वरूप ने ट्रांजीशन फ्रॉम एस्पिरैंट टू एम्बेसडरः द एवोलूशन ऑफ एन इंडियन फॉरेन सर्विस ऑफिसर विषय पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने छात्रों को भारतीय विदेश सेवा अधिकारी बनने की प्रक्रिया, सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी और वैश्विक मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व करने से जुड़े अनुभवों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एक राजनयिक की भूमिका राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने, अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को मजबूत बनाने और विदेशों में भारतीय नागरिकों की सहायता करने में महत्वपूर्ण होती है।

इस अवसर पर अर्पित चड्ढा ने अनुज स्वरूप को शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा छात्रों से अनुभवी व्यक्तित्वों से सीख लेने और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के अंत में डायरेक्टर (पीआर) सुरेंदर सूद ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया। इस दौरान आईटीएस ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा, अकादमिक डीन डॉ. विदुषी सिंह, इवेंट कोऑर्डिनेटर डॉ. नीरजा आनंद, डॉ. वंचन त्रिपाठी, प्रो. नूपुर सिद्ध सहित अध्यापकगण और बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

महिला दिवस पर अस्मिता लीग में खेल प्रतिभाओं का जलवा

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं और बालिकाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया की अस्मिता लीग के अंतर्गत जिला खेल स्टेडियम मलकपुर (सूरजपुर) में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन माय भारत, गौतम बुद्ध नगर द्वारा खेल कार्यालय तथा शिक्षा विभाग के समन्वय से किया गया।

प्रतियोगिताओं में 100 मीटर, 200 मीटर और 400 मीटर दौड़, बैडमिंटन तथा रस्साकसी जैसी खेल गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें अंडर 13, 13 से 18 वर्ष और 18+ आयु वर्ग की बड़ी संख्या में बालिकाओं व महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। 100 मीटर दौड़ में अंडर 13 वर्ग में शिरीन, मिसबह और अल्फिजा, 13 से 18 वर्ग में अस्मा, आभा और भावना, जबकि 18+ वर्ग में मोनिका, आस्था और जानवी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विजेता स्थान प्राप्त किया। 200

मीटर दौड़ में संजना, मिजरह, शाहजहां, नयाशा, सोनी, भूमि, मोनिका, मानसी और सुहाना ने शानदार प्रदर्शन कर जीत दर्ज की। 400 मीटर दौड़ में आयशा, इकरा, अस्मीन, श्रेष्ठा, सोनिया, सेजल, मोनिका, ऋतिका और हर्षिता ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विजेता स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता के समापन पर सभी विजेता प्रतिभागियों को मेडल, प्रमाण पत्र और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर युवा कल्याण एवं पीआरडी अधिकारी महिपाल सिंह ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए और खेलों में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली महिला शिक्षिकाओं तथा महिला कोचों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान माय भारत के उप निदेशक शिवेंद्र सिंह ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए सभी को लीग में भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया और आयोजन को सफल बनाने में जिला खेल विभाग के सहयोग की सराहना की। इस अवसर पर फरमूद अख्तर, दिनेश, अंजुम, सुमित, विजय, बालचंद्र सहित कई गणमान्य व्यक्ति और खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार के लिए प्रचार वाहन रवाना

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। आगामी 14 मार्च 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार प्रसार के लिए जनपद न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर अतुल श्रीवास्तव ने प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह राष्ट्रीय लोक अदालत द्वितीय शनिवार को प्रातः 10 बजे से जनपद मुख्यालय और समस्त तहसील न्यायालयों में आयोजित की जाएगी kजनपद न्यायाधीश ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से विभिन्न प्रकार के मामलों का आपसी सहमति और समझौते के आधार पर निस्तारण किया जाएगा। इसके अंतर्गत मोटर दुर्घटना प्रतिकर अधिनियम से जुड़े मामले, वैवाहिक वाद, भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम के वाद, दीवानी वाद, एनआई एक्ट व ई-चालान के मामले, आर्बिट्रेशन वाद, लघु शमनीय वाद, एनआई एक्ट की धारा 138 के मामले, विद्युत अधिनियम के वाद और भू-राजस्व से जुड़े

मामलों का निस्तारण किया जाएगा। इसके अलावा सेवा संबंधी मामले, पेंशन के प्रकरण, श्रम विवाद, प्री-लिटिगेशन स्तर पर बैंक ऋण के मामले तथा विद्युत और बीएसएनएल के टेलीफोन बिल से जुड़े मामलों का भी आपसी समझौते के आधार पर निस्तारण किया जाएगा। जनपद न्यायाधीश ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे अपने लंबित मामलों के त्वरित और सुलभ निस्तारण के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। अधिक जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के ई-मेल dlsa.gbnnoida@gmail.com अथवा मोबाइल नंबर 9716535451 और 7678643985 पर संपर्क किया जा सकता है। इस अवसर पर पीठासीन अधिकारी एमएसीटी कोर्ट वत्सल श्रीवास्तव, अपर जिला जज प्रथम सुनील कुमार, अपर जिला जज/विशेष न्यायाधीश पोक्सो विकास नागर, अपर जिला जज षष्टम प्रतिक्षा नागर, अपर जिला जज/विशेष न्यायाधीश पोक्सो द्वितीय विजय कुमार हिमांशु, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवानी त्यागी, सिविल जज जू0डि0 अंकिता सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मां बेटे पर लाठी डंडों से हमला, भाई समेत तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र के समाधिपुर गांव में पारिवारिक विवाद के चलते मां और बेटे के साथ लाठी डंडों से मारपीट करने का मामला सामने आया है। हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। विरोध करने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार ने बताया कि समाधिपुर गांव निवासी कृष्ण अपने परिवार के साथ रहते हैं। सात मार्च को उनका भाई रवि उनकी मां के साथ मारपीट कर रहा था। मां को बचाने के लिए जब कृष्ण बीच बचाव करने पहुंचे, तो आरोप है कि रवि, चचेरे भाई मन्नू और चाचा संतोष ने मिलकर गाली गलौज करते हुए मां बेटे पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में दोनों को गंभीर चोटें आईं। इसके बाद घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ कोतवाली दादरी में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मिशन शक्ति मेला व सम्मान समारोह में बालिकाओं ने बिखेरा जलवा

शामली (शिखर समाचार)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर के बहुउद्देशीय हॉल में मिशन शक्ति मेला एवं सम्मान समारोह-2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी, जिला विद्यालय निरीक्षक ऐश्वर्या जायसवाल, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी लता राठौर तथा वित्त लेखाधिकारी जय प्रकाश ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम में मीना मंच के अंतर्गत विभिन्न विकास खंडों से आई छात्राओं और शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति कार्यक्रम ह्लऑपरेशन सिंदूरह्व ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया और कार्यक्रम में तालियों की गूंज सुनाई दी। इस अवसर पर मुख्य अतिथियों ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों तथा मीना मंच की सुगमकताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। अधिकारियों ने कहा कि आज बेटियां शिक्षा, खेल, स्वास्थ्य और सेना सहित हर क्षेत्र में आगे बढ़कर जिले और प्रदेश का नाम रोशन कर रही हैं। कार्यक्रम में जिला समन्वयक राहुल कुमार, जितेंद्र कुमार, एसआरजी सुनील कुमार, सचिन कुमार सहित एआरपी महिला टीम और बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

गुरु वशिष्ठ इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग का परिणाम शत प्रतिशत, विद्यार्थियों में खुशी

शामली (शिखर समाचार)। गुरु वशिष्ठ इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, शामली के बीएससी नर्सिंग प्रथम वर्ष (पहला सेमेस्टर) का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। संस्थान के सभी छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सफलता हासिल की, जिससे संस्थान में खुशी और उत्साह का माहौल है। संस्थान के प्रबंधन और शिक्षकगण ने विद्यार्थियों की इस सफलता पर उन्हें बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। संस्थान के निदेशक नीरज वशिष्ठ ने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और संस्थान में दी जा रही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का परिणाम है। उन्होंने बताया कि संस्थान का उद्देश्य केवल परीक्षा परिणाम तक सीमित नहीं है, बल्कि छात्रों को बेहतर नर्सिंग शिक्षा और सेवा भावना के साथ समाज के प्रति समर्पित बनाना भी है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी संस्थान विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करते हुए इसी प्रकार उत्कृष्ट परिणाम देने के लिए निरंतर प्रयास करता रहेगा। इस उपलब्धि के बाद विद्यार्थियों में काफी उत्साह देखा गया और सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी साझा की।

क्रिकेट मैच के विवाद में मारपीट, 17 लोगों पर केस दर्ज

रबूपुरा (शिखर समाचार)। रबूपुरा क्षेत्र के गांव नगला कंचन में क्रिकेट मैच को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। मामले में पुलिस ने मारपीट और गाली गलौज के आरोप में 17 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार गांव नगला कंचन निवासी आकाश ने शिकायत में बताया कि 3 मार्च को गांव में क्रिकेट मैच का फाइनल मुकाबला चल रहा था। मैच के दौरान दूसरे पक्ष के कुछ लोगों से कहासुनी हो गई थी। उस समय मौजूद लोगों ने दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत करा दिया था। आरोप है कि उसी दिन शाम को गांव चांदन निवासी भारतपाल, अमित, सुमित, ऋषि, धनेश, सुरेंद्र, मुकेश, राकेश, नीरज और नरेंद्र समेत कुल 17 लोग मुकेश के घर पहुंचे और गाली गलौज करने लगे। आरोपियों पर घर में मौजूद महिलाओं के साथ अभद्रता करने का भी आरोप लगाया गया है। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी डंडों और रॉड से हमला कर दिया, जिससे घर में मौजूद लोग घायल हो गए। पीड़ित की शिकायत के आधार पर पुलिस ने सभी 17 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

घेर में घुसकर चार लोगों ने परिवार पर बोला हमला, कई घायल

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर क्षेत्र के गांव कानीगढ़ी में एक व्यक्ति ने गांव के ही चार लोगों पर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव कानीगढ़ी निवासी रिंकू के अनुसार 1 मार्च की रात करीब 8 बजे वह अपने घेर में पशुओं को पानी पिला रहे थे। इसी दौरान गांव का ही राजेंद्र वहां पहुंचा और उनके साथ गाली-गलौज करने लगा। जब रिंकू ने इसका विरोध किया तो राजेंद्र ने अपने साथियों अमरपाल, महेश और प्रियंका पत्नी अमरपाल को बुला लिया।

आरोप है कि चारों ने मिलकर रिंकू के साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर जब रिंकू के चचेरे भाई प्रिंस, मां मुनेश और चाची अनीता मौके पर पहुंचे तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया।

पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

संपादकीय

ईरान युद्ध के साये में उलझती वैश्विक अर्थव्यवस्था : सोना, चांदी, तेल और गैस की नई भू राजनीतिक जंग

दुनिया की अर्थव्यवस्था आज एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, बल्कि बाजारों, संसाधनों और वित्तीय तंत्र के भीतर भी उनका प्रभाव गहराई तक दिखाई दे रहा है। पश्चिम एशिया में ईरान से जुड़ा तनाव और संभावित युद्ध की आशंकाओं ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को एक बार फिर अस्थिरता के दौर में धकेल दिया है। इस संघर्ष का असर केवल सैन्य मोर्चे तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा प्रभाव ऊर्जा बाजार, बहुमूल्य धातुओं और वैश्विक व्यापार पर भी पड़ रहा है। सोना, चांदी, कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस जैसे संसाधन इस समय वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था के केंद्र में आ गए हैं। परिणामस्वरूप दुनिया की कई बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अनिश्चितता और आर्थिक दबाव के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रही हैं।

इतिहास बताता है कि जब भी मध्य पूर्व में तनाव बढ़ता है, तो सबसे पहले वैश्विक ऊर्जा बाजार में हलचल दिखाई देती है। ईरान इस क्षेत्र का एक प्रमुख तेल उत्पादक देश है और विश्व की ऊर्जा आपूर्ति में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। यदि क्षेत्र में युद्ध की स्थिति बनती है या समुद्री मार्ग बाधित होते हैं, तो तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित होना लगभग तय माना जाता है। यही कारण है कि युद्ध की आशंका मात्र से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। तेल की कीमतें बढ़ने का सीधा असर दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ता है, क्योंकि परिवहन, उद्योग और ऊर्जा उत्पादन लगभग पूरी तरह इसी पर निर्भर करते हैं। जब तेल महंगा होता है तो महंगाई बढ़ती है, उत्पादन लागत बढ़ती है और अंततः इसका बोझ आम उपभोक्ता पर पड़ता है।

इसी के साथ सोना और चांदी जैसे बहुमूल्य धातुओं की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। वैश्विक अस्थिरता के दौर में निवेशक सुरक्षित निवेश के विकल्प तलाशते हैं और परंपरागत रूप से सोना इस भूमिका में सबसे भरोसेमंद माना जाता है। युद्ध की आशंकाओं और आर्थिक अनिश्चितता के कारण निवेशकों का रुझान सोने की ओर बढ़ रहा है, जिससे उसकी कीमतों में लगातार उछाल देखा जा रहा है। चांदी भी औद्योगिक और निवेश दोनों कारणों से महत्वपूर्ण धातु है, इसलिए उसकी कीमतों पर भी इसी अस्थिरता का प्रभाव पड़ रहा है। यह स्थिति वैश्विक वित्तीय बाजारों में असंतुलन पैदा कर रही है, क्योंकि जब निवेशक जोखिम भरे क्षेत्रों से पैसा निकालकर सुरक्षित धातुओं में निवेश करने लगते हैं, तो शेयर बाजार और अन्य निवेश क्षेत्रों में अस्थिरता बढ़ जाती है। ऊर्जा संसाधनों के साथ साथ प्राकृतिक गैस भी इस समय वैश्विक राजनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। यूरोप पहले ही रूस यूक्रेन संघर्ष के कारण गैस आपूर्ति संकट का सामना कर चुका है और अब यदि पश्चिम एशिया में नया संघर्ष गहराता है तो गैस बाजार भी प्रभावित हो सकता है। कई यूरोपीय देश वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की तलाश में लगे हुए हैं, लेकिन तत्काल समाधान मिल पाना आसान नहीं है। ऐसे में ऊर्जा सुरक्षा एक बार फिर वैश्विक कूटनीति का प्रमुख मुद्दा बन गई है। अमेरिका, यूरोप, चीन और भारत जैसे बड़े देशों को अपनी ऊर्जा जरूरतों और आर्थिक स्थिरता के बीच संतुलन साधना पड़ रहा है। इस पूरे परिदृश्य में सबसे अधिक चुनौती विकासशील देशों के सामने खड़ी हो रही है। इन देशों की अर्थव्यवस्था पहले से ही महंगाई, बेरोजगारी और विकास की धीमी गति जैसी समस्याओं से जूझ रही है। यदि तेल और गैस की कीमतें लगातार बढ़ती हैं, तो इन देशों के लिए आर्थिक संतुलन बनाए रखना कठिन हो जाएगा। आयात पर निर्भर देशों के व्यापार घाटे बढ़ सकते हैं और उनकी मुद्रा पर भी दबाव पड़ सकता है। इसके साथ ही खाद्य पदार्थों और आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ने से सामाजिक असंतोष की स्थिति भी पैदा हो सकती है।

~ मौलिक चिंतन ~

अभावों का बोझ आत्मबल की कमर तोड़कर रख देता है।

©
विनय संकोची

तीन साल में तीन आईसीसी ट्रॉफी: भारतीय क्रिकेट का स्वर्णिम दौर और खिलाड़ियों की मेहनत का ऐतिहासिक फल

कांतिलाल मांडोत

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल भारतीय क्रिकेट के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गया। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने केवल एक टूर्नामेंट नहीं जीता, बल्कि लगातार सफलता की ऐसी कहानी लिखी जिसने दुनिया को भारतीय क्रिकेट की ताकत का एहसास करा दिया। पिछले तीन वर्षों में तीन आईसीसी ट्रॉफी जीतना इस बात का प्रमाण है कि टीम इंडिया ने निरंतरता, आत्मविश्वास और सामूहिक मेहनत से सफलता का नया अध्याय रचा है।

भारत की इस शानदार जीत में बल्लेबाजों से लेकर गेंदबाजों तक सभी खिलाड़ियों का योगदान रहा। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 5 विकेट के नुकसान पर 255 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर भी बन गया। इतने बड़े लक्ष्य के सामने न्यूजीलैंड की टीम दबाव में आ गई और पूरी टीम 159 रन पर ही सिमट गई। इस प्रकार भारत ने न केवल जीत दर्ज की बल्कि टी-20 क्रिकेट में अपनी आक्रामक शैली का शानदार प्रदर्शन भी किया।

इस ऐतिहासिक जीत का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि भारत ने तीन साल के भीतर तीन आईसीसी ट्रॉफियां जीतने का कारनामा किया है। वर्ष 2024 में भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप जीतकर लगभग 17 वर्षों बाद इस खिताब को अपने नाम किया था। इसके बाद 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर टीम ने अपनी लय बरकरार रखी और अब 2026 में फिर से टी-20 वर्ल्ड कप जीतकर विश्व क्रिकेट में अपना दबदबा साबित कर दिया। लगातार दो बार टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारत पहली टीम बन गई है और यह उपलब्धि भारतीय क्रिकेट के स्वर्णिम दौर को दर्शाती है।

टीम इंडिया की सफलता के पीछे केवल प्रतिभा नहीं बल्कि खिलाड़ियों की कठिन मेहनत, अनुशासन और टीम भावना भी है। इस टूर्नामेंट में भारतीय बल्लेबाजों ने जिस आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की, उसने विरोधी टीमों के गेंदबाजों को लगातार दबाव में रखा। पूरे टूर्नामेंट में भारत ने 106 छक्के लगाए, जो किसी भी टी-20 वर्ल्ड कप के एक संस्करण में सबसे अधिक हैं। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि भारतीय टीम अब केवल तकनीकी रूप से मजबूत ही नहीं बल्कि आक्रामक क्रिकेट खेलने में भी सबसे आगे है।

इस शानदार प्रदर्शन में सबसे बड़ा योगदान रहा भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन का। संजू सैमसन ने पूरे टूर्नामेंट में 321 रन बनाए और भारत के लिए एक टी-20 वर्ल्ड कप संस्करण में सबसे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम था, जिन्होंने 2014 में 319 रन बनाए थे। संजू की बल्लेबाजी में आत्मविश्वास, आक्रामकता और जिम्मेदारी का अद्भुत संतुलन दिखाई दिया, जिसने भारत को कई कठिन मैचों में जीत दिलाई।

संजू सैमसन की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि उन्होंने बड़े मैचों में शानदार प्रदर्शन किया। सेमीफाइनल और फाइनल जैसे दबाव भरे मुकाबलों में भी उन्होंने अर्धशतक लगाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। पूरे टूर्नामेंट में उनका स्ट्राइक रेट लगभग 200 के आसपास रहा, जो टी-20 क्रिकेट के लिए बेहद प्रभावशाली माना जाता है। उनके इस शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया।

भारतीय टीम की बल्लेबाजी में इंसान किशन और अभिषेक शर्मा ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ईशान किशन ने पूरे टूर्नामेंट में 317 रन बनाए और कई मैचों में तेज शुरूआत देकर टीम को मजबूत आधार दिया। वहीं अभिषेक शर्मा ने फाइनल में केवल 18 गेंदों में अर्धशतक लगाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को पूरी तरह से दबाव में ला दिया।

टीम इंडिया की गेंदबाजी भी इस टूर्नामेंट में उतनी ही प्रभावशाली रही। भारतीय तेज गेंदबाज जशप्रीत बुमराह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट हासिल किए। फाइनल मैच में उन्होंने केवल 15 रन देकर 4 विकेट लिए और न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। उनकी सटीक लाइन-लेंथ और दबाव में शानदार गेंदबाजी ने भारत की जीत को आसान बना दिया। यही कारण है कि उन्हें फाइनल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया।

भारतीय टीम की सफलता में ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का योगदान भी बेहद महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया। हार्दिक ने 200 से अधिक रन बनाए और साथ ही महत्वपूर्ण विकेट भी हासिल किए। सेमीफाइनल में उनके ऑलराउंड प्रदर्शन ने भारत को इंग्लैंड के खिलाफ रोमांचक जीत दिलाई, जिसने टीम का आत्मविश्वास और भी मजबूत कर दिया।

फाइनल मुकाबले में शिवम दुबे की छोटी लेकिन विस्फोटक पारी भी बेहद अहम साबित हुई। जब भारत की पारी थोड़ी धीमी पड़ती दिखाई दे रही थी, तब शिवम दुबे ने अंतिम ओवरों में तेज रन बनाकर टीम का स्कोर 255 तक पहुंचा दिया। उनकी केवल 8 गेंदों में 26 रन की पारी ने न्यूजीलैंड के सामने बेहद मुश्किल लक्ष्य खड़ा कर दिया।

इस पूरी सफलता के पीछे टीम के कोच गौतम गम्भीर की रणनीति और मार्गदर्शन भी महत्वपूर्ण रहा। गंभीर पहले खिलाड़ी के रूप में बड़े फाइनल मैचों में शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं और अब कोच के रूप में भी उन्होंने टीम को सफलता दिलाई है। उनकी सोच, रणनीति और खिलाड़ियों पर विश्वास ने टीम को लगातार जीत दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई।

भारतीय टीम की इस जीत ने पूरे देश में उत्साह और गर्व का माहौल बना दिया। जीत के बाद देशभर में लोगों ने सड़कों पर उतरकर जश्न मनाया। कई जगहों पर आतिशबाजी हुई और लोग तिरंगा लेकर खुशी से झूमते नजर आए। यह जीत केवल खिलाड़ियों की नहीं बल्कि पूरे देश की जीत बन गई।

दरअसल, खेल केवल प्रतिभा का नहीं बल्कि मेहनत, धैर्य और टीम भावना का परिणाम होता है। भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार अभ्यास, फिटनेस और मानसिक मजबूती के साथ खुद को तैयार किया और कठिन परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी। यही कारण है कि उनकी मेहनत का फल अब लगातार जीत के रूप में सामने आ रहा है।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 की यह जीत केवल एक ट्रॉफी नहीं बल्कि भारतीय क्रिकेट के आत्मविश्वास और भविष्य की दिशा का प्रतीक है। यह सफलता आने वाली पीढ़ियों के खिलाड़ियों को प्रेरणा देगी कि अगर मेहनत, समर्पण और टीमवर्क के साथ खेला जाए तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता।

भारतीय क्रिकेट टीम ने इस जीत के साथ दुनिया को यह संदेश दे दिया है कि वह केवल मजबूत टीम ही नहीं बल्कि विश्व क्रिकेट की नई शक्ति बन चुकी है। खिलाड़ियों की मेहनत, कोच की रणनीति और करोड़ों भारतीयों के समर्थन ने मिलकर यह ऐतिहासिक सफलता संभव बनाई है। यही कारण है कि आज हर भारतीय गर्व से कह सकता है कि यह जीत मेहनत, विश्वास और सपनों की जीत है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

ईरान- भारत का मित्र या शत्रु ?

सौरभ वार्ष्णेय

अमेरिका -इजरायल-ईरान के बीच युद्ध चल रहा है। ऐसे में देश के अंदर बहस छिड़ी हुई है कि ईरान का विरोध किया जाए या समर्थन । वहीं देश में ईरान के मृत पूर्व लीडर अली खामेनेई की तस्वीर लेकर एक वर्ग समुदाय अपना दुख प्रगट कर रहा है। ऐसे में भारत ने भी ईरान के दूतावास जाकर कुछ दिन बाद जाकर अपनी श्रंद्वाजलि दुख प्रगट कर आया है। भारत और ईरान के संबंधों को यदि सरल शब्दों में समझा जाए, तो यह कहना अधिक उचित होगा कि ईरान न तो भारत का शत्रु है और न ही पारंपरिक अर्थों में सैन्य सहयोगी मित्र। बल्कि दोनों देशों के संबंध हितों, इतिहास और कूटनीति पर आधारित रणनीतिक साझेदारी के रूप में विकसित हुए हैं। ईरान भारत का शत्रु नहीं है, लेकिन पारंपरिक सैन्य मित्र भी नहीं है। वहीं संसद में भी विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी स्पष्ट कर दिया कि हमारी सरकार की प्रत्येक गतिविधियों पर नजर जारी है ताकि वर्तमान हालात पर नियंत्रण रहें। लेकिन सरकार अभी तक यह नहीं बता पाई कि इस युद्ध के पनपने वाली मंहगाई से कैसे निपटेगी। वर्तमान में कर्मशियल गैस पर अंकुश लग चुका है। घरेलू गैस पर संकट न आये तो सरका र क्या क्या कार्य रही है।

अगर हम ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध के बारे में पड़ताल करें तो पायेंगे कि भारत और ईरान के संबंध हजारों वर्षों पुराने हैं। प्राचीन काल से ही दोनों क्षेत्रों के बीच व्यापार, संस्कृति और भाषा का आदान-प्रदान होता आया है। फारसी भाषा का प्रभाव भी मध्यकालीन भारत की प्रशासनिक और सांस्कृतिक परंपराओं में भी दिखाई देता है। हमें ईतिहास में जाकर यह भी भूलना न होगा कि संघर्ष भी हुए, जैसे 1739 में ईरानी शासक नाडेर शाह ने भारत पर आक्रमण कर बैटल ऑफ करनाल में मुगलों को हराया था। लेकिन आधुनिक दौर में दोनों देशों के संबंध मुख्यतः सहयोग और कूटनीति पर आधारित रहे हैं।

अगर हम ऊर्जा और व्यापार में साझेदारी की बात करें तो भारत एक बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता देश है और ईरान तेल-गैस का बड़ा स्रोत रहा है। भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए ईरान महत्वपूर्ण माना जाता है। इसी संदर्भ में भारत ने ईरान के चाबाहार पोर्ट के विकास में निवेश किया है, जिससे भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुँच मिलती है और पाकिस्तान को बाईपास करने का रास्ता मिलता है।

ज्ञात रहे कि भारत -ईरान का रणनीतिक सहयोग रहा है और भारत और ईरान कई क्षेत्रों में सहयोग करते आये हैं। जैसे कि आतंकवाद और ड्रग तस्करी के खिलाफ सहयोग। अफगानिस्तान की स्थिरता में साझा हित, व्यापार और क्षेत्रीय संपर्क परियोजनाएं सहित अन्य कारणों से ईरान भारत के लिए रणनीतिक रूप से उपयोगी साझेदार माना जाता रहा है।

आज की अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भारत की नीति स्पष्ट है कि सभी देशों से संबंध रखना। किसी एक गुट में पूरी तरह शामिल न होना। अपने राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देना। इसलिए ईरान-इजरायल या ईरान-अमेरिका तनाव में भारत अक्सर तटस्थ रुख अपनाता है और शांति की अपील करता है।

वहीं पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक राजनीति के बदलते समीकरणों के बीच यह सवाल बार-बार उठता है कि क्या ईरान भारत का मित्र है या शत्रु। दरअसल अंतरराष्ट्रीय राजनीति में रिश्ते स्थायी दोस्ती या दुश्मनी के आधार पर नहीं बल्कि राष्ट्रीय हितों के आधार पर तय होते हैं। भारत और ईरान के संबंध भी इसी सिद्धांत पर चलते रहे हैं।

पश्चिम एशिया की राजनीति में ईरान लंबे समय से एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली देश रहा है। हाल के वर्षों में क्षेत्रीय संघर्ष, प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय दबावों के कारण ईरान वैश्विक चर्चा के केंद्र में बना हुआ है। खासकर अमेरिका और इजराइल के साथ उसके तनावपूर्ण संबंधों ने पूरे पश्चिम एशिया की स्थिरता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ईरान की विदेश नीति हमेशा से पश्चिमी देशों के प्रभाव का विरोध करने वाली रही है। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से ही अमेरिका और ईरान के रिश्तों में कड़वाहट बनी हुई है। अमेरिका द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों ने ईरान की अर्थव्यवस्था को काफी प्रभावित किया है, लेकिन इसके बावजूद ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम और क्षेत्रीय प्रभाव को बनाए रखने की कोशिश जारी रखी है।इजराइल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव भी वैश्विक चिंता का विषय बन चुका है। दोनों देशों के बीच सीधे युद्ध की स्थिति न होते हुए भी छद्म युद्ध और सैन्य गतिविधियाँ लगातार जारी हैं। यदि यह तनाव

खुली लड़ाई में बदलता है तो इसका असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा पर भी पड़ेगा। भारत के लिए भी ईरान का महत्व कम नहीं है। भारत और ईरान के बीच ऊर्जा, व्यापार और रणनीतिक सहयोग के संबंध रहे हैं। विशेष रूप से चाबहार बंदरगाह परियोजना भारत के लिए मध्य एशिया और अफगानिस्तान तक पहुंच का एक महत्वपूर्ण मार्ग है। हालांकि अमेरिका के प्रतिबंधों के कारण भारत को ईरान के साथ अपने संबंधों में संतुलन बनाए रखना पड़ता है। आज के समय में आवश्यकता इस बात की है कि ईरान और पश्चिमी देशों के बीच संवाद और कूटनीति को बढ़ावा दिया जाए। युद्ध और टकराव किसी भी समस्या का समाधान नहीं होते। यदि कूटनीतिक प्रयास सफल होते हैं तो न केवल पश्चिम एशिया में शांति स्थापित हो सकती है, बल्कि वैश्विक आर्थिक स्थिरता भी मजबूत हो सकती है।

नो स्मोकिंग डे: निकोटीन का जहर और समाज का मौन संकट

योगेश कुमार गोयल

तंबाकू और निकोटीन की लत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तंबाकू के कारण हर वर्ष लगभग 80 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। इनमें से करीब 70 लाख लोग सीधे धूम्रपान करने वाले होते हैं जबकि लगभग 12 लाख लोग ऐसे होते है, जो स्वयं धूम्रपान नहीं करते लेकिन दूसरों के धुएं के संपर्क में आने के कारण गंभीर बीमारियों का शिकार बन जाते हैं।

धूम्रपान मुक्त पीढ़ी ही है स्वस्थ भविष्य की बुनियाद...

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है लेकिन दुर्भाग्य से धूम्रपान और तंबाकू की लत इस अमूल्य धन को तेजी से नष्ट कर रही है। हर साल मार्च के दूसरे बुधवार को 'नो स्मोकिंग डे' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को धूम्रपान की आदत छोड़ने के लिए प्रेरित करना और समाज को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। इस वर्ष यह दिवस 11 मार्च को मनाया जा रहा है। यह एक ऐसा अवसर है, जब लोग अपने जीवन में एक नई शुरूआत कर सकते हैं और धूम्रपान मुक्त जीवन की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। हर वर्ष इस दिन एक विशेष थीम के साथ लोगों को तंबाकू से दूर रहने का संदेश दिया जाता है। इस वर्ष का संदेश है 'धूम्रपान से मुक्त जीवन की शुरूआत एक धूम्रपान-मुक्त दिन से होती है।' इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि कोई व्यक्ति केवल एक दिन भी धूम्रपान से दूरी बना ले तो वह आगे चलकर इसे पूरी तरह छोड़ने की दिशा में पहला कदम उठा सकता है।

तंबाकू और निकोटीन की लत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तंबाकू के कारण हर वर्ष लगभग 80 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। इनमें से करीब 70 लाख लोग सीधे धूम्रपान करने वाले होते हैं जबकि लगभग 12 लाख लोग ऐसे होते है, जो स्वयं धूम्रपान नहीं करते लेकिन दूसरों के धुएं के संपर्क में आने के कारण गंभीर बीमारियों का शिकार बन जाते हैं। यह स्थिति बताती है कि धूम्रपान केवल करने वाले व्यक्ति को ही नहीं बल्कि उसके आसपास रहने वाले परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। हाल के वर्षों में देखा गया है कि दुनिया के कई देशों में धूम्रपान करने वालों की संख्या में कमी आई है लेकिन इसके बावजूद चिंता का विषय यह है कि युवाओं और किशोरों में तंबाकू के उपयोग की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है।

वैश्विक रिपोर्टों के अनुसार 13 से 15 वर्ष की आयु के लगभग 3.7 करोड़ बच्चे किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन कर रहे हैं। ई-सिगरेट और अन्य नए निकोटीन उत्पादों ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। आकर्षक पैकेजिंग, फ्लेवर और डिजिटल मार्केटिंग के जरिए इन उत्पादों को युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाने की कोशिश की जा रही है। विज्ञापन प्रतिबंधों के बावजूद सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से युवाओं को लक्ष्य बनाकर प्रचार किया जाता है। इस कारण किशोरों में तंबाकू की लत तेजी से फैल रही है, जो भविष्य में गंभीर स्वास्थ्य संकट का रूप ले सकती है। तंबाकू के दुष्प्रभाव केवल कैंसर तक सीमित नहीं हैं। यह शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाता है। धूम्रपान फेफड़ों के कैंसर का प्रमुख कारण है और दुनिया में होने वाली फेफड़ों के कैंसर से लगभग 85 प्रतिशत मौतें धूम्रपान के कारण होती हैं। इसके अलावा तंबाकू हृदय रोग, स्ट्रोक, दमा, ब्रोंकाइटिस और कई अन्य श्वसन संबंधी बीमारियों को जन्म देता है। लंबे समय तक तंबाकू का सेवन करने से मुंह, गले, पेट, लीवर और आंतों के कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है।

तंबाकू की समस्या भारत में भी काफी गंभीर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के 25 करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन करते हैं। इनमें अधिकांश पुरुष हैं लेकिन महिलाओं में भी इसका उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। भारत में तंबाकू सेवन के कई रूप प्रचलित हैं, जैसे खैनी, गुटखा, पान मसाला, जर्दा और सुपारी के साथ तंबाकू का सेवन। इन उत्पादों की आसान उपलब्धता और कम कीमत के कारण लोग जल्दी इसकी लत के शिकार हो जाते हैं। विभिन्न शोधों में यह भी सामने आया है कि तंबाकू से होने वाली बीमारियों का इलाज बहुत महंगा होता है। यदि तंबाकू के उपयोग को नियंत्रित नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं पर इसका आर्थिक बोझ बहुत अधिक बढ़ सकता है। मुंह के कैंसर के मामलों में भारत पहले से ही दुनिया के कई देशों से आगे है और इसका मुख्य कारण तंबाकू तथा गुटखे का व्यापक उपयोग है।

धूम्रपान केवल शारीरिक ही नहीं, मानसिक और सामाजिक समस्याओं को भी जन्म देता है। तंबाकू की लत व्यक्ति को धीरे-धीरे निर्भर बना देती है। कई युवाओं में यह लत अवसाद, चिंता और आत्मविश्वास की कमी जैसी मानसिक समस्याओं को भी जन्म देती है। जब किशोरावस्था में यह आदत लग जाती है तो उसे छोड़ना बेहद कठिन हो जाता है और इसका प्रभाव उनके पूरे जीवन पर पड़ता है। धूम्रपान के खतरों को देखते हुए समाज में व्यापक जागरूकता की आवश्यकता है। सरकारों ने तंबाकू नियंत्रण के लिए कई कानून बनाए हैं, सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर प्रतिबंध लगाया है और तंबाकू उत्पादों पर चेतावनी संदेश भी अनिवार्य किए हैं। इसके बावजूद केवल कानून से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसके लिए सामाजिक जागरूकता और व्यक्तिगत संकल्प दोनों जरूरी हैं। पत्रकारिता के अपने लंबे अनुभव के दौरान मैंने नशे के दुष्प्रभावों पर व्यापक अध्ययन किया है। वर्ष 1993 में मेरी पुस्तक ह्यमौत को खुला निमंत्रणह्न प्रकाशित हुई थी, जिसमें तंबाकू और अन्य नशों से होने वाले भयानक परिणामों का विस्तार से उल्लेख किया गया था। उस समय भी यह चेतावनी दी गई थी कि यदि समाज ने समय रहते नशे के खिलाफ जागरूकता नहीं बढ़ाई तो इसके दुष्परिणाम आने वाली पीढ़ियों को भुगतने पड़ेंगे। आज तीन दशक बाद भी यह चिंता उतनी ही प्रासंगिक दिखाई देती है।

बहरहाल, नो स्मोकिंग डे हमें याद दिलाता है कि जीवन का हर पल अमूल्य है और इसे किसी भी तरह की लत के कारण बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए। धूम्रपान छोड़ना कठिन अवश्य है लेकिन असंभव नहीं। यदि व्यक्ति दृढ़ निश्चय कर ले और परिवार तथा समाज का सहयोग मिले तो वह आसानी से इस लत से मुक्त हो सकता है। आज जरूरत इस बात की है कि हम स्वयं भी धूम्रपान से दूर रहें और दूसरों को भी इसके खतरों के बारे में जागरूक करें। आखिरकार, एक स्वस्थ समाज की शुरूआत स्वस्थ व्यक्तियों से ही होती है। यदि हम तंबाकू से दूरी बनाकर जीवन को अपनाएं तो न केवल अपना स्वास्थ्य सुरक्षित रख सकते हैं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक बेहतर और सुरक्षित वातावरण तैयार कर सकते हैं। इसलिए इस नो स्मोकिंग डे पर संकल्प लें कि तंबाकू का साथ छोड़कर हर सांस को कीमती बनाएंगे और जीवन को स्वस्थ, सुरक्षित और खुशहाल बनाने की दिशा में कदम बढ़ाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

होली मिलन समारोह में हुई पुष्पवर्षा

अलीगढ़, एजेंसी। ऋषिपाल सिंह ने कहा कि होली मिलन समारोह से भाईचारा बढ़ता है। होली पर गले मिलकर एक-दूसरे से गिले शिकवे दूर किए जाते हैं। लोग इस बात को अमल में लाएं और गांव व परिवार में भाईचारा बढ़ाएं। हरेंद्र नागर और ज्ञानेंद्र सरधना ने रागिनी गाकर कार्यक्रम में लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान उपेंद्र पलावत, अंशू अग्रवाल, बिजौली प्रमुख उमेश यादव, बोधपाल सिंह, विश्वेंद्र चौधरी, राजीव अग्रवाल, धर्मेंद्र चौधरी, उमेश राघव, तपेश चौधरी, कमल अग्रवाल, अमित राघव आदि मौजूद रहे।

आगरा मेट्रो प्रोजेक्ट ने पकड़ी रफ्तार

आगरा एजेंसी। आगरा मेट्रो के दूसरे कॉरिडोर के तहत यमुना नदी पर बन रहे पुल का निर्माण तेज कर दिया गया है और पिलर बनाने के लिए एक और मशीन लगा दी गई है। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (यूपीएमआरसी) ने यमुना नदी पर बन रहे पुल का निर्माण तेज कर दिया है। एक मशीन और बढ़ा दी है। दिसंबर तक यह ट्रैक बनकर तैयार होगा। यमुना के पानी को एक ओर से निकासी के लिए रेत हटाकर रास्ता भी बना दिया है। यूपीएमआरसी के उप महाप्रबंधक पंचानन मिश्रा ने बताया कि दूसरा कॉरिडोर आगरा कैंट से कालिंदी विहार तक बन रहा है। इसमें यमुना नदी पर पुल बनाया जा रहा है। पिलर बनाने के लिए एक और मशीन बढ़ा दी है। अब तीन मशीनें कार्य कर रही हैं। दोनों ओर से पिलर बनाए जा रहे हैं। पिलर बनाने के कार्य को आसान करने के लिए यमुना के पानी को एक ओर से निकाला जा रहा है। इसके लिए रेत हटाकर रास्ता बनाया है, इससे पिलर बनाने का कार्य आसानी से हो रहा है। दिसंबर तक पुल तैयार होने के बाद दूसरे कॉरिडोर का निर्माण पूरा हो जाएगा। इससे लोगों को सुविधा मिलेगी। साथ ही भगवान टॉकीज से वाटर वर्क्स तक पिलर तेजी से बनाए जा रहे हैं। वाटर वर्क्स तक 5 से 7 पिलर बनाए जाने बाकी हैं। इनके लिए भी बैरिकेडिंग कर दी है।

फंदे पर लटकी मिली फौजी की लाश, होली पर छुट्टी लेकर आए थे घर

आगरा एजेंसी। आगरा के रोहता क्षेत्र में लेह में तैनात हवलदार उत्कर्ष सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने घटना को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई है, जिसके बाद पुलिस ने पैनल से पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक जांच कराई है। आगरा के थाना सदर के रोहता स्थित पीएस गार्डन के पास रह रहे फौजी की शनिवार को संदिग्ध हालात में मौत हो गई थी। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस अधिकारियों से शिकायत की। घटनास्थल की फॉरेंसिक जांच कराई गई। वीडियोग्राफी के साथ डॉक्टरों के पैनल ने पोस्टमार्टम किया है। गोरखपुर के बड़हलगंज निवासी उत्कर्ष सिंह (40) फौज में हवलदार थे। उनकी तैनाती लेह-लद्दाख में थी। वह सदर के रोहता में पीएस गार्डन के पास फ्लैट में पत्नी साधना और 10 वर्षीय बेटी के साथ पांच वर्ष से रह रहे थे। शनिवार सुबह पत्नी ने लोगों को पति के फंदे से लटकने की सूचना दी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। रविवार को उत्कर्ष के परिजन गोरखपुर से आगरा पहुंचे। पुलिस से मिले घटना के फोटो देखने के बाद उन्होंने मामला संदिग्ध माना। परिजन ने हत्या का शक जताया। थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और साक्ष्य के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। उत्कर्ष के परिजनों ने बताया कि औरैया निवासी साधना से शादी के बाद दोनों के बीच कम बनती थी। अक्सर विवाद होते रहते थे। पत्नी के दबाव में ही उन्होंने आगरा में फ्लैट खरीदा था। पत्नी अपनी बेटी के साथ रहती थी। छुट्टी के दौरान ही उत्कर्ष फ्लैट पर आते थे। वह होली पर 1 मार्च को छुट्टी लेकर आए थे। आत्महत्या के बाद पत्नी को 10 बजे तक जानकारी नहीं होना शक पैदा कर रहा है।

पुलिस मुठभेड़ में सेल्समैन का हत्यारोपी गिरफ्तार

कानपुर ब्यूरो। बिधनू में 25 फरवरी की देर रात भवानीपुर गांव के पास देसी शराब ठेके के सेल्समैन के साथी की हत्या करने के एक आरोपी को रविवार देर रात पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। दाहिने पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। पूछताछ में उसने तीन लोगों के हत्या में शामिल होने की बात कबूली है। बिधनू इंस्पेक्टर प्रदीप सिंह के अनुसार रविवार देर रात गश्त के दौरान पं. रामसनेही मिश्र मार्ग में लोहे के शटर पुल के पास एक संदिग्ध व्यक्ति को रुकने के लिए कहा गया। उसने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में दाहिने पैर में गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। उसे इलाज के लिए बिधनू सीएचसी लाया गया। पुलिस की पूछताछ में बदमाश ने अपना नाम फतेहपुर के मधौखी कल्याणपुर निवासी चांद बाबू बताया। उसने बताया कि 25 फरवरी को वह अपने साथियों अमित और शुभम के साथ शादी समारोह में जा रहे थे। देसी शराब ठेके में शराब देने से मना करने पर उसने अपने साथियों के साथ मिलकर डंडे से सेल्समैन पवन और उसके साथी उदय को पीटकर लहूलुहान कर दिया था। इसमें उदय की मौत हो गई थी। मालूम हो कि भवानीपुर गांव के नजदीक पं. रामसनेही मिश्र मार्ग में स्थित देसी शराब ठेके में फतेहपुर के चांदपुर कुलखेड़ा निवासी पवन तिवारी ठेके में सेल्समैन का काम करते हैं। भवानीपुर गांव निवासी उदय सिंह उर्फ बाबा (53) अक्सर शाम को मित्र से मिलने ठेके आ जाते थे।

1090 चौराहे पर फ्लाईओवर के निर्माण के लिए हरी झंडी

आईआईएम रोड से आने जाने में होगी सहूलियत

लखनऊ, एजेंसी। फ्लाईओवर की कुल लंबाई 2.02 किलोमीटर होगी। यह चार लेन का होगा जिस पर करीब 570 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। इस फ्लाईओवर के बनने से 1090 चौराहे से आवागमन आसान हो जाएगा और जाम की समस्या दूर होगी।

ग्रीन कॉरिडोर योजना के तीसरे चरण में गोमती नगर के बैकुंठधाम से ला मार्टिनियर तक फ्लाईओवर बनने का रास्ता साफ हो गया है। बसपा सरकार में बने स्मारकों और पार्कों के रखरखाव के लिए बनी प्रबंध समिति ने इसके लिए मंजूरी दे दी है। दरअसल, फ्लाईओवर के बीच में 1090 चौराहे के पास बना गोमती पार्क आ रहा था। ऐसे में स्मारक समिति की अनापत्ति जरूरी थी। इस फ्लाईओवर के बनने से 1090 चौराहे और समतामूलक चौक पर ट्रैफिक जाम की समस्या से लोगों को राहत मिलेगी।

अभी इन दोनों चौराहों पर लोगों को ट्रैफिक जाम में फंसना पड़ता है। यह फ्लाईओवर ग्रीन कॉरिडोर परियोजना का हिस्सा है। ऐसे में आईआईएम रोड से गोमती नगर तक सफर आसान हो जाएगा।

ग्रीन कॉरिडोर योजना के परियोजना प्रबंधक एके सेंगर ने बताया कि फ्लाईओवर बैकुंठधाम से शुरू होगा और लामार्ट बॉयज स्कूल तक बनेगा। इस फ्लाईओवर की कुल लंबाई 2.02 किलोमीटर होगी। यह चार लेन का होगा जिस पर करीब 570 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। इस फ्लाईओवर के बनने से 1090 चौराहे से आवागमन आसान हो जाएगा और जाम की समस्या दूर होगी।

इसका निर्माण दो वर्ष में पूरा करने लक्ष्य तय किया गया है। इसके लिए तीन महीने के अंदर टेंडर प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इस फ्लाईओवर के बनने से 1090 चौराहा पर कोई असर नहीं आएगा, क्योंकि यह फ्लाईओवर उसके पास से जाएगा, उसके ऊपर से नहीं।

ग्रीन कॉरिडोर के परियोजना प्रबंधक एके सेंगर का कहना है कि बैकुंठधाम से ला मार्टिनियर तक ग्रीन कॉरिडोर योजना के तहत फ्लाईओवर बनना है। एनओसी मिलने से इसका रास्ता साफ हो गया है। फ्लाईओवर बनने से 1090 चौराहे पर जाम की समस्या दूर हो जाएगी।

इन शर्तों के साथ मिली एनओसी- बैकुंठधाम से ला मार्टिनियर तक फ्लाईओवर के निर्माण के बीच में 1090 चौराहे के पास स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर गोमती पार्क, गोमती विहार खंड-1, 2 और 3 आ रहा है। यहां फ्लाईओवर के लिए पिलर का निर्माण प्रस्तावित है। इसके लिए पार्क और स्मारकों की प्रबंध समिति से एनओसी की आवश्यकता थी।

- इस संबंध में प्रमुख सचिव आवास की अध्यक्षता में 20 फरवरी को प्रबंध समिति की बैठक हुई। यहां एलडीए के मुख्य अभियंता ने योजना की रूपरेखा पेश की। प्रबंध समिति ने इसे जनहित का आवश्यक कार्य मानते हुए निर्माण के लिए निम्न शर्तों के साथ अनुमति दी है।
- निर्माण के दौरान पार्कों में स्थापित मूर्तियां इत्यादि क्षतिग्रस्त नहीं होनी चाहिए।
- पार्कों की हरियाली को भी एलडीए अपने खर्च पर दुरुस्त कराएगा।
- फ्लाईओवर के दायरे में जो जमीन आएगी, उसका स्वामित्व परिवर्तन और पार्कों के मूल स्वरूप में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा।

भारत की जीत पर जश्न में डूबे बरेली मंडल के लोग

जगह-जगह आतिशबाजी और लहराया तिरंगा; तस्वीरें

बरेली एजेंसी। अहमदाबाद में खेले गए टी-20 विश्व कप-2026 के फाइनल मुकाबले में भारत की जीत के साथ ही बरेली मंडल के क्रिकेट प्रेमी जश्न में डूब गए। जैसे ही न्यूजीलैंड का अंतिम विकेट गिरा वैसे ही जगह-जगह आतिशबाजी होने लगी। लोग तिरंगा लेकर सड़क पर निकल पड़े। भारत माता की जय के उद्घोष हर ओर सुनाई देने लगे। लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर बधाई दी और मिठाई बांटी।

फाइनल को लेकर बरेली जिले में पहले से भी खासा उत्साह था। शहर के कई इलाकों में लोगों ने बड़ी स्क्रीन और टीवी पर मैच देखने की व्यवस्था की थी। राजेंद्र नगर स्थित आवास विकास कॉलोनी के पार्क में बड़ी स्क्रीन लगाई गई थी। जैसे ही भारत की जीत तय हुई लोग खुशी से उछल पड़े।

भरतौल क्षेत्र में भी लोगों ने सामूहिक रूप से स्क्रीन लगाकर मैच देखा। जीत के बाद युवाओं ने ढोल बजाए और मिठाइयां बांटकर खुशी मनाई। कहीं जगह पर लोग तिरंगा लेकर निकल आए और जीत का जश्न मनाया। उत्साही क्रिकेट प्रेमियों की भीड़ के चलते शहर में जगह जगह जाम की स्थिति रहे।

समर्थकों ने जमकर अबीर-गुलाल उड़ाया। आतिशबाजी भी की गई। शहर के धर्म कांटा क्षेत्र, निजी मॉल और होटलों में भी लोग एक साथ बैठकर मैच देखते रहे। जीत के बाद वहां भी जश्न का माहौल बन गया। लोगों ने कहा कि यह जीत बेहद यादगार है और वर्षों तक क्रिकेट प्रेमियों के दिलों में बनी रहेगी।

क्रिकेटर पंकज यादव ने बताया कि अभिषेक शर्मा की फॉर्म का वापस आना बेहद सकारात्मक रहा। उनकी बल्लेबाजी ने टीम को मजबूत शुरुआत दी। ये जीत यादगार रहेगी। प्रशांत पांडेय, पूर्व क्रिकेटर संजू सैमसन और ईशान किशन की बेहतरीन पारियों की बदौलत टीम एक अच्छे स्कोर तक पहुंच सकी। भारत की इस शानदार जीत से बेहद खुशी हुई।

क्रिकेटर यश ने कहा कि जसप्रीत बुमराह ने दमदार गेंदबाजी की और मैच में अहम भूमिका निभाई। यह जीत आने वाली युवा पीढ़ी को खेल के प्रति प्रेरित करेगी। क्रिकेटर अभिजात तोमर ने कहा कि शिवम दुबे ने जिस तरह से आकर दमदार शॉट्स लगाए, वह देखने लायक था। पूरी भारतीय टीम को इस शानदार जीत के लिए शुभकामनाएं।

टी-20 विश्व कप जीत पर झूमी गोरक्षनगरी में भी जश्न.. छूटे पटाखे

गोरखपुर। टी-20 वर्ल्ड कप में मेजबान भारतीय क्रिकेट टीम की जीत का जश्न गांव की गलियों से लेकर शहर के चौक-चौराहों तक मना। एकतरफा फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम के विशाल स्कोर खड़ा करने के बाद से ही उल्लास दिखने लगा था। जगह-जगह पटाखे छोड़कर लोगों ने एक-दूसरे को जीत की बधाई दी।

फाइनल मुकाबले का रोमांच ऐसा था कि मैच शुरू होते ही सड़कों पर सन्नाटा पसरने लगा था। भारत की जीत तक क्रिकेट प्रेमी टीवी या मोबाइल के स्क्रीन से चिपके रहे। औपचारिक हो चुका मैच जैसे ही समाप्त हुआ, जीत का जश्न शुरू हो गया। भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने पहाड़ सा स्कोर खड़ा कर पहले ही जीत की आधारशिला रख दी थी। बचा हुआ काम गेंदबाजों ने पूरा किया।

यूपी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारी

आगरा एजेंसी। यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर आगरा में भाजपा-आरएसएस की समन्वय बैठक में चुनावी रणनीति पर मंथन हुआ। कानून व्यवस्था, विकास और हिंदुत्व के मुद्दों को लेकर कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर सरकार की उपलब्धियां बताने का होमवर्क दिया गया।

अगले साल प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसके लिए सभी दल तैयारियों में जुटे हुए हैं। शनिवार को भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की समन्वयक बैठक में जनता के मुद्दे, अपेक्षाओं और समाधान पर लंबी बैठक हुई। इसमें एक तरह से चुनाव की पटकथा तैयार हो गई है। कार्यकर्ताओं को होमवर्क मिल गया है।फतेहाबाद रोड स्थित अमर कन्वेंशन सेंटर में हुई समन्वयक बैठक में कानून व्यवस्था, विकास और हिंदुत्व के मुद्दे पर डेढ़ घंटे तक बैठक हुई। भाजपा-आरएसएस के पदाधिकारियों की ये उच्चस्तरीय छठवीं और अंतिम बैठक बताई जा रही है। इन बैठकों में प्रदेश के सभी जिलों से पदाधिकारियों ने जनता का इनपुट और समस्याओं के बारे में बताया। मुख्यमंत्री ने किए जा रहे कार्य और आगामी योजना के बारे में भी जानकारी दी। इन बैठकों के बाद कार्यकर्ता प्रदेश में बेहतर कानून व्यवस्था, मोदी-योगी राज में हो रहे विकास कार्य और प्रमुख बिंदु हिंदुत्व के भरोसे ही मैदान में उतरेगी।

इसके लिए कार्यकर्ताओं को होम वर्क मिला है। इसमें माफियाराज का खात्मा, बेहतर कानून व्यवस्था का हवाला देते हुए लोगों को योगी सरकार की उपलब्धियां बताई जाएंगी। शिक्षा, चिकित्सा, परिवहन समेत अन्य क्षेत्रों में किए गए विकास को भी जनता को बताया जाएगा। धर्मांतरण, अवैध मजार के जरिये अतिक्रमण के खिलाफ सख्ती बरतते हुए हिंदुत्व विचारधारा को धार दी जाएगी।

फंदे में लटका मिला घरेलू काम करने वाली किशोरी का शव

लखनऊ, एजेंसी। घटना के विरोध में परिजनों ने बालागंज चौराहे पर प्रदर्शन किया। पुलिस ने हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर मकान मालिक के बेटे को हिरासत में ले लिया है। बताया जा रहा है कि घटना के समय आरोपी का पूरा परिवार घ्रर में मौजूद था।

बालागंज रेलवे कॉलोनी में घरेलू काम करने वाली 14 वर्षीय किशोरी का शव रविवार को फंदे से लटका मिला। परिजनों ने दुष्कर्म के विरोध में किशोरी की हत्या का आरोप लगाया। परिजनों ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव को मायापुरम और बालागंज इलाके में सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया। पुलिस ने हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर मकान मालिक के बेटे को हिरासत में ले लिया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत का कारण हैंगिंग आया है। डॉक्टरों ने दुष्कर्म की जांच के लिए स्लाइड बनाई है और उसे परीक्षण के लिए भेजा गया है।

किशोरी मूल रूप से सीतापुर की रहने वाली थी। किशोरी के पिता के अनुसार, वह परिवार के साथ इलाके में झोपड़ी बनाकर रहते हैं। बेटी बीते एक वर्ष से बालागंज की रेलवे कॉलोनी में रहने वाले बोकारो स्टील प्लांट से रिटायर्ड बुजुर्ग के मकान में रहकर घरेलू काम करती थी। होली के मौके पर वह दो दिन के लिए घर आई थी। होली के बाद वह वापस काम पर चली गई। रविवार दोपहर बुजुर्ग की पत्नी ने फोन कर बताया कि किशोरी ने फंदा लगा लिया है। परिजन जब वहां पहुंचे तो बेटी का शव बेड पर पड़ा था।

बुजुर्ग की पत्नी ने बताया कि उन्होंने रविवार दोपहर किशोरी से ऊपर वाले कमरे में जाकर काम करने के लिए कहा था। काफी देर तक जब वह नहीं लौटी तो उन्होंने बेटे को ऊपर के कमरे में जाकर देखने के लिए कहा। वह जब वहां पहुंचा तो उसने किशोरी को पंखे से दुपट्टे के सहारे लटका देखा। मौके पर पहुंची पुलिस किशोरी को ट्रॉमा सेंटर ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पिता का आरोप है कि बेटी के गले और पैर में चोट के निशान हैं।

प्रदर्शन कर आरोपी पर कार्रवाई की मांग : शाम को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजन किशोरी का शव मायापुरम लेकर पहुंचे और सड़क पर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। घरवालों ने मकान मालिक के बेटे पर किशोरी के साथ गलत काम करने के विरोध में हत्या का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। परिजनों ने पुलिस पर भी शिकायत के बावजूद रिपोर्ट न दर्ज करने का आरोप लगाया। इसके बाद नाराज लोग किशोरी का शव लेकर बालागंज चौराहे पहुंच गए और चौराहे पर शव रखकर प्रदर्शन किया। इस दौरान यातायात ठप हो गया। पुलिस ने परिजनों की मांग पर मकान मालिक के बेटे के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है और पूछताछ कर रही है। डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव का कहना है कि सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।

कफ सिरप तस्करी के सरगना शुभम और विशाल के घर पर कुर्की का नोटिस चस्पा

वाराणसी , एजेंसी।

कफ सिरप की तस्करी मामले में सरगना शुभम जायसवाल और विशाल उपाध्याय के घर पर कुर्की की नोटिस चस्पा की गई है। न्यायालय से जारी नोटिस का तामिला कराने सोनभद्र एसआईटी की टीम वाराणसी और सहारनपुर पहुंची। वहां रविवार को आरोपियों के घर पर नोटिस चस्पा करते हुए मुनादी कराई गई। चेताया गया कि न्यायालय में तय तिथि पर उपस्थित न होने की दशा में दोनों आरोपियों से जुड़ी संपत्ति को कुर्क करने की कार्रवाई शुरू की जा सकती है।

बताते चलें कि पहली बार 18 अक्तूबर की रात कफ सिरप तस्करी की खेप पकड़ी गई थी। उसी के बाद पूरे प्रदेश में तस्करी

का रैकेट फैले होने का मामला सामने आया था। रॉबर्ट्सगंज कोतवाली में दर्ज मामले की छानबीन के दौरान पुलिस ने पाया कि शैली ट्रेडर्स के संचालक शुभम जायसवाल निवासी कायस्थ टोला प्रह्लाद घाट, वाराणसी और गाजियाबाद के सौरव त्यागी नेटवर्क से जुड़े विशाल उपाध्याय निवासी अशोक विहार कॉलोनी, सारसावा जिला सहारनपुर की तस्करी में अहम भूमिका थी। तस्करी का मामला उजागर होने के बाद जहां शुभम विदेश भाग निकला।

वहीं विशाल उपाध्याय भी अब तक पुलिस की पकड़ से बाहर है। उनकी फरारी को देखते हुए दिसबर के आखिरी सप्ताह में दोनों पर 25-25 हजार का इनाम घोषित किया गया था। वहीं शुभम के खिलाफ लुक आउट नोटिस भी जारी कराया जा चुका है। लगातार फरारी को देखते हुए पिछले दिनों न्यायालय ने भी कुर्की (धारा 84बीएनएसएस) की नोटिस जारी की। इसके बाद एसआईटी प्रभारी इंस्पेक्टर सदानंद राय की अगुवाई वाली टीम ने नोटिस के तामिला (आरोपियों के घर पर नोटिस चस्पा) करने की कार्रवाई की।

एसपी अभिषेक वर्मा के मुताबिक न्यायालय के आदेश के क्रम में पुलिस टीम भेजकर रविवार को दोनों आरोपियों के घर पर कुर्की की नोटिस चस्पा करा दी गई है। तय तिथि पर आरोपी उपस्थिति नहीं हुए तो उनसे जुड़ी चल-अचल संपत्ति के कुर्की की कार्रवाई शुरू हो सकती है।

यूपीसीडा 1400 करोड़ से पीलीभीत में बना रहा एबी मौरी फैक्ट्री

कानपुर एजेंसी। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण की ओर से पीलीभीत औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित हो रही 1400 करोड़ की एबी मौरी फैक्ट्री को उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। इस संबंध में यूपीसीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने रविवार को फैक्ट्री परिसर का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री के आगमन को देखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं।

नौकरी छोड़ खेतीबाड़ी में उतरे युवा, जैविक खेती से बदली तकदीर

बरेली। लाखों रुपये के पैकेज वाली नौकरियां छोड़कर युवा खेतों का रुख कर रहे हैं। पारंपरिक तरीके छोड़कर खेती-किसानी में नवाचार लाने वाले ये युवा लाखों रुपये की कमाई भी कर रहे हैं। इनसे प्रेरणा लेकर दूसरे युवा भी नई तकनीक से खेती के प्रति आकर्षित हो रहे हैं।

इसके बाद बैंक व नेशनल हॉर्टिकल्चर बोर्ड से सब्सिडी लेकर पॉली हाउस लगाया। बीज रहित खीरे का बीज पोलैंड से मंगाया। उन्होंने बताया कि 35 दिन के भीतर एक फसल तैयार हो जाती है। होटलों से संपर्क करके वह उपज की सीधी बिक्री भी कर रहे हैं। इससे अच्छा मुनाफा भी हो रहा है। उन्होंने बताया कि खेती से वह साल में सात से आठ लाख रुपये की बचत कर रहे हैं। दादाजी भी अपनी पारंपरिक खेती छोड़कर मेरे काम में शामिल होने लगे हैं।

राजकुमार ने लगाए पॉली हाउस

वहीं, रुहेलखंड विश्वविद्यालय के बॉटनिकल गार्डन में एक समय पर काम करने वाले युवा किसान राजकुमार ने भी कई विश्वविद्यालय की नौकरी छोड़ खेती शुरू की। वह बताते हैं कि उन्होंने भाइयों के साथ मिलकर अब तक चार पॉली हाउस लगाए हैं। यहां वह लाल व पीली शिमला मिर्च के साथ ही खीरा भी उगा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में काम करने के दौरान पौधों की देखभाल, कीड़ों से बचाव का प्रशिक्षण मिला। इसका फायदा अब मिलता है। इजरायली ड्रिप इरिगेशन

तकनीक से सिंचाई करके वह पानी की बचत भी कर रहे हैं। लागत भी घटी है।

लाल बहादुर ने स्थापित की मशरूम के बीज की प्रयोगशाला

फरीदपुर के गांव किर्सुरा के रहने वाले लाल बहादुर कई वर्षों से मशरूम की खेती कर रहे हैं। इससे पहले वह कई नौकरियां भी कर चुके हैं।

वह बताते हैं कि पहले हरियाणा व पंजाब के एक इंस्ट्रक्टर को बुलाकर ट्रेनिंग ली। बीज भी बाहर से मंगाया। करीब दो साल पहले मशरूम के बीज बनाने के लिए प्रयोगशाला स्थापित की। अब वह बीज का निर्यात भी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 1.5 टन मशरूम की पैदावार हो रही है। इससे करीब 25 लाख रुपये तक का मुनाफा हो रहा है।

7वीं बार घोड़ी चढ़ने की तैयारी में 55 साल के पिता, शादी रुकवाने के लिए थाने पहुंचा नाबालिग बेटा

आजमगढ़, एजेंसी। आजमगढ़ जिले में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां अपने 55 वर्षीय पिता पर सातवीं शादी की तैयारी करने का आरोप लगाते हुए नाबालिग बेटे ने थाने में तहरीर देकर रोक लगाने की मांग की है। बेटे ने पिता पर जमीन बेचने के लिए एडवांस पैसे लेने का भी आरोप लगाया है।

क्या है पूरा मामला

अहरौला थाना प्रभारी अमित कुमार मिश्रा ने बताया कि क्षेत्र के एक गांव निवासी नाबालिग बेटे ने थाने में तहरीर देकर अपने पिता पर सातवीं शादी करने का आरोप लगाया है। बेटे ने बताया है कि उसके 55 वर्षीय पिता अभी तक छह शादियां कर चुके हैं, अब सातवीं शादी करने की तैयारी में लगे हुए हैं। बेटे ने बताया है कि पिता ने मेरी मां से तीसरी शादी की थी, उसके पहले दो शादियां और कर चुके थे। अभी तक कुल छह शादियां कर चुके हैं। छठवीं शादी 2024 में की थी। छठवीं पत्नी कुछ दिन रहने के बाद जमीन अपने नाम करने की बात कहने लगीं। पिता ने जमीन उनके नाम नहीं की तो वह जेवर की मांग करने लगी। जब जेवर भी नहीं मिला तो वह कहीं अन्यत्र चली गई। अब पिता सातवीं शादी के लिए कुछ लोगों के संपर्क में है। उन्होंने सातवीं शादी करने का लालच दिया है। इसके लिए पिता ने बची हुई जमीन बेचने के लिए किसी से 50 हजार रुपये एडवांस में भी ले लिया है।

बेटे ने कहा कि इसके पहले पिता आधे से ज्यादा जमीन गिरवी रख चुके हैं। पिता का लिया गया कर्ज वह कई बार चुकता किया है। अभी वह 12वीं का छात्र है। पिता उसे जबरिया कमाने के लिए भेज दिए थे। अभी वह बाहर रहता है, लेकिन 12वीं की परीक्षा देने घर आया है। थानाध्यक्ष अमित कुमार मिश्रा ने बताया कि बेटे की तरफ से पिता पर लगाए गए आरोपों की जांच कर पिता को समझाने की कोशिश की जाएगी।

पंजाब में कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई पर अस्थायी रोक

- गैस की कमी का असर कई शहरों में भी देखने को मिला

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का असर अब भारत में रसोई गैस और कमर्शियल गैस की सप्लाई पर दिखाई देने लगा है। गैस निर्यात करने वाले देशों से आने वाली खेप में देरी हो रही है, जिसके कारण भारतीय बंदरगाहों पर गैस की डिलीवरी धीमी पड़ गई है। हालात को देखते हुए सरकार और सरकारी तेल कंपनियां फिलहाल घरेलू जरूरतों को प्राथमिकता दे रही हैं। इसी के तहत पंजाब में कमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति अस्थायी रूप से रोक दी गई है। इसमें 19 किलो, 47.5 किलो और 425 किलो के बड़े सिलेंडर शामिल हैं, जिनका इस्तेमाल आमतौर पर होटल, रेस्टोरेंट और उद्योगों में किया जाता है। साथ ही गैस एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं कि ग्राहक 25 दिन पूरे होने से पहले नया सिलेंडर बुक न करें। गैस की कमी का असर कुछ शहरों में भी देखने को मिला है। पुणे में गैस से चलने वाले शवदाह गृहों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा है, क्योंकि प्रोपेन और ब्यूटेन जैसी गैसों की आपूर्ति प्रभावित हुई है। इस बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तनाव बना हुआ है। डोनाल्ड ट्रम्प ने फ्लोरिडा में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि सैन्य अभियान जल्द समाप्त हो सकता है, लेकिन उन्होंने इसकी कोई निश्चित समयसीमा नहीं बताई। उन्होंने इरान

को चेतावनी दी कि अगर उसने स्ट्रेट आफ होर्मुज से तेल की आवाजाही रोकी तो अमेरिका कड़ी सैन्य कार्रवाई करेगा। उधर ईरान के अधिकारियों का कहना है कि युद्धविराम तभी संभव है जब देश पर आगे कोई हमला न हो। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार जारी हमलों में अब तक 1,255 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें 200 बच्चे और 11 स्वास्थ्यकर्मी शामिल हैं।

एलपीजी की आपूर्ति बंद हुई तो 5 लाख रेस्टोरेंट्स हो सकते हैं बंद

नई दिल्ली ।

देश में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की संभावित कमी को लेकर रेस्टोरेंट उद्योग ने चिंता जताई है। नेशनल रेस्टारेंट एसोशिएशन आफ इंडिया (एनआरएआई) ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर कमर्शियल एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। संगठन का कहना है कि यदि गैस की आपूर्ति बाधित होती है तो देशभर में बड़ी संख्या में रेस्टोरेंट बंद होने की स्थिति पैदा हो सकती है। एनआरएआई ने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप` सिंह पुरी को लिखे पत्र में कहा है कि रेस्टोरेंट उद्योग अपने दैनिक संचालन के लिए कमर्शियल एलपीजी पर पूरी तरह निर्भर है। ऐसे में आपूर्ति रुकने से कारोबार पर गंभीर असर पड़ेगा और आम लोगों के लिए भोजन की उपलब्धता भी प्रभावित हो सकती है।

कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति को लेकर यह चिंता ऐसे समय सामने आई है जब पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण कुछ क्षेत्रों

में गैस आपूर्ति प्रभावित होने की खबरें आ रही हैं। बताया जा रहा है कि कुछ सप्लायरों ने रेस्टोरेंट और होटलों को गैस की आपूर्ति रोक दी है, जिससे उद्योग में अनिश्चितता का माहौल बन गया है।

फरवरी में बीमा सेक्टर में तेजी, प्राइवेट कंपनियों की बाजार हिस्सेदारी बढ़ी

रिटेल एनुअल प्रीमियम इक्विवेलेंट में करीब 21 फीसदी की बढ़त

नई दिल्ली ।

फरवरी 2026 में बीमा सेक्टर में मजबूत तेजी देखने को मिली है। प्रीमियम कलेक्शन में बढ़ोतरी के साथ प्राइवेट बीमा कंपनियों ने बाजार में अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है। एक ब्रोकरेज फर्म की रिपोर्ट के अनुसार फरवरी में बीमा उद्योग का रिटेल एनुअल प्रीमियम इक्विवेलेंट (एपीई) सालाना आधार पर करीब 20.9 फीसदी बढ़ा। रिपोर्ट के मुताबिक इस वृद्धि में सरकारी बीमा कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कारपोरेशन आफ इंडिया का रिटेल एपीई 22.8 फीसदी बढ़ा, जबकि प्राइवेट बीमा कंपनियों की ग्रोथ लगभग 20.2 फीसदी रही। हालांकि रिटेल सेगमेंट में प्राइवेट कंपनियों की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 72.5 फीसदी हो गई, जो पिछले साल के मुकाबले करीब 165 बेसिस प्वाइंट ज्यादा है। कंपनियों के प्रदर्शन की बात करें तो मैक्स फायनेंशियल से विसेज ने फरवरी में करीब 28 फीसदी की सालाना बढ़त दर्ज करते हुए सबसे बेहतर प्रदर्शन किया। इसके बाद एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस का रिटेल एपीई 16.2 फीसदी बढ़कर 13.7 अरब रुपये हो गया। कंपनी का कुल एपीई 18.3 फीसदी बढ़ा और बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 17.7 फीसदी तक पहुंच गई। वहीं एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस का रिटेल एपीई 12.1 फीसदी बढ़कर 13.4 अरब रुपये हो गया और कंपनी की बाजार हिस्सेदारी करीब 10.9 फीसदी पर स्थिर रही। दूसरी ओर आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस का रिटेल एपीई लगभग 9.8 फीसदी बढ़ा। छोटे आधार पर केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस ने करीब 61 फीसदी की मजबूत सालाना वृद्धि दर्ज की।

घरेलू एलपीजी सिलेंडर बुकिंग नियम बदले, अब 25 दिन बाद ही होगा रीफिल

- मिडिल ईस्ट तनाव के बीच जमाखोरी रोकने के लिए सरकार का फैसला

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की री-फिल बुकिंग के नियमों में बदलाव किया है। अब उपभोक्ता एक सिलेंडर की डिलीवरी के बाद दूसरा सिलेंडर 21 दिन की बजाय कम से कम 25 दिन बाद ही बुक कर सकेंगे। सरकार का कहना है कि यह कदम सिलेंडरों की जमाखोरी और अनावश्यक बुकिंग को रोकने के लिए उठाया गया है। सरकारी सूत्रों के अनुसार पहले अधिकांश उपभोक्ता लगभग 50 से 55 दिनों में एक सिलेंडर बुक करते थे, लेकिन हाल के दिनों में कुछ लोग 15 से 20 दिन के भीतर ही दोबारा बुकिंग करने लगे थे। इससे अचानक मांग बढ़ने लगी थी और सप्लाई व्यवस्था पर दबाव पड़ रहा था। इधर मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और ईरान, इजरायल तथा अमेरिका के बीच जारी संघर्ष के कारण ऊर्जा आपूर्ति को लेकर भी चिंता बढ़ी है। इसी बीच देश की प्रमुख गैस कंपनियों ने कई जगहों पर कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सप्लाई सीमित या अस्थायी रूप से रोक दी है। 5, 19 और 425 किलोग्राम के जंबो कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति प्रभावित होने से होटल, रेस्टोरेंट और कई औद्योगिक इकाइयों में भी संकट की आशंका जताई जा रही है। हालांकि सरकार ने भरोसा दिलाया है कि घरेलू उपभोक्ताओं को गैस की आपूर्ति प्राथमिकता के आधार पर जारी रहेगी।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने आपूर्ति से जुड़े मुद्दों की समीक्षा के लिए बनाई समिति

नई दिल्ली ।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की किल्लत होने की वजह से होटल और रेस्तरां उद्योग में चिंता बढ़ने के बाद पेट्रोलियम मंत्रालय ने आपूर्ति से जुड़े मुद्दों की समीक्षा के लिए एक समिति गठित की है। मंत्रालय ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि रेस्तरां, होटलों और अन्य उद्योगों को एलपीजी आपूर्ति से संबंधित मांगों की समीक्षा के लिए तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के तीन कार्यकारी निदेशकों की एक समिति बनाई गई है। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण ईंधन आपूर्ति श्रृंखला पर बड़ा असर पड़ा है। ऐसे हालात में सरकार ने घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति को प्राथमिकता दी है, जिससे बाजार मूल्य वाले वाणिज्यिक एलपीजी का उपयोग करने वाले होटल एवं रेस्तरां को आपूर्ति संकट का सामना करना पड़ रहा है। भारत में सालाना करीब 3.13 करोड़ टन एलपीजी की खपत होती है। इसमें लगभग 87 प्रतिशत हिस्सा घरेलू रसोई गैस का है जबकि बाकी का उपयोग होटल, रेस्तरां और अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में होता है। देश की कुल एलपीजी जरूरत का करीब 62 प्रतिशत आयात से पूरा होता है। ईरान पर अमेरिका एवं इजराइल के संयुक्त हमले और फिर ईरान की जवाबी कार्रवाई के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल एवं गैस आयात प्रभावित हुआ है। इसी मार्ग से भारत को सऊदी अरब जैसे देशों से एलपीजी आयात का 85 से 90 प्रतिशत हिस्सा मिलता है। सरकार इस समय वैकल्पिक आपूर्ति स्रोत की तलाश कर रही है, लेकिन सीमित उपलब्धता के कारण घरेलू क्षेत्र को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे वाणिज्यिक प्रतिष्ठान प्रभावित हो रहे हैं। उद्योग सूत्रों के अनुसार इस आपूर्ति बाधा का असर मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों में दिखने लगा है, जहां होटल और रेस्तरां को रसोई गैस उपलब्ध कराने में मुश्किल हो रही है।

आरबीआई की गोल्डीलॉक्स स्थिति पर तेल संकट का खतरा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने फरवरी की मौद्रिक नीति बैठक में अर्थव्यवस्था को संतुलित या 'गोल्डीलॉक्स' स्थिति बताया था। कम महंगाई और मजबूत आर्थिक वृद्धि के संकेतों के कारण रीपो दर 5.25 फीसदी पर यथावत रखी गई। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति को अनुकूल बताया और संकेत दिया कि ब्याज दरें लंबी अवधि तक इसी स्तर पर रह सकती हैं। हालांकि, पश्चिम एशिया में युद्ध और कच्चे तेल की कीमतों में तेज वृद्धि से यह संतुलन खतरे में है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह भू-राजनीतिक झटका आरबीआई की मौद्रिक नीति पर असर डाल सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा ब्याज दरें तब तक स्थिर रहेंगी जब तक कोई बड़ा आर्थिक या वैश्विक झटका नहीं आता, यदि महंगाई तेजी से बढ़ती है तो ब्याज दरों में अपेक्षा से पहले वृद्धि संभव है। फरवरी की समीक्षा में आरबीआई0 ने अपनी तटस्थ नीति बरकरार रखी, जो मौजूदा स्थिति पर नजर रखने और प्रतीक्षा की रणनीति को दर्शाती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि आने वाले समय में ब्याज दरों के निर्णय डेटा और वैश्विक घटनाओं पर आधारित सावधानीपूर्ण रणनीति के तहत लिए जाएंगे।

देश के 6 बड़े बैंकों ने एफडी रेट्स में बदलाव किया

मुंबई ।

देश के छह बड़े बैंकों ने 6 मार्च से फिक्स डिपाजिट की ब्याज दरों में बदलाव किया है। एचडीएफसी बैंक ने 6 मार्च 2026 से नई एफडी दरें लागू की हैं। सामान्य ग्राहकों के लिए ब्याज दरें 2.75 से 6.50 फीसदी तक हैं, जबकि सीनियर सिटीजन 3.25 से 7 फीसदी तक ब्याज पा सकते हैं। खास बात यह है कि 3 साल 1 दिन से 4 साल 7 महीने की अवधि वाली एफडी पर बैंक ने 6.50 फीसदी ब्याज दर लागू की है। कुछ अन्य पीरियड में दरों में कटौती भी की गई है। यश बैंक ने 5 मार्च से 3 करोड़ रुपये से कम की एफडी पर नई दरें लागू की हैं। सामान्य ग्राहकों के लिए यह 3.25 से 7 फीसदी और सीनियर सिटीजन के लिए 3.75 से 7.75 फीसदी तक है। सबसे अधिक रिटर्न 36 महीने से कम और 60 महीने से कम की अवधि वाली एफडी पर मिलता है। बंधन बैंक में सामान्य ग्राहकों को 2.95 से 7.25 फीसदी और सीनियर सिटीजन को 3.70 से 7.75 फीसदी तक ब्याज मिलेगा। इंडियन बैंक की स्पेशल 300 दिन की एफडी योजना में सामान्य ग्राहक 7.05 और सीनियर सिटीजन 7.55 फीसदी तक रिटर्न पा सकते हैं। सर्वोदय स्माल फायनेंस बैंक में 5 साल की एफडी पर सामान्य ग्राहकों को 7.90 फीसदी और सीनियर सिटीजन को 8.10 फीसदी तक ब्याज मिलता है। इक्विटीज स्माल फायनेंस बैंक में भी सीनियर सिटीजन 8 फीसदी तक कमा सकते हैं, जबकि सामान्य ग्राहकों के लिए दरें 3.50 से 7.40 फीसदी के बीच हैं।

वैश्विक अस्थिरता के कारण घबराने की जरूरत नहीं: सेबी चेयरमैन

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने निवेशकों से कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और वैश्विक अस्थिरता के कारण घबराने की जरूरत नहीं है। पांडेय ने बताया कि युद्ध के कारण प्रमुख समुद्री मार्गों में व्यवधान और तेल-गैस की आपूर्ति पर असर पड़ा है, जिससे वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव आया है। उन्होंने जोर दिया कि भारत के घरेलू फंडामेंटल मजबूत हैं, जो निवेशकों को स्थिरता प्रदान कर रहे हैं। उनका संदेश था कि इस समय निवेशकों को शांत रहकर दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। पांडेय ने कहा कि निफ्टी 50 सूचकांक ने लगभग 11 फीसदी सालाना चक्रवृद्धि वृद्धि दर्ज की है और इसकी शुरुआत से अब तक लगभग 25 गुना वृद्धि हुई है। वर्तमान में 40 से अधिक एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) निफ्टी 50 को ट्रैक करते हैं, जिससे निवेशकों के लिए शेयर बाजार में भागीदारी आसान और किफायती हो गई है। उन्होंने कहा कि निफ्टी 50 अब कॉरपोरेट इंडिया का दर्पण, निवेशक भावना का बैरोमीटर और बाजार की दिशा का मार्गदर्शक बन चुका है। पांडेय ने बताया कि भारत की अगली पीढ़ी की कंपनियां आज के शुरुआती उद्योगों से उभरेंगी। जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था बढ़ेगी और वैश्विक वित्तीय प्रणालियों से जुड़ाव बढ़ेगा, बाजार बड़े, जटिल और नए अवसरों से भरपूर होंगे। इससे निवेशकों के लिए नए अवसर पैदा होंगे और उन्हें नई जिम्मेदारियां भी निभानी होंगी। एनएसई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एक्सचेंज इस महीने निवेश बैंकरों की नियुक्ति कर अपनी बहुप्रतीक्षित आईपीओ की तैयारी कर रहा है। सेबी ने कम फ्लोट के साथ आईपीओ की अनुमति दे दी है, जिससे संभावित देरी का समाधान हो गया।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 639, निफ्टी 233 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर से ईरान से जुड़े संघर्ष के जल्द समाप्त होने की संभावना वाले बयान के साथ ही दुनिया भर के बाजारों से अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी बढ़ने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 639.82 अंक बढ़कर 78,205.98 । वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 233.55 उछलकर 24,261.60 के स्तर पर बंद हुआ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड) की कीमतों में गिरावट से भी बाजार को बल मिला। ब्रेंट क्रूड करीब 5 फीसदी से अधिक गिरकर लगभग 93.83 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इससे पहले यह तीन साल के उच्च स्तर पर पहुंच गया था जिससे बाजार नीचे आया था। वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि तेल की कीमतों में एक ही दिन में आये अंतर से साफ है कि पश्चिम एशिया में तेजी से हालात बदल रहे हैं।

सेंसेक्स के 30 में से 24 शेयर तेजी के साथ बंद हुए। महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में सबसे ज्यादा 3.67 फीसदी तेजी। इसी तरह इंडिगो, एशियन पेंट्स और मारुति के शेयर भी दो फीसदी से अधिक चढ़ गए। दूसरी ओर इन्फोसिस, इटरनल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, टीसीएस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में गिरावट रही।

ब्रॉडर बाजार में निफ्टी मिडकैप में 1.62 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप में 2.12 फीसदी तेजी आई। निफ्टी ऑटो में सबसे ज्यादा तेजी रही। निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी फाइनेंशियल

सर्विसेज में भी तेजी आई पर लेकिन निफ्टी आईटी इंडेक्स में सबसे ज्यादा गिरावट आई। निफ्टी ऑयल एंड गैस भी गिरावट के साथ बंद हुआ।

आज एशियाई बाजारों में भी बढ़त रही। दक्षिण कोरिया का कोस्पी करीब 5 फीसदी जबकि जापान का निक्केई 2.5 फीसदी उछला। वहीं चीन के शंघाई कंपोजिट और हांगकांग के हैंग सेंग में भी बढ़त रही। अमेरिकी बाजारों में भी पिछले सत्र में मजबूती रही

इससे पहले आज सुबह बाजार ने मजबूती के साथ कारोबार की शुरुआत की। कारोबार की शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स मजबूती के साथ 78,375 अंक पर खुला। इससे पहले सोमवार को यह 77,566 अंक पर बंद हुआ था। इसी तरह निफ्टी 50 भी बढ़त के साथ खुला। निफ्टी 24,280 अंक पर खुला और खुलते ही 24,300 अंक के स्तर को पार कर गया।

मुंबई के रेस्टोरेंट संकट में कमर्शियल एलपीजी की कमी

मुंबई । मुंबई में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की अचानक कमी के कारण शहर के होटल और रेस्टोरेंट संकट में हैं। गैस आपूर्ति में रुकावट के चलते लगभग 20 फीसदी होटल और रेस्टोरेंट पहले ही बंद हो चुके हैं। जो रेस्टोरेंट अभी खुले हैं, वे केवल अपने पुराने बचे हुए एलपजी स्टॉक के भरोसे काम कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि अगर अगले दो दिनों में गैस आपूर्ति सामान्य नहीं हुई, तो शहर के लगभग 50 फीसदी होटल बंद हो सकते हैं। हालांकि एसोसिएशन ने कोई सामूहिक बंद करने का आधिकारिक फैसला नहीं लिया है। रेस्टोरेंट को खुला रखने या बंद करने का निर्णय व्यक्तिगत मालिकों और उनकी जगह पर गैस स्टॉक की उपलब्धता पर निर्भर करेगा। हर होटल अपनी सुविधा और आपूर्ति के अनुसार ही निर्णय ले रहा है।

श्रीलंका की सीलोन पेट्रोलियम ने पेट्रोल और डीजल के दामों में बढ़ोतरी की

नई दिल्ली। श्रीलंका की सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन ने पेट्रोल और डीजल के दामों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। नई कीमतों के अनुसार ऑटो डीजल अब 303 रुपए प्रति लीटर (22 रुपये की वृद्धि) और सुपर डीजल 353 रुपए प्रति लीटर (24 रुपए की बढ़ोतरी) हो गया है। पेट्रोल में भी इजाफा हुआ है, 92 ऑक्टेन पेट्रोल 24 रुपए बढकर 317 रुपये प्रति लीटर और 95 ऑक्टेन पेट्रोल 25 रुपए बढ़कर 365 रुपए प्रति लीटर हो गया। केरोसिन का दाम बढ़कर 195 रुपये प्रति लीटर (प्लस 13) हुआ है। सरकारी कंपनी के साथ-साथ लंका आईओसी ने भी समान अनुपात में दाम बढ़ाए हैं। पाकिस्तान में कच्चे तेल की सप्लाई बाधित होने के कारण हाल ही में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 55 रुपये की बड़ी बढ़ोतरी हुई। अब पेट्रोल 321.17 रुपये और डीजल 335.86 रुपये प्रति लीटर हो गया है। इससे पहले 1 मार्च को पेट्रोल और डीजल की कीमत में क्रमशः 8 और 5 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी।

फ्लिपकार्ट की 15 साल बाद भारत वापसी, मेगा आईपीओ की तैयारी

सिंगापुर छोड़ अब पूरी तरह भारतीय हो जाएगी कंपनी

नई दिल्ली । वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने अपनी होल्डिंग कंपनी का स्थायी पता सिंगापुर से भारत में स्थानांतरित कर लिया है। यह कदम संभावित प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले कॉर्पोरेट ढांचे को सरल बनाने और पूरी तरह भारतीय कंपनी के रूप में अपने विकास को अगले चरण में ले जाने की रणनीति का हिस्सा है। भारत सरकार से आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद यह कानूनी प्रक्रिया पूरी हुई। चीन की प्रमुख टेक कंपनी टेनसेंट की फ्लिपकार्ट में 5-6 फीसदी हिस्सेदारी है। इस अल्पांश विदेशी निवेश के लिए प्रेस नोट 3 मंजूरी जरूरी थी, जिसे सरकार ने हाल ही में दे दिया। विशेषज्ञ मानते हैं कि हाल में चीन से जुड़े निवेश मामलों में नीति में ढील का संकेत भी इस मंजूरी में सहायक रहा। सूत्रों के अनुसार फ्लिपकार्ट अपने आईपीओ के लिए 2026 के अंत या 2027 में बाजार में उतर सकती है। अनुमानित मूल्यांकन 35-50 अरब डॉलर के बीच है। कंपनी अपने आईपीओ से पहले 1-2 अरब डॉलर जुटाने पर भी विचार कर सकती है। इसके लिए गोल्डमैन सैक्स, मॉर्गन स्टैनली और जेपी मॉर्गन जैसी प्रमुख निवेश बैंकों के साथ शुरुआती चर्चा हुई है। फिलपकार्ट के भारत में मुख्य प्रतिस्पर्धी एमेजॉन, रिलायंस जियोमार्ट और टाटा ई-कॉमर्स

हैं। हाल ही में कंपनी ने अपने बोर्ड को मजबूत किया और परिचालन को दुरुस्त किया। फिक्की और डेलॉयट की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का ई-कॉमर्स बाजार 2030 तक 325 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है, जिसकी सालाना वृद्धि दर 21 फीसदी अनुमानित है। फ्लिपकार्ट के प्रवक्ता ने कहा कि यह पुनर्गठन भारत सरकार से मिली मंजूरी के तहत हुआ है और अब फ्लिपकार्ट इंटरनेट प्राइवेट लिमिटेड समूह की होल्डिंग कंपनी बनेगी। उन्होंने कहा कि यह कदम भारत के प्रति कंपनी की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है और फ्लिपकार्ट के लिए विकास का अगला चरण शुरू करता है।

चीन का निर्यात 2026 की शुरुआत में 22 फीसद बढ़ा

- दिसंबर 2025 में निर्यात केवल 6.6 फीसदी बढ़ा था

हांगकांग । चीन का निर्यात जनवरी-फरवरी 2026 में सालाना आधार पर लगभग 22 फीसदी बढ़ गया, जो अर्थशास्त्रियों के अनुमान से अधिक है। दिसंबर 2025 में निर्यात केवल 6.6 फीसदी बढ़ा था। इस वृद्धि के बावजूद, अमेरिका को निर्यात में गिरावट दर्ज की गई है, जो लगभग 27 फीसदी कम हुई। यूरोप और लैटिन अमेरिका जैसे क्षेत्रों में निर्यात में बढ़ोतरी ने इस गिरावट को संतुलित किया।वहीं, चीन का आयात जनवरी-फरवरी में लगभग 20 फीसदी बढ़ा, जबकि दिसंबर में यह सिर्फ 5.7 फीसदी था। यह संकेत करता है कि घरेलू मांग मजबूत बनी हुई है। चीन आम तौर पर इन दो महीनों के व्यापार आंकड़े एक साथ जारी करता है ताकि चंद्र नववर्ष के मौसमी प्रभाव का समायोजन किया जा सके। जनवरी-फरवरी 2026 में चीन का वैश्विक व्यापार अधिशेष 213.6 अरब डॉलर रहा। पिछले वर्ष, 2025 में चीन का व्यापार अधिशेष लगभग 1.2 लाख करोड़ डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। हालांकि निर्यात की वृद्धि अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक है, चीन की संपत्ति क्षेत्र में मंदी और आर्थिक दबाव जारी है। इस कारण, चीन ने 2026 के लिए आर्थिक वृद्धि लक्ष्य 4.5-5.0 फीसदी तय किया है, जो 1991 के बाद सबसे कम है।

टी20 विश्व कप : 131 करोड़ से भी खुश नहीं भारतीय क्रिकेटर, कहा- इससे भी बड़ी इनामी राशि की उम्मीद थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2026 में भारत की ऐतिहासिक जीत के बाद Board of Control for Cricket in India (BCCI) ने भारतीय टीम के लिए 131 करोड़ रुपये की इनामी राशि की घोषणा की है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया। हालांकि इस बड़ी घोषणा के बावजूद पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि टीम की उपलब्धि को देखते हुए इनाम की राशि और अधिक होनी चाहिए थी।

बीसीसीआई ने किया 131 करोड़ रुपये के इनाम का ऐलान

टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद बीसीसीआई ने भारतीय टीम और सपोर्ट स्टाफ के लिए कुल 131 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि की घोषणा की। भारतीय क्रिकेट में यह इनाम हाल के वर्षों में घोषित की गई सबसे बड़ी रकमों में से एक माना जा रहा है। बोर्ड ने यह फैसला टीम के शानदार प्रदर्शन और ऐतिहासिक उपलब्धि को सम्मान देने के लिए लिया। इस जीत ने न केवल खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया, बल्कि भारतीय क्रिकेट की ताकत को भी एक बार फिर दुनिया के सामने साबित किया।

हरभजन सिंह को थी और ज्यादा उम्मीद

इनामी राशि की घोषणा के बाद पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि टीम की उपलब्धि को देखते हुए उन्हें इससे भी बड़ी इनामी राशि की उम्मीद थी। हरभजन का मानना है कि जब कोई टीम इतने बड़े मंच पर शानदार प्रदर्शन करती है और इतिहास रचती है, तो उसे मिलने वाला पुरस्कार भी उसी स्तर का होना चाहिए।हालांकि उन्होंने भारतीय टीम के प्रदर्शन की खुलकर तारीफ की और कहा कि खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में दबदबा बनाकर दुनिया को दिखा दिया कि भारतीय क्रिकेट कितनी मजबूत स्थिति में है।

भारत की ऐतिहासिक जीत

टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल भारतीय क्रिकेट के लिए बेहद यादगार रहा। भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारतीय टीम कई नए रिकॉर्ड बनाने में सफल रही। भारत अपनी धरती पर टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाला पहला देश बन गया। इसके अलावा भारत टी20 वर्ल्ड कप का खिताब लगातार दो बार जीतने वाली पहली टीम भी बन गया।

तीसरी बार जीती टी20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी

इस जीत ने भारत को टी20 वर्ल्ड कप इतिहास की सबसे सफल टीमों में शामिल कर दिया। भारतीय टीम ने इससे पहले 2007 और 2024 में भी यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीती थी। 2026 में मिली जीत के साथ भारत तीन बार टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम बन गया। यह उपलब्धि भारतीय क्रिकेट के लिए बेहद गर्व का विषय है और इससे टीम की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है।

अर्शदीप के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन के लिए कार्रवाई कर सकती है आईसीसी

–फाइनल में कीवी बल्लेबाज की ओर फेंकी थी गेंद

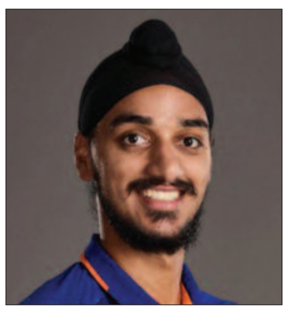

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पर आचारसंहिता उल्लंधन के लिए कार्रवाई कर सकती है। अर्शदीप ने टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल की ओर आक्रामक अंदाज में गेंद फेंकी थी जिससे शिकायत मिचेल ने अंपायर से भी की थी। आईसीसी ने इस घटना को गंभीरता से लिया है।

फाइनल मैच के दौरान अर्शदीप ने अपने दूसरे ओवर के दौरान गेंद को आक्रामक अंदाज में मिचेल की ओर फेंक दिया। यह गेंद सीधे मिचेल के कंधे पर जाकर लगी। इस घटना के बाद कुछ समय के लिए मैदान पर तनाव का माहौल बन गया। मिचेल इस घटना से नाराज नजर आए और उन्होंने इसकी शिकायत अंपायर से शिकायत की। दोनों खिलाड़ियों के बीच स्थिति तनातनी बढ़ती देखकर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को बीच में आना पड़ा। उन्होंने किसी प्रकार से मामले को हल कराया। यह मामला आईसीसी आचार संहिता के तहत जांच के दायरे में आ सकता है। अगर किसी खिलाड़ी द्वारा बल्लेबाज की ओर खतरनाक तरीके से गेंद फेंकी जाती है, तो इसे खेल भावना के विपरीत माना जाता है। ऐसे मामलों को आमतौर पर लेवल-1 अपराध की श्रेणी में रखा जाता है। ऐसे में यदि अर्शदीप दोषी पाए जाते हैं, तो उन पर मैच फीस का अधिकतम 50 फीसदी तक जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके साथ ही उनके खाते में एक या दो नकारात्मक अंक पॉइंट भी जोड़े जा सकते हैं।

आईसीसी के नियमों के अनुसार, अगर किसी खिलाड़ी के खाते में 24 महीनों के भीतर चार नकारात्मक अंक जमा हो जाते हैं, तो उन्हें निलंबन का सामना करना पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में खिलाड़ी को एक टेस्ट मैच या दो सीमित ओवरों के मैचों के लिए प्रतिबंधित किया जा सकता है। इसलिए खिलाड़ियों के लिए मैदान पर अनुशासन बनाए रखना चाहिये। मैच खत्म होने के बाद अर्शदीप ने खेल भावना दिखाते हुए मिचेल से माफी मांग ली। मिचेल ने भी उनकी माफी स्वीकार कर ली, जिससे मामला मैदान पर शांत हो गया। इसके बावजूद आईसीसी इस पूरे घटनाक्रम की समीक्षा कर सकता है और जरूरत पड़ने पर नियमों के अनुसार कार्रवाई कर सकता है।

कृष्णा नागर को राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप में दोहरी सफलता

हैदराबाद । पैरालंपिक चैंपियन कृष्णा नागर ने मंगलवार को यहां सातवीं सीनियर राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप के एसएच 6 वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक जीते। कृष्णा ने पुरुषों के एकल एसएच 6 फाइनल में सुदर्शन एमएस को 21–10, 21–19 से हराकर खिताब अपने नाम किया। कृष्णा ने इसके बाद मिश्रित एसए 6 वर्ग में नित्या श्री सुमति सिवन के साथ मिलकर अपना दूसरा स्वर्ण पदक मेडल जीता। इस जोड़ी ने सुदर्शन एमएस और श्रेया कुमारी को 21–7, 21–11 से हराया। एसएच 6 पैरा बैडमिंटन में छोटे कद के खिलाड़ियों के लिए एक वर्ग है जो आमतौर पर बौनेपन जैसी स्थिति के कारण होता है।

आईसीसी ने वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से पहले इंग्लैंड की स्वदेश वापसी पर दी सफाई

–एयरस्पेस की उपलब्धता के आधार पर हुआ फैसला

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने टी20 विश्वकप के लिए भारत पहुंची वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से पहले इंग्लैंड के स्वदेश लौटने पर लगे भेदभाव के आरोपों को गलत बताते हुए कहा है कि इसके पीछे एयरस्पेस और उड़ानों की उपलब्धता बड़ा कारण रही है। गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध के कारण हवाई यातायात प्रभावित होने से 20 विश्व कप 2026 क्रिकेट टूर्नामेंट के दौरान कुछ टीमें भारत में ही फंस गयी थी। इनमें वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के अलावा इंग्लैंड की टीम भी शामिल थी। 1 मार्च को भारत के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेलने वाली वेस्टइंडीज और 4 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल हारने वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम काफी समय भारत में ही फंसी रही जबकि 5 मार्च को भारत के खिलाफ सेमीफाइनल हारने वाली इंग्लैंड इनसे पहले स्वदेश लौट गयी। इससे विवाद खड़ा हो गया है और वेस्टइंडीज व दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) पर भेदभाव का आरोप लगा दिया है। इन टीमों ने इंग्लैंड के जल्दी स्वदेश लौटने पर सवाल उठ रहे हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी आईसीसी पर खास ध्यान देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, इस स्थिति में सभी टीमों के साथ एक जैसा व्यवहार होना चाहिए। आईसीसी टेबल पर किसी टीम का ताकतवर होना अहम नहीं होना चाहिए।

वहीं इस मामले में आईसीसी ने अपनी सफाई देते हुए कहा कि उसने किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया। रवाना होने के क्रम पर फैसले सिर्फ एयरस्पेस की उपलब्धता, एयरक्राफ्ट रूटिंग अनुमति, वीजा की जरूरतों और सुरक्षा को ध्यान में रखकर लिए गये। यह कहना कि टीमों को इन बाधाओं के अलावा किसी और वजह से प्राथमिकता दी गई है, सही नहीं है।

अब ओलंपिक स्वर्ण जीतना रहेगा लक्ष्य : सूर्यकुमार

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि अब उनकी टीम का लक्ष्य 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना रहेगा। सूर्यकुमार ने कहा कि है भारतीय टीम की जीत का राज आक्रामक रवैया अपनाना है। सूर्यकुमार ने कहा कि साल 2024 में मिली जीत के बाद से ही टीम आक्रामक अंदाज में खेलती आई है। सूर्या ने कहा कहा कि टी20 विश्वकप में टीम की जीत का रात एकजुट होकर खेलना रहा है। सूर्यकुमार ने कहा कि टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में बाधाएं आईं थीं पर , टीम ने सभी को हटाते हुए धीरे-धीरे लय पकड़ी और पूरे टूर्नामेंट में प्रभावी प्रदर्शन किया। सूर्यकुमार ने कहा कि पिछले एक महीने का सफर बेहद शानदार रहा है, हालांकि शुरुआत वैसी नहीं हुई जैसी हम चाहते थे पर खेल में ऐसा ही होता है। इस पूरे सफर में एक टीम के रूप में हमने काफी कुछ सीखा है। ऐसे में अब अगला लक्ष्य निश्चित रूप से ओलंपिक है, और उसके बाद होने वाला टी20 विश्व कप रहेगा।

सूर्या ने कहा कि पिछले विश्वप के बाद से ही टीम ने अधिक आक्रामक और आधुनिक शैली अपनाई, जिससे हमें बड़े टूर्नामेंटों में लगातार अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2024 के बाद सब कुछ बदल गया। हमने 2024 में एक अलग तरह का क्रिकेट खेला और वहीं से हमें समझ आया कि इस टीम को आगे कैसे बढ़ना है, कैसे खेलना है। और तब से यह एक शानदार सफर रहा है।सूर्यकुमार ने बताया कि टीम का मनोबल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में मिली सफलता से बढ़ा जिससे उसकी रणनीति सही साबित हुई और इसके बाद से ही ये सिलसिला बढ़ता गया है। । उन्होंने आगे कहा कि हमने 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जब जीती थी तब अलग तरह से क्रिकेट खेला और वहीं 2026 की जीत खास अंदाज में दर्ज की है।

इसलिए इस सिलसिले को बनाये रखना चाहिये।

इरफान पठान ने भारतीय टीम सफलता का श्रेय कोच और कप्तान को दिया

अहमदाबाद । पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि भारतीय टीम अभी विश्व की सीमित ओवरों के प्रारुप की सबसे अच्छी टीम है। पठान ने कप्तान सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि इन दोनो ने ही टीम को यहां तक पहुंचाया है। पठान के अनुसार भारतीय टीम की लगातार सफलता के का मजबूत नेतृत्व और मार्गदर्शन है। उन्होंने कहा कि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम बेहद आत्मविश्वास के साथ खेल रही है। वहीं गंभीर ने खिलाड़ियों को सही भूमिका देकर टीम को संतुलित बनाया है।

पठान ने यह भी कहा कि गंभीर की सबसे बड़ी खासियत उनकी विनम्रता है। वे टीम की सफलता का श्रेय हमेशा खिलाड़ियों और सहायोगी स्टाफ को देते हैं, जिससे टीम का माहौल सकारात्मक बना रहता है और खिलाड़ी खुलकर प्रदर्शन करते हैं। पठान के अनुसार टीम निडर होकर खेलती है, कोच और कप्तान अपने खिलाड़ियों का समर्थन भी करते हैं। टीम कठिन फैसले भी लेती है।

चीनी ताइपे के खिलाफ हार के साथ भारत एएफसी महिला एशियाई कप से बाहर

सिडनी (एजेंसी)। खराब फॉर्म से जूझ रही भारतीय टीम मंगलवार को यहां एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप चरण के अपने आखिरी मैच में चीनी ताइपे से 1–3 से हारकर बाहर हो गई। भारतीय टीम को मौकों का फायदा उठाने में नाकाम रहने की भारी कीमत चुकानी पड़ी। मैच के बड़े हिस्से में हावी रहने और कई मौके बनाने के बावजूद भारतीय टीम को मौकों को भुनाने में नाकामी का खामियाजा भुगतना पड़ा और टीम पहली बार मेरिट के आधार पर इस बड़े टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने के बाद जल्दी बाहर हो गई। भारत के लिए एकमात्र गोल मनीषा कल्याण ने 39वें मिनट में किया। इस विंगर ने लगभग 30 यार्ड की दूरी से दमदार शॉट लगाकर गोल दागा। चीनी ताइपे ने 12वें मिनट में बढ़त बनाई जब वाईएच सु ने गोल दागा। भारतीय गोलकीपर एलांगबाम पंथोई चानू विरोधी खिलाड़ी जेडब्ल्यू चेन को रोकने के लिए आगे बढ़ीं। चेन ने हालांकि चानू को छकाते हुए गेंद सु को दी जिन्होंने इसे गोल में पहुंचा दिया। भारत ने मनीषा के गोल से स्कोर बराबर किया लेकिन मध्यांतर से ठीक पहले (45+नौवें मिनट) वाईवाई सू का शॉट पोस्ट के कोने से टकराया और फिर चानू टकराकर गोल में चला गया। यह तब हुआ जब प्यारी खाखा ने बॉक्स के अंदर गेंद को हाथ लगा दिया और रैफरी ने 'हैंडल्ड द बॉल' के लिए पेनल्टी किक दी। चीनी ताइपे के लिए 77वें मिनट में यू चिन चेन ने तीसरा गोल दाग। भारत इससे पहले वियतनाम और जापान से हार चुका था और टूर्नामेंट के अगले चरण में पहुंचने के लिए उसे चीनी ताइपे को कम से कम दो गोल से हराना था और वियतनाम पर जापान की जीत की उम्मीद करनी थी। जापान ने वियतनाम को 4–0 से हराया।

मौजूदा इंडियन वेल्स चैंपियन की शर्मनाक हरकत, हार के बाद तोड़ा रैकेट, दर्शकों पर भी चिल्लाई

इंडियन वेल्स (कैलिफोर्निया) । मौजूदा चैंपियन मीरा एंड्रीवा ने बीएनपी परिबास इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के तीसरे दौर में हारने के बाद अपना रैकेट कई बार पटका और फिर दर्शकों पर चिल्लाती हुई कोर्ट से बाहर चली गई। एंड्रीवा गैर वरीयता प्राप्त कैटेरीना सिनियाकोवा से 4–6, 6–7(5), 6–3 से हार गई। मैच के दौरान भी उनका व्यवहार अच्छा नहीं रहा और हारने के बाद वह अपना आपा खो बैठी। दूसरे सेट का टाईब्रेकर हारने के बाद एंड्रीवा ने अपना रैकेट फेंक दिया और फिर उसे तोड़ दिया जो नियमों का उल्लंघन था। उन्होंने मैच प्वाइंट के बाद अपना रैकेट फिर से फेंक दिया। वह सिनियाकोवा से हाथ मिलाने के लिए नेट पर गई। इसके बाद एंड्रीवा दर्शकों की ओर इशारा करते और चिल्लाते हुए कोर्ट से बाहर चली गई। एंड्रीवा ने बाद में कहा, 'मैं अपने व्यवहार से वास्तव में खुश नहीं हूं। मैंने आखिर में जो कुछ किया उस पर मुझे गर्व नहीं है। यह ऐसी चीजें हैं जिन पर मुझे वास्तव में जल्द से जल्द काम करने की जरूरत है।'

टी20 विश्वकप इतिहास में पांड्या सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बने, युवराज दूसरे नंबर पर खिसके

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराराउंडर हार्दिक पांड्या ने एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। पांड्या टी20 विश्वकप इतिहास में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। पांड्या ने अब तक विश्वकप में कुल 34 छक्के लगाये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के नाम था। युवराज ने कुछ 3 छक्के लगाये थे। अब पांड्या टी20 विश्वकप में मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए सबसे अधिक छक्के लगाने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं युवराज दूसरे नंबर पर फिसल गये हैं। पांड्या ने इस बार विश्वकप में कुल 15 छक्के लगाये है। इससे पहले खेले गये टी20 विश्व कप में पांड्या ने कुल 19 छक्के लगाये थे। ये छक्के उन्होंने नंबर 4 से नंबर 7 तक बल्लेबाजी करते हुए लगाये थे। इस तरह कुल 34 छक्के उन्होंने मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए लगाये हैं। ये किसी भी बल्लेबाज के नंबर 4 से लेकर नंबर 7 के बीच सबसे ज्यादा छक्के हैं। इस सूची में 33 छक्कों के साथ युवराज दूसरे स्थान पर हैं। वहीं इस सूची में तीसरे नंबर पर ग्लेन मैक्सवेल हैं, जिन्होंने 28 पारियों में 32 छक्के मध्यक्रम में लगाये हैं। वहीं सूर्यकुमार के नाम 31 छक्के हैं और वह चौथे नंबर पर हैं जबकि दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर ने 28 छक्के लगाकर पांचवे नंबर पर हैं।

महिला हॉकी विश्व कप क्वालीफायर : भारत को सेमीफाइनल में जगह के लिए ड्रॉ की जरूरत

हैदराबाद(एजेंसी)। भारत को एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप क्वालीफायर के सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पूल चरण के अपने अंतिम मैच में बुधवार को यहां वेल्स के खिलाफ कम से कम ड्रॉ हासिल करने की कोशिश करनी होगी। भारत फिलहाल पूल बी में दो मैचों में चार अंकों के साथ शीर्ष पर है। दूसरे स्थान पर मौजूद स्कॉटलैंड के भी चार अंक हैं, लेकिन भारत का गोल अंतर बेहतर है। प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी और भारत को अगर-मगर के बिना अंतिम चार में पहुंचने के लिए ड्रॉ या जीत की आवश्यकता होगी।

भारतीय टीम इस मुकाबले में अगर हार का सामना करती है तो उसके चार अंक ही रहेंगे और उसका क्वालीफिकेशन स्कॉटलैंड और उरुग्वे के बीच होने वाले मैच पर निर्भर करेगा। भारतीय महिला टीम का अब तक का अभियान शानदार रहा है। उसने आठ मार्च को उरुग्वे पर 4-0 की बड़ी जीत के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत की और फिर सोमवार को स्कॉटलैंड के खिलाफ कड़े संघर्ष के बाद 2-2 से ड्रॉ खेला।

युवा फॉरवर्ड सुनेलिता टोप्पो बेहतरीन फॉर्म में हैं और उन्होंने दोनों मैचों में गोल किए हैं। अग्रिम पंक्ति की खिलाड़ी लालरेम्सियामी, नवनीत कौर और रुतुजा दादासो पिसाल ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल दागे हैं और गोल करने के कई मौके बनाए हैं। भारतीय रक्षापंक्ति भी मजबूत रही है। गोलकीपर बिचु देवी ने लगातार महत्वपूर्ण बचाव किए हैं। हैदराबाद में अपने घरेलू दर्शकों के उत्साह से भरे माहौल में खेलने से मेजबान टीम को जबरदस्त ऊर्जा मिली है। भारतीय कप्तान सलीमा टेटे अब तक टीम के प्रदर्शन से संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा, 'शुरुआती दो मैचों के बाद टीम में सकारात्मक माहौल है। युवा खिलाड़ी मौके का पूरा फायदा उठा रहे हैं और शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। टीम बेहतरीन तरीके से खेल रही है और यह हमारे लिए बहुत अच्छी बात है।' टेटे ने कहा, 'हम विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना चाहते हैं और चैंपियन बनना चाहते हैं। जब टीम एक साथ होती है तो हम इसी बारे में बात करते हैं और यही हमारा लक्ष्य है।'

वेल्स के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड शानदार है। भारत ने दोनों देशों के बीच छह मुकाबलों में से पांच में जीत दर्ज की है। वेल्स हालांकि इस टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज करने के लिए कड़ी टक्कर देगा, इसलिए भारत को अति आत्मविश्वास से बचते हुए एकाग्रता के साथ खेलना होगा। इस टूर्नामेंट की शीर्ष तीन टीमें इस साल के अंत में बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी। दिन के अन्य मैचों में इंग्लैंड ऑस्ट्रिया से, इटली कोरिया से और स्कॉटलैंड उरुग्वे से भिड़ेगा।

पाकिस्तान के कोच हेसन बोले, बांग्लादेश दौरे पर इस कारण युवाओं को दिये अधिक अवसर

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कोच कोच माइक हेसन ने कहा है अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्कप को देखते हुए युवा प्रतिभाओं को अवसर देने के लिए ही बांग्लादेश दौरे पर अधिक से अधिक युवाओं को शामिल किया गया है पर इसका मतलब ये नहीं निकाला जाना चाहिये कि अनुभवी खिलाड़ियों को बाहर कर दिया गया। हेसन के अनुसार बाबर आजम, साइम अयूब, नसीम शाह जैसे सीनियर खिलाड़ियों को इस दौरे से बाहर रखने को टी20 विश्व कप में खराब प्रदर्शन से नहीं जोड़ा जाना चाहिये। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जाने लगा था कि पाकिस्तान के विश्वकप में खराब प्रदर्शन की गाज अनुभवी खिलाड़ियों पर गिरी है। हेसन ने कहा कि पाक टीम को युवा प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें निखारने के बहुत कम अवसर मिले हैं, इसलिए हमें लगा कि बांग्लादेश दौरे में युवाओं को उतारना चाहिये। हेसन ने कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि किसी को बाहर किया गया। हम केवल इस सीरीज में युवा खिलाड़ियों को अपने को साबित करने का अवसर दे रहे हैं।

लक्ष्य सेन थोड़े निराश, लेकिन अब ध्यान चोट से उबरने और बड़े टूर्नामेंटों पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के फाइनल में मिली शिकस्त से 'थोड़े निराश' भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने स्वीकार किया है कि आधुनिक पुरुष एकल मुकाबलों की बढ़ती शारीरिक मांगों के कारण उन्हें अपनी रिकवरी (चोट और थकान से उबरने की प्रक्रिया) और तैयारी की रणनीति पर फिर से विचार करना पड़ रहा है। लक्ष्य दूसरी बार ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचे थे।

उन्होंने बर्मिंघम में शारीरिक तौर पर थका देने वाले सप्ताह के दौरान कई कड़े और अधिक समय वाले मुकाबले खेले। उन्हें फाइनल में चीनी ताइपे के लिन चुन-यी से हार का सामना करना पड़ा। उत्तराखंड के अल्मोड़ा के इस 24 साल के खिलाड़ी ने कहा, 'कुल मिलाकर यह सप्ताह अच्छा लेकिन भावनात्मक रहा। दूसरी बार फाइनल में पहुंचकर भी खिताब नहीं जीत पाना मैच के बाद थोड़ा निराशाजनक लगता है। पूरे टूर्नामेंट को देखें तो कुछ अच्छी जीत मिलीं, अच्छा अभियान रहा और जिस तरह मैंने मैच खेले, उससे आने वाले टूर्नामेंटों के लिए उम्मीदें बनी हैं।'

लक्ष्य ने इस सप्ताह कोर्ट पर पांच घंटे से अधिक समय बिताया। इसमें एक बेहद कठिन सेमीफाइनल भी शामिल था। इस मुकाबले में उन्हें गंभीर ऐंठन से जूझना पड़ा। इसके बाद फाइनल में उन्हें करीबी हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि इस अनुभव ने यह समझ और मजबूत की है कि टूर्नामेंट कार्यक्रम, रिकवरी और व्यवस्थित प्रशिक्षण के बीच संतुलन बनाना कितना जरूरी है।

इस युवा खिलाड़ी ने कहा, 'मैच और टूर्नामेंट अब बहुत ज्यादा शारीरिक हो गए हैं और उम्र के साथ भी फर्क पड़ता है। मेरा मतलब है कि अब मैं 20 साल का नहीं रहा कि उतनी तेजी से रिकवर कर सकूं। मैं यह नहीं कह रहा कि मेरी उम्र काफी बढ़ गयी है, लेकिन तैयारी, अगले मैचों के लिए रिकवरी और खासकर डाइट (आहार) को लेकर बदलाव करने पड़ते हैं। जब मैं 21-22 साल का था तो जो भी खाता था, उससे वजन नहीं बढ़ता था। लेकिन अब थोड़ा फर्क है और डाइट के प्रति ज्यादा सतर्क रहना पड़ता है।'

लक्ष्य ने कहा कि व्यस्त कार्यक्रम के कारण 'वर्कलोड मैनेजमेंट (अभ्यास और टूर्नामेंट के चयन में सतर्कता)' भी बेहद अहम हो गया है। उन्होंने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में मुझे कंधे की कुछ चोटें भी लगीं, जिसका असर पड़ा। पहले मैं आक्रामक शॉट बेहतर खेल रहा था, लेकिन समय के साथ यह समझ आता है कि आप कितना जोर लगा सकते हैं, कितने मैच खेल सकते हैं और कब शरीर को आराम की जरूरत है।'

इस सत्र में बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप और BWF विश्व चैंपियनशिप को प्रमुख आयोजन बताते हुए लक्ष्य ने कहा कि अब वह अपनी टीम के साथ मिलकर ऑल इंग्लैंड अभियान का विश्लेषण करेंगे। उन्होंने कहा, 'ये दोनों इस साल के बड़े टूर्नामेंट हैं जिनमें मैं खेलूंगा। मैं अपनी टीम के साथ बैठकर विस्तार से विश्लेषण करूंगा कि ऑल इंग्लैंड टूर्नामेंट कैसा रहा और पिछले कुछ महीनों में अभ्यास कार्यक्रम कैसा रहा।' लक्ष्य ने कहा, 'इसके बाद कोर्ट पर खास तौर पर अपने खेल को और बेहतर बनाने की कोशिश करूंगा और पूरे सत्र में फिट रहने पर ध्यान दूंगा क्योंकि आगे कई बड़े टूर्नामेंट हैं।'

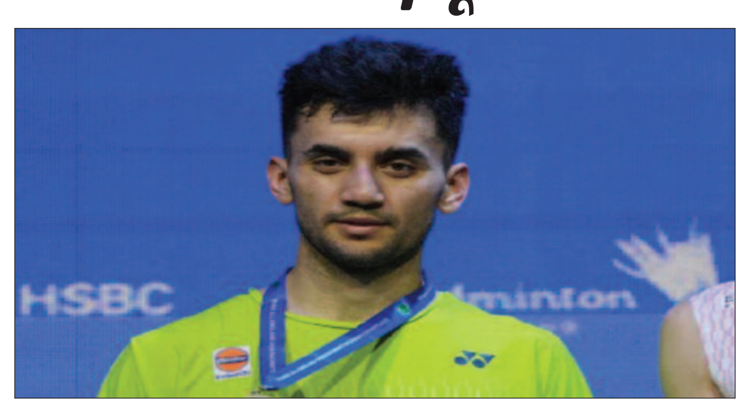

लक्ष्य ने मानसिक प्रशिक्षक मोन ब्रोकमैन को भी श्रेय दिया, जिनकी मदद से उन्हें अंतरराष्ट्रीय सर्किट के दबाव को बेहतर तरीके से समझने और संभालने में मदद मिली है। उन्होंने कहा, 'करीब एक साल से मैं उनके साथ काम कर रहा हूं और मानसिक प्रशिक्षण के बारे में बहुत कुछ सीखा है। बड़े टूर्नामेंट में उतरने का नजरिया भी बदला है। बड़े टूर्नामेंट को अब अलग तरीके से देखता हूं, जबकि 500 या 300 स्तर के टूर्नामेंट अक्सर तैयारी का हिस्सा होते हैं।'

उन्होंने कहा कि वह अब हार को बहुत गंभीरता से नहीं लेते हैं और कोर्ट पर जमकर मेहनत करते हैं। लक्ष्य ने कहा, 'मोन, कोच और मेरे पिता सभी मेरा समर्थन करते हैं और मुझे बेहतर बनने में मदद करते हैं। उन्होंने इस प्रक्रिया को देखा है, जहां हर सप्ताह आप जीतते या हारते हैं। कई बार टूर्नामेंट के अंत में लगातार हार भी मिलती है, लेकिन उसे दिल पर नहीं लेना चाहिए और हर मैच से सीखते रहना चाहिए।'

कला, संस्कृति और शिक्षा का संगम आयरलैंड

योरप के पश्चिमी छोर पर स्थित नन्हा-सा देश रिपब्लिक ऑफ आयरलैंड जहां अपने सुदीर्घ इतिहास और कला-संस्कृति के लिए जाना जाता है, वहीं शिक्षा के लिहाज से भी यह विदेशी विद्यार्थियों को आकर्षित कर रहा है। आयरलैंड की कला और संस्कृति को योरप क्या, संपूर्ण विश्व में आदर के साथ देखा जाता है। बड़े-बड़े साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं में यहां के जीवन, प्राकृतिक सौंदर्य, संस्कृति एवं सभ्यता का बखूबी बखान किया है। आयरिश संगीत एवं नृत्य को भला कौन नहीं जानता! यहां के प्राचीन किले वास्तुकला का बखान करते हैं।

आयरलैंड को उसकी उन्नात शिक्षा प्रणाली के लिए भी जाना जाता है। दीर्घकाल से यहां विदेशी विद्यार्थियों की उपस्थिति रही है। यहां सरकारी विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों के अलावा बड़ी संख्या में गैर-सरकारी कॉलेज एवं टेक्निकल इंस्टीट्यूट मौजूद हैं। डबलिन का ट्रिनिटी कॉलेज आयरलैंड का प्राचीनतम विश्वविद्यालय है। इसकी स्थापना 1592 में की गई थी।

शोध में शीर्ष पर

विश्व के सभी देशों में आज शोध कार्यों को वरीयता दी जा रही है। आयरलैंड भी इससे अछूता नहीं है। शोध कार्यों को यहां प्रोत्साहित किया जाता है। शिक्षण संस्थानों का प्रयास रहता है कि इस काम में किसी भी तरह की अड़चन न आए। यहां से शोध कार्य करके निकले विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में शीर्ष मुकाम हासिल करने में सफल हुए हैं। आयरलैंड के कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों के मध्य प्रतिस्पर्धात्मक माहौल स्पष्ट रूप से देखने को मिलता है। विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत करके अपने आप को शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा में बनाए रखना होता है।

विषयों की बहुलता

आयरलैंड में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक विद्यार्थियों के सामने विषय का चयन कोई आसान काम नहीं है। विषयों की अधिकता और सभी में उत्कृष्ट शिक्षा उन्हें अनेक विकल्प उपलब्ध कराती है। मसलन, आयरलैंड और साहित्य के बीच गहरा नाता है। यहां का लगभग प्रत्येक नागरिक कहीं-न-कहीं साहित्य के प्रति गहरी आस्था रखता है। यहां के कई साहित्यकारों ने विश्व साहित्य पर अपनी छाप छोड़ी है। विदेशी विद्यार्थी हों या स्थानीय, दोनों ही लिटरेचर कोर्सेस में खासी दिलचस्पी दिखाते हैं। आयरलैंड ने एक ओर जहां आधुनिक तकनीक को अपनाया है, वहीं अपनी प्राचीन परंपराओं को भी सहेजकर रखा है। शिक्षण संस्थानों में गौरवशाली प्राचीन संस्कृति से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, वहीं हर आधुनिक तकनीक विद्यार्थियों को मुहैया कराई जाती है। यहां के समस्त शिक्षण संस्थानों में कम्प्यूटर एजुकेशन पर विशेष जोर दिया जाता है। साहित्य एवं टेक्नोलॉजी तो स्थानीय एवं विदेशी विद्यार्थियों की वरीयता सूची में हैं ही, लेकिन अब कम्यूनिकेशन और इतिहास विषय भी इस सूची में शामिल हो गए हैं। इन विषयों में विद्यार्थियों को आधुनिकतम तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई जाती है।

अन्य सुविधाएं

अगर आप आयरलैंड में पढ़ाई के साथ-साथ काम भी करना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको उस संस्थान की अनुमति लेनी होगी, जहां आपने प्रवेश लिया है। निर्धारित नियमों के अंतर्गत सोच-विचार करके आपको सप्ताह में कुछ घंटे तक जॉब करने की अनुमति मिल सकती है।

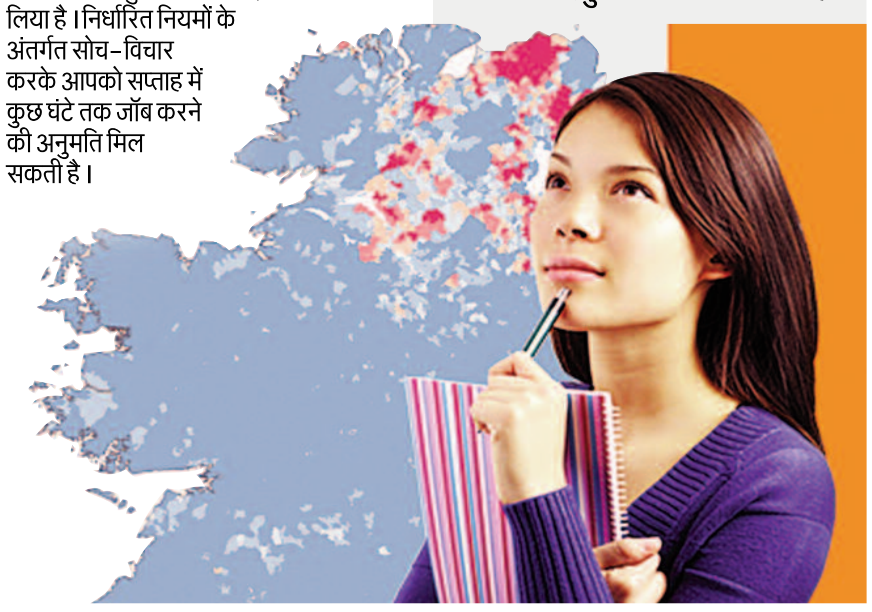

यूं बढ़ रही है स्किल्ड ब्रांड मैनेजर्स की मांग

आज भारतीय उपभोक्ताओं के पास हर उत्पाद के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं, क्योंकि हर कंपनी अपने प्रोडक्ट को प्रमोट करने के लिए ग्राहक को आकर्षित करने की कोशिश करती है। इस पूरी प्रक्रिया में ब्रांडिंग की बड़ी भूमिका होती है।

उपभोक्ता के मन में एक प्रोडक्ट की स्थायी जगह बनाने में ब्रांडिंग का बड़ा हाथ होता है। हर बड़ी कंपनी अपने प्रोडक्ट और सर्विसेज को बाजार में प्रमोट करने के लिए ब्रांड मैनेजर्स को हायर करती है। ब्रांडिंग प्रक्रिया में नए उत्पाद के लॉन्च होने से लेकर उसे उपभोक्ता की जिंदगी का अहम हिस्सा बनाने तक की रणनीति शामिल होती है। हर कंपनी अपने प्रोडक्ट और सर्विसेज की ब्रांडिंग के लिए ऐसे लोगों को हायर करना चाहती है, जिनके पास प्रमोशन के विभिन्न आइडियाज हों। अगर आप भी इस तरह के करियर ऑप्शन की तलाश में हैं, तो ब्रांड मैनेजमेंट आपके लिए आदर्श करियर बन सकता है।

कैसे करें शुरूआत?

ब्रांड मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए आप ग्रेजुएशन के बाद ब्रांड मैनेजमेंट से एमबीए करके स्पेशलाइजेशन हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा एमबीए-मार्केटिंग से स्पेशलाइजेशन करके इस करियर को शुरू किया जा सकता है।

करियर की संभावनाएं

ब्रांड मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएशन करने के बाद फ्रेशर्स को एंट्री लेवल पर असिस्टेंट ब्रांड मैनेजर की जॉब मिल सकती है। अपने अच्छे आइडियाज, परफॉर्मेंस और इनोवेशन से उम्मीदवार मिड लेवल तक पहुंच सकते हैं यानी ब्रांड मैनेजर बन सकते हैं।

किस एरिया में जॉब?

प्रतिभाशाली और स्किल्ड ब्रांड मैनेजर्स की मांग फार्मास्यूटिकल, मोबाइल, इंश्योरेंस, हेल्थकेयर कंपनियों, मीडिया हाउसेस, ऑटोमोबाइल कंपनीज वगैरह में काफी है। बढ़ती प्रतिस्पर्धा को देखते हुए हर कंपनी अपने प्रोडक्ट की ब्रांडिंग आकर्षक तरीके से करनी चाहती है।

कितना पैकेज?

इस इंडस्ट्री में फ्रेशर्स का स्टार्टिंग सैलेरी पैकेज तीन से साढ़े तीन लाख प्रति वर्ष हो सकता है। सैलेरी पैकेज इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप कौन-से संस्थान में और किस शहर में काम कर रहे हैं।

ये गुण जरूरी

ब्रांड मैनेजर बनने के लिए एक व्यक्ति को न मोटिवेटेड और बड़ी जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार रहना जरूरी होता है।

- अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स होनी चाहिए।
- सुपरविजन, प्रॉब्लम सॉल्विंग और प्लानिंग स्किल्स में भी आगे होने चाहिए।
- उम्मीदवार किस तरह के आइडियाज के साथ प्रोडक्ट की ब्रांडिंग कितने क्रिएटिव तरीके से करते हैं और उसका कैसा रिस्पांस मिलता है, यह भी बहुत मायने रखता है।

दवा मार्केटिंग के मास्टर

फार्मास्युटिकल उद्योग तेजी से बढ़ने वाले उद्योगों में से एक है। शानदार ग्रोथ की वजह से इसमें नौकरियां भी तेजी से बढ़ी हैं। अगर आप साइंस बैकग्राउंड के हैं और सेल्स तथा कस्टमर को मैनेज करने का हुनर रखते हैं, तो मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के रूप में करियर की बेहतरीन शुरूआत कर सकते हैं। भारत का फार्मा सेक्टर 13-14 फीसदी सालाना की दर से ग्रो कर रहा है। मेडिकल फील्ड में हो रही गतिविधियों के कारण मेडिसिन मार्केट भी कमर्शियल रूप से काफी आगे बढ़ रहा है। एफडीआई के बाद से इसमें और विस्तार होने की उम्मीद की जा रही है। कई विदेशी कंपनियां अपने उत्पादों का पेटेंट कराकर भारत में कारोबार करने आ रही हैं। इससे घरेलू फार्मा इंडस्ट्री और तेजी से विकसित हो रही है। इसे देखते हुए कहा जा सकता है कि आने वाले दिनों में इस फील्ड में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स के लिए जॉब्स की कमी नहीं होगी।

मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स फार्मास्युटिकल कंपनीज और हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स के बीच की कड़ी होते हैं। वे उत्पादों को एक रणनीति के साथ बाजार में प्रमोट करते हैं। वन-टु-वन के अलावा वे ग्रुप इवेंट्स ऑर्गेनाइज कर दवाइयों के प्रति जागरूक करते हैं। फार्मास्युटिकल कंपनीज मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स को नियुक्त करती हैं, ताकि वे कस्टमर्स और डॉक्टर्स को अपने प्रोडक्ट की उपयोगिता के प्रति संतुष्ट कर सकें। इस तरह मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव दवाइयों की मार्केटिंग में एक अहम भूमिका निभाते हैं। अलग-अलग दवा कंपनियां अपने यहां नियुक्ति के बाद कैंडिडेट्स को स्पेशल स्किल डेवलपमेंट की ट्रेनिंग देती हैं। उन्हें एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, फार्माकोलॉजी, सेल्समैनशिप की ट्रेनिंग के अलावा डॉक्टर्स की प्रोफाइल, उत्पादों की जानकारी और फील्ड ट्रेनिंग दी जाती है, जिसके तहत सैलिंग टेक्नीक्स बताई जाती हैं। फील्ड ट्रेनिंग के दौरान फ्रेश ग्रेजुएट्स को किसी सीनियर मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के अधीन काम करना होता है।

जरूरी स्किल्स

मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव बनने के लिए आपके पास मेडिकल फील्ड, मैनेजमेंट और मेडिसिन की संपूर्ण जानकारी होनी चाहिए। आपको मानव शरीर और दवा में इस्तेमाल होने वाले रासायनिक तत्वों की भी जानकारी रखनी होगी। ऐसे में आपके पास कम्युनिकेशन स्किल्स के साथ-साथ अंग्रेजी-हिंदी की अच्छी जानकारी होनी चाहिए। इस फील्ड में काम के कोई तय घंटे नहीं होते हैं, इसलिए आपको इसके लिए पहले से तैयार रहना होगा। खुद को फिजिकली भी फिट रखना होगा।

एजुकेशनल क्वॉलिफिकेशन

फार्मा बिजनेस मैनेजमेंट में बीबीए या एमबीए, फार्मास्युटिकल एंड हेल्थकेयर मार्केटिंग में पीजी डिप्लोमा, फार्मा मार्केटिंग में डिप्लोमा या पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा कोर्स करने के बाद आप इस फील्ड में आगे बढ़ सकते हैं। इसके अलावा, सेलिंग और मार्केटिंग की स्किल रखने वाले साइंस ग्रेजुएट्स भी एंट्री ले सकते हैं। आज कई विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में इससे संबंधित कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। कुछ संस्थानों में फार्मा बिजनेस मार्केटिंग से संबंधित कोर्स भी शुरू हो चुके हैं। डिप्लोमा कोर्स करने के लिए आपको साइंस के साथ 12वीं पास होना जरूरी है। पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा में प्रवेश के लिए स्टूडेंट्स के पास बीएससी, बीफार्मा की डिग्री होनी चाहिए। 12वीं (मैथ्स और बायोलॉजी) के बाद बीबीए (फार्मा बिजनेस) में दाखिला लिया जा सकता है।

सैलरी पैकेज

सामान्य तौर पर शुरूआती वेतन 10 से 20 हजार रुपए तक होता है लेकिन अनुभव के आधार पर आमदनी में इजाफा होता रहता है। कुछ अनुभव हासिल करने के बाद 30 से 40 हजार रुपए प्रतिमाह आसानी से हासिल किए जा सकते हैं। पांच या सात साल के अनुभव के बाद वेतन लाखों में हो सकता है। इसके अलावा, आपके परफॉर्मेंस के आधार पर समय-समय पर इंसेंटिव सहित कई तरह की सुविधाएं दी जाती हैं। सेल्स टारगेट अचीव करने वालों को कई बार ब्रांड मैनेजमेंट जैसी जिम्मेदारी तक सौंप दी जाती है। इससे आपकी आमदनी बढ़ने के साथ-साथ मार्केट में एक अलग पहचान बनती है।

तरक्की की संभावनाएं

सेल्स परफॉर्मेंस और कस्टमर्स को मैनेज करने का हुनर रखने वाले मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव फार्मास्युटिकल मार्केटिंग में शानदार करियर बना सकते हैं। जो लोग कंपनी के टारगेट को समय-समय पर अचीव करते चलते हैं, उन्हें प्रमोशन मिलने में भी देर नहीं लगती है। आप एरिया मैनेजर, रीजनल या जोनल मैनेजर, डिवीजनल सेल्स मैनेजर, डिवीजनल कंट्रोलर, डिप्टी मार्केटिंग मैनेजर के अलावा मार्केटिंग मैनेजर के रूप में प्रमोशन पा सकते हैं। मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के अलावा, मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव, प्रोडक्ट एग्जीक्यूटिव, बिजनेस एग्जीक्यूटिव के रूप में काम करने का पूरा अवसर है। एमबीए या फार्मेसी की डिग्री रखने वाले एरिया मैनेजर, सर्कल मैनेजर, प्रोडक्ट मैनेजर, ग्रुप प्रोडक्ट मैनेजर, क्वॉलिटी कंट्रोल मैनेजर, ब्रांड मैनेजर या मैनेजमेंट ट्रेनी के रूप में दवा कंपनियों के साथ जुड़ सकते हैं। इन कंपनियों में एक-दो साल का अनुभव रखने वाले मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स को इंटरव्यू के आधार पर नियुक्त किया जाता है। इसके अलावा, समय-समय पर अखबारों में और वेब साइट्स पर भी विज्ञापन निकलते रहते हैं।

मैंने मेहनत से अपने पापा का सपना पूरा किया

फिल्मी दुनिया में अक्सर हम कलाकारों की शानदार लाइफस्टाइल से आकर्षित होते रहते हैं। लेकिन इस शोहरत के पीछे उनकी मेहनत और संघर्ष होता है। इस कड़ी में अभिनेत्री अनीत पड्डा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता को दिया। दरअसल, उन्होंने जी सिने अवॉर्ड्स 2026 में दो बड़े अवॉर्ड्स जीते, जिसे उन्होंने अपने पिता को समर्पित किया। अनीत पड्डा ने जी सिने अवॉर्ड्स 2026 में बेस्ट डेब्यू फीमेल का अवॉर्ड जीता। इसके साथ ही उन्हें व्यूअर्स चॉइस बेस्ट एक्ट्रेस का सम्मान भी मिला। स्टेज पर अवॉर्ड लेने पहुंची अनीत ने अपनी स्पीच में सबसे पहले अपने पिता का जिक्र किया और कहा, ''मैं इस जीत का श्रेय अपने पापा को देती हूं। यह पल मेरे जिंदगी के सबसे इमोशनल पलों में से एक है। मैंने मेहनत से अपने पापा का सपना पूरा किया है। मेरे पापा भी एक्टर बनना चाहते थे, लेकिन किसी वजह से उनका यह सपना पूरा नहीं हो सका, लेकिन अब उनकी बेटी ने उनका यह सपना पूरा किया है। मैंने अपने पापा के इस सपने को जिया है।'' अनीत ने पंजाबी भाषा में अपने पापा से कहा, ''अब आपका सपना आपकी बेटी के जरिए पूरा हो गया है। जब आप कहते थे कि मैं अपना सपना तुम्हारे जरिए जी रहा हूं, तो मुझे एहसास होता था कि मैं सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि अपने पापा के सपने को भी साकार कर रही हूं।''

स्पीच में अनीत पड्डा ने आगे कहा, ''मैं अपनी जिंदगी में कभी इतनी खुश नहीं हुई हूं। पापा, मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं और आपकी वजह से ही आज इस मुकाम पर हूं।'' उन्होंने आगे फिल्मों को लेकर कहा, ''जब लोग फिल्मों और शोज में किसी कलाकार के अभिनय पर तालियां बजाते हैं, तो वह तालियां सिर्फ उस अभिनेता के लिए नहीं होतीं। असल में यह तालियां उस कहानी के लिए होती हैं जो स्क्रीन पर दिखाई जा रही होती है, और वह कहानी लोगों की जिंदगी और उनके अनुभवों से जुड़ी होती है। मुझे गर्व है कि मैं इन कहानियों और किरदारों का हिस्सा बनकर दर्शकों तक भावनाएं पहुंचा पा रही हूं।''

जर्नलिज्म छोड़ अभिनय में बनाई पहचान, साउथ ही नहीं बॉलीवुड में भी श्रद्धा दास ने छोड़ी छाप

फिल्म इंडस्ट्री में कई कलाकार ऐसे हैं, जिन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों से आकर अभिनय की दुनिया में नाम कमाया है। ऐसी ही एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं श्रद्धा दास, जिन्होंने पत्रकारिता की डिग्री हासिल की, लेकिन किस्मत उन्हें एक्टिंग की ओर ले आई। आज वह साउथ सिनेमा का जाना-माना चेहरा हैं और बॉलीवुड में भी अपनी खास पहचान बना चुकी हैं। 4 मार्च 1987 को मुंबई के एक बंगाली परिवार में जन्मीं श्रद्धा ने मुंबई विश्वविद्यालय से बैचलर ऑफ मास मीडिया (जर्नलिज्म) की डिग्री हासिल की। कॉलेज के दिनों में ही उन्हें अभिनय का शौक हो गया। उन्होंने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के कलाकारों जैसे पीयूष मिश्रा और चितरंजन गिरी जैसे एक्टर्स के साथ थिएटर वर्कशॉप की, थिएटर में अच्छी ट्रेनिंग ली और फिर एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। श्रद्धा ने साल 2008 में तेलुगू फिल्म 'सिद्धु फ्रॉम सिकाकुलम' से अभिनय की शुरुआत की, जिसमें वह अभिनेता नरेश के साथ नजर आईं। यह उनका साउथ डेब्यू था। तेलुगू के बाद उन्होंने तमिल, कन्नड़, मलयालम, बंगाली और हिंदी फिल्मों में भी काम किया। साउथ में वह 'आर्या 2', 'डार्लिंग', 'नागावल्ली', और 'गुंटूर टॉकीज' जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। वहीं, कई फिल्मों में उन्हें 'सीक्वल क्वीन' का टैग भी मिला, क्योंकि वह कई सीक्वल में नजर आईं। श्रद्धा ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा से साउथ और बॉलीवुड दोनों में मजबूत जगह बनाई। मॉडलिंग से शुरुआत करने वाली श्रद्धा ने एक्टिंग ट्रेनिंग पर खास ध्यान दिया। वह चुलबुली, तेज और रोमांटिक रोल्स में बखूबी जंचती हैं। श्रद्धा के बॉलीवुड में काम की बात करें तो उन्होंने डेब्यू साल 2010 में फिल्म 'लाहौर' से किया, जिसमें उन्होंने इदा का किरदार निभाया था। इसके बाद 'दिल तो बच्चा है जी', 'लकी कबूतर', 'सनम तेरी कसम', 'ग्रेट ग्रैंड मस्ती' जैसी फिल्मों में काम किया।

'सनम तेरी कसम' में उनका किरदार दर्शकों को खासा पसंद आया। फिल्म में उनके किरदार का नाम रूबी रहता है। बॉलीवुड में वह सपोर्टिंग रोल्स में ज्यादा नजर आईं, लेकिन अपनी खूबसूरती, तेज-तर्रार अंदाज और रोमांटिक भूमिकाओं से दर्शकों के बीच प्रभाव छोड़ा। श्रद्धा दास अब तक 50 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुकी हैं, जो अलग-अलग भाषाओं में हैं। बेहतरीन एक्टिंग के साथ ही श्रद्धा एक शानदार डांसर भी हैं, जो उनके परफॉर्मेंस को और आकर्षक बनाता है। फिल्मों के अलावा वह वेब सीरीज और टीवी शोज में भी काम कर चुकी हैं।

केन्या में कैसी रही वाराणसी की शूटिंग

प्रियंका ने दी जानकारी

प्रियंका चोपड़ा जल्द ही इंडियन सिनेमा में फिल्म 'वाराणसी' से वापसी कर रही हैं। यह बड़े पैमाने पर बन रही है। अभी इस फिल्म पर काम चल रहा है। ऐसे में प्रियंका चोपड़ा ने बताया है कि केन्या में फिल्म की शूटिंग का अनुभव कैसा रहा है।

केन्या में कैसी रही शूटिंग?

प्रियंका चोपड़ा ने बताया कि केन्या में शूटिंग बहुत अच्छी रही। उन्होंने कहा 'मैं वाराणसी के लिए अफ्रीका के केन्या में शूटिंग कर रही थी। हम जंगली जानवरों के साथ शूटिंग कर रहे थे। उसी दौरान मैं और मेरे को-एक्टर महेश बाबू इन जंगली जानवरों के बीच में थे जो माइग्रेट करते समय हमारे चारों ओर थे। मुझे यह दृश्य बहुत अच्छा लग रहा था। जब आप जंगल में इन जानवरों को देखते हैं तो आपको अच्छा लगता है।' इससे पहले, महेश बाबू ने भी बातचीत में इसी शूटिंग के बारे में बात की थी। एक्टर ने माना कि पहले तो चीजें डरावनी लगीं। जंगली जानवरों से घिरे होने की वजह से शूटिंग का पहला दिन काफी टेंशन भरा था।

सिद्धांत चतुर्वेदी, निर्देशक अभिषेक चौबे के साथ मिलकर बनाएंगे बलिया पर फिल्म

छोटे शहर बलिया से निकलकर मेनस्ट्रीम हिंदी सिनेमा तक अपनी पहुंच बनानेवाले सिद्धांत चतुर्वेदी अब अपनी ज़िंदगी के अनुभवों को परदे पर लाने की तैयारी में जुटे हैं। हाल ही में सिद्धांत चतुर्वेदी ने खुद ये बात कही कि वे अपने डियर फ्रेंड और निर्देशक अभिषेक चौबे के साथ मिलकर अपने होम टाऊन बलिया को केंद्र में रखकर एक फिल्म बनाने की तैयारी कर रहे हैं। गौरतलब है कि 'गली बॉय' से अपने करियर की शुरुआत करने वाले सिद्धांत चतुर्वेदी ने 'गहराइयाँ', 'खो गए हम कहाँ' और 'धड़क 2' जैसी फ़िल्में की और हमेशा लेयर्ड और हटकर किरदार चुने। यही वजह है कि अपनी हर फिल्म में अपने हर परफॉर्मेंस के लिए सिद्धांत ने अपने दर्शकों की सराहना बटोरी। फिलहाल अब वह अपने करियर के एक ऐसे मोड़ पर हैं, जहां वे चाहते हैं कि कहानी सीधे उनके जीवन और यादों से निकलकर सामने आए। इस बारे में खुलकर बात करते हुए सिद्धांत ने कहा, 'अभी तक ये ऑफिशियल नहीं है, लेकिन मुझे लगता है ये वही स्टेज है जहां मैं बोल देना चाहता हूं। मैं अपनी रूट्स (जड़ों) पर वापस जाना चाहता हूं। मुझे बलिया की कहानी कहनी है। वहां की ज़िंदगी मैंने देखी है, और मैं वही एक्सपीरियंस स्क्रीन पर लाना चाहता हूं।' उन्होंने इस फिल्म में निर्देशक अभिषेक चौबे के साथ अपने सहयोग को लेकर भी उत्साह ज़ाहिर करते हुए कहा, 'अभिषेक चौबे के साथ हम एक बलिया-बेस्ड स्टोरी पर काम कर रहे हैं। ये वाकई बहुत ही कमाल की कहानी है। इस पर काफी चर्चा चल रही है और मुझे लगता है कि बहुत जल्द ये सबके सामने आएगी।'

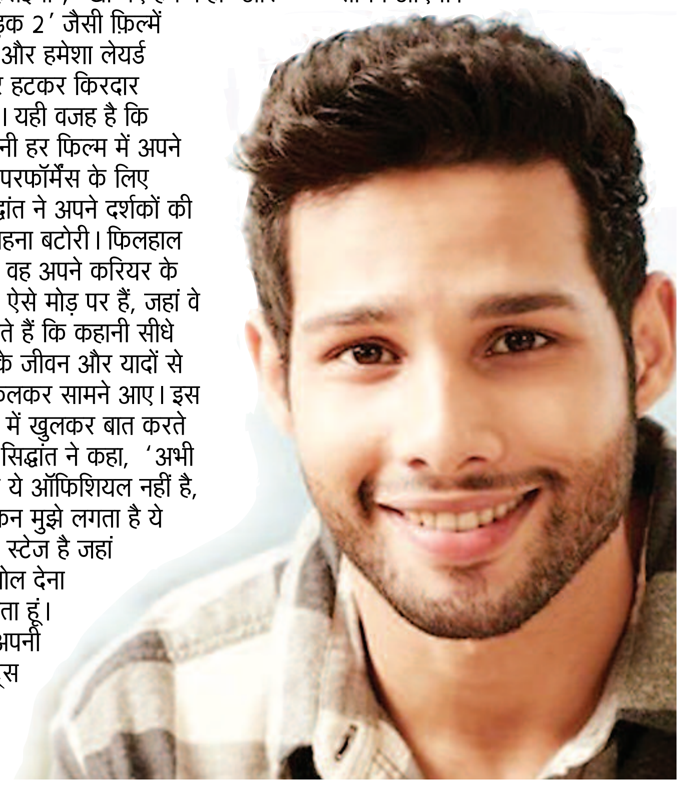

'जेलर 2' में होगा शाहरुख का कैमियो

पहले भी शाहरुख खान की फिल्म 'रा.वन' में रजनीकांत के मशहूर किरदार चिट्टी का कैमियो दिखाया गया था, लेकिन बाद में अभिनेता सुरेश मेनन ने बताया था कि उस सीन में खुद रजनीकांत मौजूद नहीं थे। वहीं रोहित शेट्टी की फिल्म 'चेन्नई एक्सप्रेस' के गाने लुंगी डांस में भी रजनीकांत को ट्रिब्यूट दिया गया था। लेकिन अब खबरें आ रही हैं कि जेलर 2 में दोनों साथ में नजर आ सकते हैं। खबरें है कि निर्देशक नेल्सन दिलीपकुमार की फिल्म 'जेलर 2' में दोनों स्टार्स एक साथ दिखाई देंगे। यह जानकारी अभिनेता मोहनलाल के स्टाइलिस्ट जिहाद शमसुद्दीन के इंस्टाग्राम स्टोरी से सामने आई, जिसके बाद फैंस के बीच एक्साइटमेंट और चर्चा तेज हो गई है। हालांकि फिल्म के मेकर्स की ओर से अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। लेकिन फैंस के बीच इस खबर की वजह से एक्साइटमेंट बढ़ गई है।

क्यों हुई चर्चाएं तेज

दरअसल, जिशाद ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक एआई से बनी तस्वीर शेयर की, जिसमें ग्रे-हेयर लुक में शाहरुख खान कार चलाते नजर आ रहे हैं, उनके साथ आगे की सीट पर मोहनलाल बैठे हैं, जबकि पीछे की सीट पर रजनीकांत और शिव राजकुमार दिखाई दे रहे हैं। तस्वीर के कैप्शन में लिखा था कि फैंस 'जेलर 2' में ऐसा फ्रेम देखने का इंतजार कर रहे हैं। इस पोस्ट को री-शेयर करते हुए जिशाद ने लिखा, 'कंदिप्पा इरुक्कुम यानी (पक्का होगा)', जिससे यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि फिल्म में इन सभी स्टार्स का एक साथ सीन हो सकता है।

पहली बार साथ दिखाई दे सकते हैं दोनों स्टार्स

बता दें कि मोहनलाल ने 2023 की हिट फिल्म जेलर में रजनीकांत के किरदार मुथुवेल पांडियन आईपीएस (टाइगर) के दोस्त मैथ्यू के रूप में कैमियो किया था और वह सीक्वल में भी वापसी करेंगे।

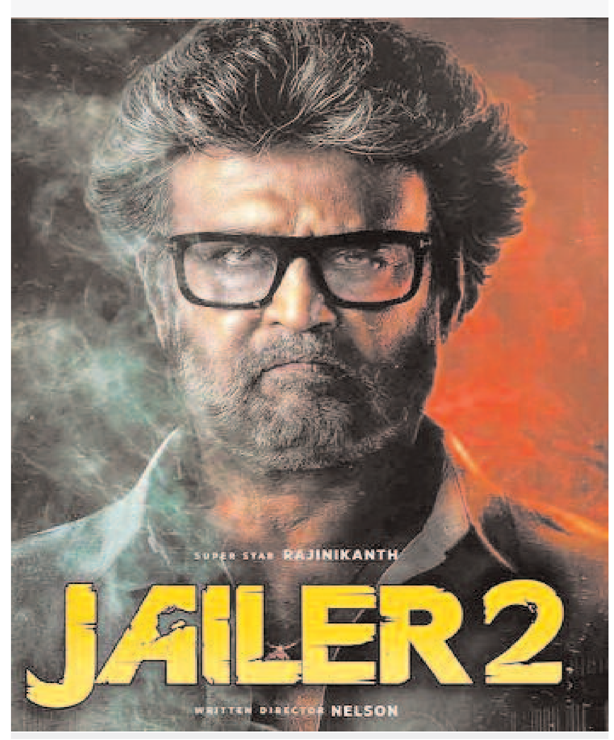

शैतान वाले रोल ने मेरे शरीर को पूरा निचोड़ लिया

गुजराती सिनेमा का जाना-पहचाना चेहरा बन चुकीं ऐक्ट्रेस जानकी बोड़ीवाला अब बॉलिवुड में भी अपने कदम मजबूत कर रही हैं। गुजराती फिल्म वश में जबरदस्त अभिनय के लिए नैशनल अवॉर्ड जीतने वाली जानकी अजय देवगन-आर माधवन स्टारर शैतान के बाद हाल ही में रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 में भी अहम रोल में नजर आईं।

डॉक्टर बनते-बनते ऐक्टर कैसे बन गईं

मेरे पापा को फिल्मों का बहुत क्रेज है तो मैंने भी बचपन से ही खूब बॉलिवुड फिल्में देखी हैं। हमारे घर पर एक मिनी थिएटर था, जो अभी भी है। हमारे घर पर हर शुक्रवार को फिल्मों की स्क्रीनिंग होती थी। जब मैं बोर होती थी तो भी कोई ना कोई डीवीडी चला लेती थी तो जाने-अनजाने में सिनेमा के साथ मेरा रिश्ता बचपन से था। ऐक्टिंग की शुरुआत भी पापा के कहने से ही हुई। मैं डेंटिस्ट की फर्स्ट ईयर की पढ़ाई कर रही थी। ब्रेक चल रहा था। पापा ने बोला कि उनके कोई दोस्त फिल्म बना रहे हैं, तुम ऑडिशन देने जाओगी?

वश और फिर उसकी हिंदी रीमेक शैतान में आपकी भूमिका बहुत ही डिमांडिंग है। उसे निभाना कितना चुनौतीपूर्ण रहा?

मुश्किल तो निश्चित तौर पर था। मुझे एक ही किरदार दूसरी बार निभाना था। पहली बार तो मुझे भी अहसास नहीं था कि फिल्म कैसी बन रही है। मुझे याद है कि जब हम शूट कर रहे थे तो एक बार 10-15 दिन का ब्रेक मिला था और मैं काफी अपसेट थी कि यार, सब अच्छा जा रहा है, मेरा लिंक टूट जाएगा लेकिन दूसरे-तीसरे दिन मुझे बॉडी में बहुत थकान महसूस हुई।

'मर्दानी 3' की दुनिया भी काफी स्याह है। गर्ल चाइल्ड ट्रैफिकिंग जैसी घटनाओं के बारे में पढ़कर-सुनकर क्या प्रतिक्रिया होती है?

गुस्सा आता है, डर लगता है। जब भी हम ऐसा कुछ पढ़ते या सुनते हैं, रूह कांप जाती है क्योंकि कई बार लड़कियों संग बहुत ही भयावह घटनाएं होती हैं। इसलिए, जरूरी है कि हम स्ट्रॉन्ग रहें। मर्दानी उदाहरण है कि आज के दौर में औरत कैसी होनी चाहिए। मुझे लगता है कि आज की पीढ़ी की लड़कियां बहुत स्ट्रॉन्ग हैं। वे ऐसी कोई सिचुएशन आई तो अपने लिए खड़ी रहेंगी।

वैसे आज की पीढ़ी यानी जेन जी के लिए ऐसा भी कहा जाता है कि वे अपने काम/जॉब आदि के लोग गंभीर नहीं हैं। आपकी इस पर क्या राय है?

दरअसल, जेन जी से पहले की जो पीढ़ी है, वो इतनी सीरियस रह चुकी है कि उनको लगता है कि जेन जी सीरियस नहीं है। लेकिन यह वो पीढ़ी है, जो अपनी जिंदगी खुशी-खुशी जी रही है, जैसा कि आपको जीना चाहिए। जेन जी युद्ध या झगड़ों में नहीं मानते।

रानी से पहली मुलाकात कैसी रही?

जब नैशनल अवॉर्ड अनाउंस हुआ था तो हम आधी फिल्म शूट कर चुके थे। उसके बाद जब हम सेट पर मिले तो एक छोटा सा जश्न भी मनाया। एक-दूसरे को बधाई दी। यह बहुत ही बड़ी बात थी हम दोनों एक ही फिल्म कर रहे थे और हम दोनों को एक ही साल में नैशनल अवॉर्ड मिला। यह बहुत ही खास पल था। इसके बाद उन्होंने मेरी फिल्म वश देखी, जो उन्हें बहुत पसंद आई। वैसे, हमारी पहली मुलाकात तो रीडिंग के दौरान ही हो गई थी। असल जिंदगी में भी वह मुझे अपने किरदार शिवानी जैसी ही लगीं। प्रेरणादायी, उत्साही, मजबूत, उनसे मिलकर एक प्रेरणा मिली। फिर उनके साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करके बहुत मजा आया था। मैंने बचपन से उन्हें अलग-अलग करैक्टर निभाते हुए देखा था तो उनके साथ काम करना यादगार रहा।

पंजाब में बीजेपी के नेता अमित गोसाईं अकाली दल में शामिल

लुधियाना (एजेंसी)। मंगलवार को पंजाब की राजनीति में एक बड़ा उलटफेर हुआ, जब भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित गोसाईं ने इस्तीफा दे दिया और कुछ समय बाद अपने समर्थकों के साथ शिरोमणि अकाली दल में शामिल हुए। अकाली दल प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने खुद उन्हें पार्टी में शामिल करवाया और साथ ही लुधियाना सेंट्रल से हलका इंचार्ज भी नियुक्त किया। बता दें कि गोसाईं पंजाब के पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय सतपाल गोसाईं के पोते हैं। बादल ने अमित गोसाईं का शिरोमणि अकाली दल के परिवार में स्वागत कर कहा कि अमित अपने दादा सतपाल गोसाईं के काम में उनका साथ देते रहे हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के स्पोक्सपर्सन पद से भी इस्तीफा दे दिया है। सुखबीर ने भरोसा जताया कि अमित गोसाईं के आने से शिरोमणि अकाली दल और मजबूत होगा। अकाली दल प्रमुख बादल ने गोसाईं को लुधियाना सेंट्रल से हलका इंचार्ज बनाया और कहा कि अकाली दल में उनके साथ शामिल हुए है उनका भी पूरा सम्मान और अहम जिम्मेदारियां दी जाएगी। इसके पहले सतपाल गोसाईं ने सोशल मीडिया पर कहा था कि वह आज दुखी मन से भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिक मेंबरशिप से इस्तीफा दे रहे हैं। उन्होंने कहा था कि उनसे पार्टी की दुर्दशा देखी नहीं जा रही है, इसलिए वह इस्तीफा दे रहे हैं।

गुमला में हाथी के कहर से मासूम की मौत

गुमला (एजेंसी)। झारखंड के गुमला जिला के पतराटोली गांव में देर रात जंगली हाथी के अचानक घर में प्रवेश से एक चार माह की बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई। घटना चंदन उरांव के घर में हुई। बताया गया है कि हाथी ने घर के पास दीवार को जोरदार धक्का दिया, जिससे कच्ची दीवार भरभराकर गिर गई। तब घर में चंदन की पत्नी सुषमा उरांव अपने दो बच्चों के साथ सो रही थी। दीवार गिरने की आवाज सुनकर सुषमा ने अपने पांच वर्षीय बेटे को लेकर भागने में सफल रहीं, लेकिन हड़बड़ी में चार माह की बेटी अमिता कुमारी मलबे में दब गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सुषमा को भी चोटें आईं, जिन्हें ग्रामीणों ने प्राथमिक उपचार दिया। मां अपने बच्चे को खोने के सदमे में बार-बार बेहोश हो रही थीं, और गांव की महिलाएं उन्हें ढांढस बंधाती रहीं। घटना की सूचना मिलने पर करंज थाना पुलिस और बसिया वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। ग्रामीणों में जंगली हाथी के प्रवेश से भय और दहशत का माहौल है; लोग रातभर जागकर पहरा दे रहे हैं। प्रभावित परिवार ने वन विभाग से हाथी को खदेड़ने और मुआवजा देने की मांग की है। प्रशासन से भी परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने की अपील की जा रही है। इस दुखद घटना ने पूरे गांव को स्तब्ध कर दिया है और यह जंगली हाथियों और मानव बस्तियों के बीच लगातार बढ़ते संघर्ष की चिंता को उजागर करती है।

नॉर्थ ईस्ट के लोगों के साथ मारपीट, सीएम संगना ने दिल्ली पुलिस सुरक्षा पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में एक बार फिर नॉर्थ ईस्ट के लोगों के मारपीट और दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। 8 मार्च को साकेत नगर के डिस्ट्रिक्ट कोर्ट कॉम्प्लेक्स के पास मणिपुर की रहने वाली युवती और उसके दोस्तों से मारपीट की घटना हुई। पुलिस के मुताबिक सभी पीड़ित पार्क में टहल रहे थे, तभी कुछ लोगों ने उन पर कमेंट किए। युवती और उसके दोस्तों ने इसका विरोध किया। इस पर उन लोगों ने युवती और उसके साथियों पर हमला कर दिया। हमले में युवती घायल हो गई। इस घटना से नाराज मेघालय के सीएम कॉनराड संगमा ने एक्स पर पोस्ट के जरिए दिल्ली पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाया है। उन्होंने नाराजगी जताते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। सीएम संगना की पोस्ट पर दिल्ली पुलिस ने घटना की निंदा करते हुए लिखा- आरोपियों की पहचान की जा रही है, उन्हें पकड़ने के लिए कई टीमों को तैनात की हैं। मेघालय सीएम संगना ने लिखा कि यह नस्लीय तौर पर डराने-धमकाने वाली घटना है। मुझे मेनलैंड इंडिया में नॉर्थ ईस्ट के लोगों पर बार-बार हो रहे हमलों से नाराजगी है। इसके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

अरुणाचल के जंगलों में लगी भीषण आग पर काबू पाने वायुसेना ने संभाला मोर्चा

-शक्तिशाली हेलिकॉप्टर एमआई-17 वी5 से 66,000 लीटर पानी बरसाया

ईटानगर (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के पासीघाट स्थित मेबो और सिगर के जंगलों में लगी भीषण आग को बुझाने के लिए अब भारतीय वायुसेना ने मोर्चा संभाल लिया है। मंगलवार को वायुसेना ने एक अभियान चलाते हुए अपने शक्तिशाली हेलिकॉप्टर को तैनात किया, जिसने कई उड़ानों के जरिए रिहायशी इलाकों की ओर बढ़ती आग की लपटों पर काबू पाया। इंडियन एयरफोर्स ने मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश में पासीघाट के मेबो और सिगार इलाकों में जंगल में लगी भीषण आग को बुझाने के लिए एक तेज़ और दमदार फायरफाइटिंग मिशन शुरू किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आग पर काबू पाने के लिए एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टर तैनात किया गया है, जिसने आस-पास की बस्तियों को बचाने के लिए कई सॉर्टीज़ में 66,000 लीटर पानी छोड़ा। एक्स पर पोस्ट में आईएएफ ने आग और हवाई फायरफाइटिंग मिशन की शानदार तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। पोस्ट में लिखा- अरुणाचल प्रदेश में तेज़ रिस्पॉन्स और ऑपरेशनल सटीकता दिखाई, पासीघाट के मेबो और सिगार इलाकों में जंगल की बड़ी आग पर काबू पाने के लिए एक एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टर तैनात किया है। यह पहली बार नहीं है जब आईएएफ ने इस साल इस इलाके में जंगल की बड़ी आग में दखल दिया है। 18 फरवरी को आईएएफ के हेलिकॉप्टरों ने नॉर्थ-ईस्ट के मुश्किल इलाकों में लगी दो बड़ी जंगल की आग पर काबू पाया था। अरुणाचल प्रदेश के वालोंग में, फोर्स ने हेवी-लिफ्ट हेलिकॉप्टरों का इस्तेमाल करके 139,800 लीटर पानी गिराया, जिससे एक बड़ी आग पर काबू पाया जा सका। रिपोर्ट के मुताबिक अपनी आग बुझाने की ड्यूटी के साथ-साथ आईएएफ इंडियन आर्मी के साथ कोऑर्डिनेशन को मजबूत करना जारी रखे हुए है। 8 मार्च को दोनों फोर्स ने उत्तराखंड में टिहरी झील के ऊपर एक जॉइंट एक्सरसाइज की। इस ड्रिल में कॉम्बैट फ्री-फॉल और स्टैटिक लाइन पैरा-ड्रॉप्स शामिल थे। एक और पोस्ट में आईएएफ ने कहा कि 8 मार्च को एयरक्राफ्ट ने इंडियन आर्मी के साथ एक जॉइंट एक्सरसाइज में टिहरी झील के ऊपर कॉम्बैट फ्री-फॉल और स्टैटिक लाइन पैरा-ड्रॉप्स किए। इस एक्सरसाइज ने आसान इंटर-सर्विस सिनर्जी और ऑपरेशनल कैपेबिलिटी दिखाई।

सुप्रीम कोर्ट की सख्त नसीहत: केवल मीडिया पब्लिसिटी के लिए जनहित याचिकाएं दायर न करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को निकाय संबंधी कथित लापरवाही के कारण होने वाली मौतों को रोकने के लिए निर्देश जारी करने की मांग वाली एक याचिका को सिरे से खारिज कर दिया। याचिका को खारिज करते हुए न्यायालय ने कड़ा रुख अपनाया और युवा अधिवक्ताओं को केवल मीडिया और सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरने के उद्देश्य से जनहित याचिकाएं दायर करने के प्रति आगाह किया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने एक युवा वकील को सलाह देते हुए कहा कि वकालत के शुरुआती वर्षों में उन्हें कानूनी बारीकियों को समझने, अदालती कार्यवाही को करीब से देखने और मसौदा (ड्राफ्टिंग) तैयार करने के कौशल सीखने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट शब्दों में कहा कि जो लोग इस पेशे में गंभीरता के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं, उन्हें राष्ट्रीय मीडिया या सोशल मीडिया पर छाने की होड़ से दूर रहना चाहिए। उन्होंने टिप्पणी की कि दफ्तरों में काम करने और कानून सीखने के बजाय निराधार याचिकाएं तैयार करना पेशेवर भविष्य के लिए ठीक नहीं है। पीठ ने याचिका को अस्पष्ट और व्यापक दावों से भरी हुई करार देते हुए कहा कि इसमें ऐसे निर्देश मांगे गए हैं जिनका व्यावहारिक रूप से पालन करना अत्यंत कठिन है, इसलिए इस पर विचार करने का कोई ठोस कारण नहीं दिखता। सुनवाई के दौरान जब सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के रखरखाव में विफलता से होने वाली मौतों का मुद्दा उठा, तो पीठ ने याचिकाकर्ता की वकील से पूछा कि उन्होंने इस विशिष्ट मामले में संबंधित अधिकारियों के खिलाफशिकायत दर्ज कराने के बजाय सीधे उच्चतम न्यायालय का दरवाजा क्यों खटखटाया। इस पर वकील ने तर्क दिया कि यह एक राष्ट्रीय मुद्दा बन चुका है। वकील के वकालत के अनुभव (चार वर्ष) की जानकारी मिलने पर प्रधान न्यायाधीश ने जोर देकर कहा कि युवा वकीलों को वरिष्ठों के मार्गदर्शन में समय बिताना चाहिए, न कि केवल प्रचार पाने के लिए अदालत का समय नष्ट करना चाहिए। इसी कड़ी में, उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को एक ही वकील द्वारा दायर पांच अन्य याचिकाओं को भी निरर्थक बताते हुए खारिज कर दिया। इन याचिकाओं में अजीबोगरीब मांगें की गई थीं, जिनमें से एक में यह वैज्ञानिक अध्ययन कराने का आग्रह था कि क्या प्याज और लहसुन में तामसिक या नकारात्मक ऊर्जा होती है। अन्य याचिकाओं में शराब और तंबाकू उत्पादों की सामग्री पर नियंत्रण, संपत्तियों का अनिवार्य पंजीकरण और शास्त्रीय भाषाओं की घोषणा के लिए दिशा-निर्देशों की मांग की गई थी। न्यायालय ने इन सभी याचिकाओं को कानूनी आधार पर शून्य माना और स्पष्ट किया कि जनहित याचिकाओं का दुरुपयोग न्यायपालिका की गंभीरता को कम करता है।

हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की कथित दोहरी नागरिकता मामले में केंद्र से मांगा रिकॉर्ड, अगली सुनवाई 19 को

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खण्ड पीठ ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ कथित दोहरी नागरिकता मामले में दायर याचिका पर सोमवार को सुनवाई की। हाईकोर्ट ने राहुल गांधी से जुड़े कथित दोहरी नागरिकता विवाद के मामले में केंद्र सरकार से संबंधित केस फाइल तलब की है। यह याचिका निचली अदालत द्वारा एफआईआर दर्ज कराने से इनकार किए जाने के आदेश के खिलाफ दाखिल की गई है। याचिका पर करीब डेढ़ घंटे तक विस्तृत बहस हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय का पक्ष रखने के लिए केंद्रीय स्थायी अधिवक्ता राज कुमार सिंह को भी तलब किया और मामले से जुड़ी मामले से जुड़ी ताजा कार्रवाई की जानकारी मांगी। हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 19 मार्च की तारीख तय की है। न्यायमूर्ति राजीव सिंह की एकल पीठ ने यह आदेश एस विग्नेश शिशिर की याचिका पर दिया। याची ने 28 जनवरी 2026 को विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट द्वारा दिए गए आदेश को चुनौती दी है। उस आदेश में अदालत ने राहुल गांधी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने की मांग ठुकरा दी थी। विशेष अदालत ने कहा था कि नागरिकता के सवाल पर निर्णय लेना उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं है। याचिका में राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर विस्तृत जांच कराने की मांग की गई है। याची ने राहुल पर भारतीय न्याय संहिता, आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, विदेशी अधिनियम और पासपोर्ट अधिनियम के तहत आरोप लगाए हैं। यह शिकायत पहले रायबरेली की विशेष एमपी/एमएलए अदालत में दायर की गई थी। बाद में शिकायतकर्ता की अर्जी पर हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने 17 दिसंबर 2025 को मामला रायबरेली से लखनऊ स्थानांतरित कर दिया था। लखनऊ की विशेष अदालत ने 28 जनवरी को याचिका खारिज कर दी। इसके बाद याची ने इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

अपने पूरे परिवार के साथ पीएम मोदी से मिली पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे

-प्रधानमंत्री मोदी और पोते विनायक के बीच मुलाकात रही खास

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और उनका परिवार नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने पहुंचा। इस दौरान वसुंधरा राजे के साथ उनके परिवार के सदस्य भी मौजूद थे। यह मुलाकात शिष्टाचार की रूप में देखी जा रही है, लेकिन मरुधार के राजनीतिक गलियारों में इसकी चर्चाएँ शुरू हो गई हैं।

मुलाकात के दौरान विशेष ध्यान विनायक प्रताप सिंह पर गया, जो अपनी दादी की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने की संभावनाओं के कारण चर्चा में हैं। विनायक ने 2023 में पहली बार मतदान किया था और कुछ चुनावी कार्यक्रमों में भी दिखाई दिए थे। उनकी फिटनेस के प्रति सजगता और यूट्यूब चैनल पर फिटनेस वीडियो साझा करने के कारण युवा वर्ग में उनकी लोकप्रियता है।

इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी और विनायक के बीच मुलाकात में खास बातचीत देखी गई, जिससे यह अटकलें लग रही हैं कि विनायक राजनीति में जल्द ही कदम रख सकते हैं। वर्तमान में वह दिल्ली से कानून की पढ़ाई कर रहे हैं और जिमिंग व ओपन एक्सरसाइज पर विशेष ध्यान देते हैं। राजनीतिक विशेषज्ञ मान रहे हैं कि विनायक की पृष्ठभूमि और युवा छवि उन्हें राजनीतिक क्षेत्र में एक मजबूत उपस्थिति बनाने में मदद कर सकती है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि यह मुलाकात वसुंधरा राजे और उनके परिवार के भविष्य की रणनीतियों का हिस्सा हो सकती है। फिटनेस और कानून की पढ़ाई के साथ विनायक अपनी दादी की विरासत को आधुनिक अंदाज में आगे बढ़ा सकते हैं। मुलाकात के फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहे हैं, जिससे जनता और समर्थकों में उत्सुकता बढ़ी है। इस तरह, यह मुलाकात सिर्फ औपचारिक नहीं बल्कि भविष्य की राजनीतिक संभावनाओं का संकेत भी मानी जा रही है।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू का बचाव कर शाह ने गोगाई को सुना दिया... इतना गैर-जिम्मेदार विपक्ष भी कभी नहीं देखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। न मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर बहस शुरू होते ही, कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू पर निशाना साधकर कहा कि उन्हें उस केंद्रीय मंत्री के रूप में याद किया जाएगा जिन्होंने विपक्ष को सबसे ज्यादा बार बाधित किया। यह गोगोई के संबोधन के दौरान रिजिजू के उस बयान के जवाब में था, जिसमें उन्होंने कहा था कि विपक्षी सांसदों ने असंसदीय शब्दों का प्रयोग किया और मैं इसका जवाब दूंगा।

इसके बाद कांग्रेस सांसद ने कहा कि भविष्य में जब संसदीय अभिलेखों और प्रतिलेखों का अध्ययन होगा, तब आंकड़े बताएंगे कि रिजिजू ही वे संसदीय कार्य मंत्री थे जिन्होंने विपक्ष को सबसे ज्यादा बार बाधित किया। इस पर रिजिजू का बचाव कर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि इस तरह की बाधाएँ तभी आवश्यक होती हैं जब कोई संसदीय नियमों का पालन नहीं करता है, और उन्होंने संसदीय कार्य मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल का उदाहरण दिया।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि मैं सहमत हूँ, संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू जी ने सबसे ज़्यादा व्यवधान डाला है। लेकिन हम लोगों ने इतना गैर-जिम्मेदार विपक्ष भी कभी नहीं देखा। जिसका मतलब था कि व्यवधान विपक्ष द्वारा सदन के नियमों का बार-बार उल्लंघन करने के कारण थे। अपने संबोधन में, गोगोई ने यह भी कहा कि यह प्रस्ताव सदन की गरिमा की रक्षा के लिए लाया गया है, न कि किसी व्यक्तिगत प्रतिशोध के लिए। निचले सदन को संबोधित कर गोगोई ने कहा कि यह प्रस्ताव सदन की गरिमा की रक्षा करने की जिम्मेदारी के रूप में लाया गया है, न कि व्यक्तिगत रूप से ओम बिरला के खिलाफ।

केंद्र सरकार चला रही 54 मंदिर-तीर्थ कॉरिडोर प्रोजेक्ट, राजस्थान में सर्वाधिक 4

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार देश भर में धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 54 मंदिर-तीर्थ कॉरिडोर परियोजनाएँ चला रही है। ये परियोजनाएँ 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू हैं। इनमें सर्वाधिक 4 राजस्थान में हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इन 54 परियोजनाओं में सबसे अधिक चार परियोजनाएँ राजस्थान में हैं, जो राज्य में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के केंद्र के प्रयासों को दर्शाती हैं। यह योजना न केवल तीर्थ यात्रियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने पर केंद्रित है, बल्कि मंदिरों और उनके आसपास के बुनियादी ढांचे को भी सशक्त करने का लक्ष्य रखती है।

केंद्र सरकार के अनुसार, यह पहल देश के सांस्कृतिक और धार्मिक स्थलों को सुरक्षित और व्यवस्थित रूप से विकसित करने के लिए अहम कदम है। योजना के अंतर्गत कॉरिडोर के पास यात्रियों के लिए सुविधाएं, मार्गदर्शन और संरचनात्मक सुधार किए जा रहे हैं, जिससे धार्मिक पर्यटन को नई गति मिलेगी। इस प्रकार, 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैली इन परियोजनाओं के माध्यम से देशभर में धार्मिक स्थलों की अहमियत और पर्यटकों के अनुभव को बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

वीएसआर के मालिक को दुर्घटना के तुरंत बाद कैसे पता चला पायलट की गलती थी?

एनसीपी(एसपी) के विधायक रोहित पवार ने वी के सिंह के बयान पर उठाए सवाल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार और चार अन्य लोगों की विमान दुर्घटना में हुई मौत की जांच अब एक नए विवाद का केंद्र बन गई है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के विधायक रोहित पवार ने इस मामले में विमानन कंपनी वीएसआर वेंचर्स के मालिक वी के सिंह की भूमिका और उनके बयानों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। सीआईडी ने हाल ही में वीएसआर वेंचर्स के मालिक से पूछताछ कर उनका बयान दर्ज किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सिंह ने इस दुर्घटना के लिए पायलट को जिम्मेदार बताया। इसी दावे पर रोहित ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

मीडिया रिपोर्ट कके मुताबिक सीआईडी के एक ??अधिकारी ने कोई विस्तृत जानकारी दिए बिना कहा था कि सीआईडी ने पिछले सप्ताह वी के सिंह से पूछताछ की और उनका बयान दर्ज किया। सीआईडी ??ने सिंह से पूछताछ के संबंध में कोई बयान जारी नहीं किया है। वीएसआर वेंचर्स द्वारा संचालित एक लीयरजेट 45 विमान 28 जनवरी को पुणे जिले के बारामती हवाई पट्टी के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस घटना में अजित पवार और चार अन्य लोगों की मृत्यु हो गई थी।

मीडिया के एक वर्ग ने सीआईडी को दिए सिंह के बयान का जिक्र किया था। रोहित पवार ने मीडिया के एक वर्ग में आए सिंह के इस बयान का हवाला देते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ब्लैक बॉक्स में वास्तव में क्या रिकॉर्ड हुआ था, यह अब तक सामने नहीं आया है। अगर ऐसा है, तो वीएसआर कंपनी के मालिक को दुर्घटना के कुछ ही समय बाद कैसे पता चला कि यह पायलट की गलती थी? वह खुद को इससे दूर रखते हुए दोष किसी और पर डालने की कोशिश कर रहे हैं।

रोहित ने बताया कि कभी रिपोर्ट में कहा जाता है कि विमान का 'ब्लैक बॉक्स' जल गया है, जबकि कभी दावा किया जाता है कि डेटा बरामद कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियां ??इस मामले पर पूरी तरह से चुप्पी साधे हुए हैं। हैरानी की बात यह है कि इतनी बड़ी दुर्घटना के बावजूद सीआईडी ने वी के सिंह से हुई पूछताछ को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। रोहित का मानना है कि इस चुप्पी से जनता के मन में संदेह पैदा हो रहा है। यह मामला अब एक दुर्घटना नहीं, बल्कि एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन चुका है। क्या ब्लैक बॉक्स का सच कभी सामने आएगा या यह फाइलों में ही दफन हो जाएगा?

एलपीजी संकट पर केजरीवाल का पीएम मोदी पर तंज... अपनी कुछ मजबूरियों के कारण ट्रंप के सामने झुके

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और आप पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने देश में संभावित एलपीजी संकट को लेकर केंद्र पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी कुछ मजबूरियों के कारण अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने झुक रहे हैं और इसकी कीमत देश को चुकानी पड़ रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में अस्थिरता पैदा हो गई है, इससे तेल और गैस बाजार प्रभावित हो रहे हैं। इस बीच केजरीवाल ने दावा किया कि देशभर में कई व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को एलपीजी की आपूर्ति रोकी गई है। उनके अनुसार, शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों को छोड़कर अन्य सभी कारोबारी प्रतिष्ठानों को फिलहाल एलपीजी गैस नहीं दी जा रही है और गैस केवल घरेलू उपयोग के लिए उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने आशंका जाहिर की कि आने वाले दिनों में गैस और तेल की स्थिति और भी गंभीर हो सकती है।

दरअसल, यह बयान उस समय आया जब पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने तेल रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का निर्देश दे दिया है। मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संकट और वैश्विक आपूर्ति में बाधा को देखकर देश में ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना जरूरी है। इसलिए अतिरिक्त एलपीजी उत्पादन को विशेष रूप से घरेलू उपयोग के लिए निर्देशित किया गया है। मंत्रालय ने यह भी घोषणा की कि मौजूदा आपूर्ति व्यवस्था को संतुलित बनाए रखने और जमाखोरी तथा कालाबाजारी को रोकने के लिए एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए 25 दिनों की इंटर-बुकिंग अवधि लागू की गई है। मोदी सरकार ने रिफाइनरियों और पेट्रोकेमिकल इकाइयों को एलपीजी उत्पादन अधिकतम करने तथा प्रमुख हाइड्रोकार्बन स्रोतों को एलपीजी पूल में भेजने का निर्देश दिया है। मोदी सरकार का कहना है कि इन कदमों का उद्देश्य आम नागरिकों को रसोई गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करना और संकट के समय ऊर्जा आपूर्ति को स्थिर बनाए रखना है। वहीं विपक्ष इस मुद्दे पर सरकार की नीतियों और अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर सवाल उठा रहा है।

राजस्थान में बढ़ते प्रदूषण से लोगों की घटा रहा उम्र, साल में 20 दिन ही मिल रही शुद्ध हवा

-रिपोर्ट में खुलासा जहरीली हवा में खतरनाक कण मौजूद, शरीर को पहुंच रहा नुकसान

श्रीनगर (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। राजस्थान में बढ़ता प्रदूषण प्रदेशवासियों की औसत उम्र घटा रहा है। जयपुर में तो साल में 20 दिन ही शुद्ध हवा लोगों को मिल रही है। जहरीली हवा में मौजूद बारीक कण सिर्फ फेफड़े ही नहीं दिमाग की नसों तक पहुंच रहे हैं। किडनी डैमेज होने का खतरा बढ़ रहा है। एक ताजा रिपोर्ट में यह चौंकान वाला खुलासा हुआ है। रिपोर्ट बताती है कि जयपुर का हर नागरिक अपनी औसत उम्र के 3 साल 10 महीने और 24 दिन सिर्फ जहरीली हवा के कारण कम कर रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट ने 25 फरवरी 2026 को 'स्टेट ऑफ इंडियाज एनवायरमेंट-2026' नाम से एक रिपोर्ट जारी की थी। प्रदेश के लिए वर्ष 2021 से 2025 के बीच प्रदूषण स्तर एक्यूआई के आंकड़े जुटाए गए फिर प्रदूषित हवा में मौजूद सूक्ष्म कणों की मात्रा के आधार पर आंकलन किया गया कि ये उम्र पर कितना असर डाल रहे हैं। रिपोर्ट में सामने आया कि जहरीली हवा में इतने खतरनाक कण मौजूद हैं, जो सांस से हमारे शरीर में जा रहे हैं। इससे प्रदेश के हर व्यक्ति की उम्र औसतन घट रही है।

प्रदेश की अनुमानित आबादी 8 करोड़ है। सबसे ज्यादा आबादी जयपुर की है। जयपुर में रहने वाले लोग औसत से भी 7 महीने ज्यादा उम्र खो रहे हैं। आंकड़े के मुताबिक 1 जनवरी 2021 से 31 मार्च 2025 के बीच कुल 1,550 दिनों में से करीब 450 दिन एक्यूआई खराब से बहुत खराब श्रेणी में रहा। इसका मतलब यह है कि जयपुर का हर तीसरा दिन प्रदूषण के उस खतरनाक स्तर पर पहुंचा, जिसके संपर्क में लंबे समय तक रहने पर सांस और हार्ट संबंधी रोग हो सकते हैं। इसके विपरीत पूरे साढ़े चार साल में केवल 81 दिन ही ऐसे थे, जब लोगों को अच्छी हवा मिली यानी जयपुर वालों को साल में औसत रूप से 20 दिन भी पूरी तरह शुद्ध हवा नसीब नहीं हुई।

रिपोर्ट से पता चलता है कि जहरीली हवा आपके शरीर के हर हिस्से को छलनी कर रही है। हवा में मौजूद बारीक कण खून के जरिए दिमाग तक पहुंच रहे हैं। इससे ब्रेन फॉग, चिड़चिड़ापन और नींद की कमी हो रही है। लंबे समय में यह अल्जाइमर और पार्किंसंस जैसी बीमारियों का रिस्क बढ़ा रही है। प्रदूषित हवा के कारण बच्चों में एनीमिया यानी खून की कमी और जन्म के समय कम वजन जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। यह हवा किडनी की कार्य क्षमता को बिगाड़ रही है और डायबिटीज का खतरा बढ़ा रही हैं।

जयपुर के अस्थमा रोग विशेषज्ञ बताते हैं- वायु प्रदूषण के कारण अस्थमा की समस्याओं वाले मरीजों की संख्या बढ़ रही है। इसके कारण सांस लेने में दिक्कत, ब्रेन फॉग, सिरदर्द, चिड़चिड़ापन और नींद की समस्या से जूझ रहे मरीज ज्यादा आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदूषित हवा का असर बच्चों और बुजुर्गों पर ज्यादा हो रहा है। बच्चों में एनीमिया, फेफड़ों का कमजोर विकास और कम वजन जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं, जबकि वयस्कों में किडनी से जुड़ी परेशानी, डायबिटीज और हृदय रोग का खतरा भी बढ़ता देखा जा रहा है।

डॉक्टर के मुताबिक जिन क्षेत्रों में प्रदूषण ज्यादा है, वहां रहने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। बाहर निकलते समय मास्क का इस्तेमाल करें, पौष्टिक भोजन लेना चाहिए ताकि शरीर की इम्यूनिटी मजबूत बनी रहे। साथ ही बच्चों और बुजुर्गों का खास ध्यान रखना जरूरी है, क्योंकि प्रदूषण का असर इन पर ज्यादा तेजी से होता है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)